ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ
DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य के सभी लिंगायत मंत्री जाति जनगणना रिपोर्ट पर एकजुट हैं: एम बी पाटिल @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 21 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-109

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट को ललकारा

देश में धार्मिक युद्ध भड़का रहा है सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। संविधान प्रदत्त अधिकारों का बार-बार उल्लंघन कर सीर्ष संवैधानिक आसन को आदेश जारी करने और संसद के दोनों सदनों से पारित कानून की सुनवाई करने की सुप्रीम कोर्ट की हरकतों के खिलाफ भाजपा के दो सांसदों ने सुप्रीम कोर्ट को खुलेआम ललकारा है और अपने संवैधानिक सीमा के तहत काम करने की हिदायत दी है। भाजपा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने कहा, अगर शीर्ष अदालत को ही कानून बनाना है तो संसद और राज्य की विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। दुबे ने आश्चर्य जाहिर किया कि सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को कैसे आदेश दे सकता है? सुप्रीम कोर्ट की हरकतों का उदाहरण देते हुए भाजपा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने कहा, देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। सांसद दुबे सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना पर सीधा-सीधा प्रहार किया कि मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना इस देश में गृह युद्ध के लिए जिम्मेदार हैं।

सुप्रीम कोर्ट संसद को चुनौती नहीं दे सकता
तो बंद कर दीजिए संसद और विधानसभाएं

उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं मौजूदा राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने भी कहा, संसद को कोई चुनौती नहीं दे सकता। यह बात संविधान में स्पष्ट तौर पर लिखी हुई है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में विधायिका और न्यायपालिका के अधिकार स्पष्ट रूप से वर्णित किए हैं। भारत के संविधान के अनुसार, कोई भी लोकसभा और राज्यसभा को निर्देश नहीं दे सकता। कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक आसन है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा कुछ विधेयकों को रोकने से जुड़े एक मामले में फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मर्यादा की सीमा लांघने में कोई संकोच नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति की जेबी-वीटो से जुड़ी शक्तियों को लेकर प्रतिकूल टिप्पणियां कीं और राष्ट्रपति को भी तीन महीने के अंदर फैसला लेने का निर्देश दे डाला। सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच पर आसीन जेबी पारदीवाला और आर महादेवन यह भूल गए संवैधानिक वरिष्ठता-क्रम में मुख्य न्यायाधीश का स्थान छठे नंबर पर आता है। फिर उन्हें अपने क्रम के बारे में सोचना चाहिए था। लेकिन एक्टिविज्म के अति-उत्साह में उन्होंने अपने नियोक्ता एवं शीर्ष संवैधानिक आसन पर बैठे राष्ट्रपति को भी निर्देश दे डाला। इस विवादास्पद फैसले के कुछ ही दिन बाद फिर सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून को लेकर कई टिप्पणियां कीं और उस पर सुनवाई शुरू कर दी। जबकि वक्फ कानून संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुका है।भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट के इस आचरण पर निशाना साधते हुए कहा, अगर सुप्रीम कोर्ट को कानून बनाना है तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। मैंने संविधान के अनुच्छेद 141 का अध्ययन किया है। ▶10 पर

चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्त थे एसवाई कुरैशी: दुबे

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन कानून पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त की कट्टरपंथी इस्लामिक टिप्पणी पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, एसवाई कुरैशी चुनाव आयुक्त नहीं थे, वे मुस्लिम आयुक्त थे। झारखंड के संथाल परगना में कुरैशी के कार्यकाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों को सबसे ज्यादा वोटर बनाया गया। निशिकांत दुबे ने एसवाई कुरैशी को इतिहास पढ़ने और देश को जोड़ने की नसीहत दी, साथ ही चेतावनी भी दी कि तोड़ने से पाकिस्तान बना, लेकिन अब देश तोड़ने की साजिशें नहीं चलेंगी। अब भारत का बंटवारा नहीं होगा।

भाजपा के 'बहादुर' अध्यक्ष नड्डा ने पल्ला झाड़ लिया

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी पार्टी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष खुद को गुड-बॉय दिखाते हुए अपने ही सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा के बयान से पल्ला झाड़ लिया। नड्डा ने कहा, ये उनके निजी विचार हैं, उनसे भाजपा का कोई लेना देना नहीं है। इस तरह नड्डा ने स्पष्ट कर दिया कि भाजपा के विचार क्या हैं और कितने शौर्यपूर्ण हैं।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा के सुप्रीम कोर्ट पर दिए गए बयान को उनकी निजी राय बताया। उन्होंने कहा, भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है। नड्डा ने यह भी जोड़ा कि भाजपा इन बयान को सिरे से खारिज करती है। नड्डा ने कहा, भारतीय जनता पार्टी ने सदैव ही न्यायपालिका का सम्मान किया है, उनके आदेशों और सुझावों को सहर्ष स्वीकार किया है क्योंकि एक पार्टी के नाते हमारा मानना है कि सर्वोच्च न्यायालय सहित देश की सभी अदालतें हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं तथा संविधान के संरक्षण का मजबूत आधारस्तंभ हैं। मैंने इन दोनों को और सभी को ऐसे बयान न देने के लिए निर्देशित किया है।

धनखड़ ने बेजा आचरण पर सुप्रीम कोर्ट को रगड़ दिया

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के गैर-संवैधानिक और अमर्यादित आचरण के खिलाफ देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट को हिदायत दी थी कि वह सुपर संसद बनने की कोशिश न करे। उन्होंने कहा था, दिल्ली हाईकोर्ट के जज के घर से अकूत धन पाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट कोई कार्रवाई नहीं करता और राष्ट्रपति के आसन पर उंगली उठाता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ऐसे न्यायिक आचरण से लोगों के दिल पर गहरी चोट लगी है, लोगों का विश्वास डगमगा गया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक सर्वे की भी चर्चा की, जिसमें पता चला था कि न्यायपालिका में लोगों का विश्वास कम हो रहा है। धनखड़ ने कहा कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पारदर्शी हों और कानून के सामने सबके बराबर होने के सिद्धांत का पालन करें। यह हमारे लोकतंत्र का आधार है। जगदीप धनखड़ ने संविधान के अनुच्छेद 142 का जिक्र करते हुए कहा कि इसके तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ न्यूक्लियर मिसाइल की तरह इस्तेमाल हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकत है। उपराष्ट्रपति ने कहा, अब जज विधायी चीजों पर फैसला करेंगे।

▶10 पर

पाकिस्तान की कायराना करतूत

कुलभूषण जाधव को कानूनी मदद से इन्कार

इस्लामाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने एक बार फिर नापाक चाल चली और भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार देने से मना कर दिया है। कुलभूषण जाधव पर पाकिस्तान भारतीय जासूस होने का आरोप लगाया गया है। अब पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने वहां के सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि कुलभूषण जाधव को अंतरराष्ट्रीय न्याय न्यायालय से सिर्फ काउंसलर एक्सेस देने का आदेश दिया गया था। कुलभूषण जाधव के पास अपील करने का अधिकार नहीं है।

दरअसल पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद 9 मई 2023 को पाकिस्तान में भड़की हिंसा के आरोपियों के मामले पर सुनवाई कर रहा था। इस दौरान दावा किया गया कि हिंसा के लिए सैन्य अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए लोगों को अपील का अधिकार नहीं दिया गया है, जबकि भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार दिया गया है। इसके जवाब में ही पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार नहीं दिया गया है बल्कि उन्हें आईसीजे के आदेश के बाद सिर्फ काउंसलर एक्सेस दिया गया था।

कुलभूषण जाधव एक सेवानिवृत्त नौसेना अधिकारी हैं, जो सेवानिवृत्ति के बाद ईरान के चाबहार में व्यवसाय कर रहे थे। साल 2016 में पाकिस्तान ने कथित तौर पर कुलभूषण जाधव का अपहरण कर लिया और उन पर भारत का जासूस होने का आरोप लगाकर जेल में बंद कर दिया। एक साल बाद यानी 2017 में पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने जासूसी के आरोप में कुलभूषण जाधव को मौत की सजा सुना दी। भारत ने इस फैसले का कड़ा विरोध किया और इसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्याय न्यायालय में अपील की। अंतरराष्ट्रीय न्याय न्यायालय ने भारत के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कुलभूषण जाधव की मौत की सजा पर रोक लगा दी और पाकिस्तान को सुनवाई की समीक्षा करने और भारतीय नागरिक को काउंसलर एक्सेस देने का आदेश दिया।

केंद्र से जुड़े मुकदमे कम करने का निर्देश जारी

केंद्र करीब सात लाख मामलों में पक्षकार हैं

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने केंद्र सरकार से जुड़े मुकदमों को कम करने के लिए सभी मंत्रालयों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि केंद्र सरकार करीब सात लाख मामलों में पक्षकार है। कानून मंत्रालय ने कहा है कि जनहित में लिए गए फैसलों को अगर ठीक से लागू नहीं किया जाए, तो इससे लोगों को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ सकता है। इससे केंद्र सरकार पर कानूनी बोझ बढ़ता है। मंत्रालय ने सरकार से जुड़े मुकदमों की संख्या को कम करने के लिए खास कदम उठाए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश की अदालतों में करीब सात लाख मामलों में केंद्र सरकार एक पक्ष है। अकेले वित्त मंत्रालय ही लगभग 1.9 लाख मामलों में पक्षकार है।

कानून मंत्रालय के अनुसार, कई बार सरकार जनहित में फैसले तो लेती है, लेकिन उनका सही तरीके से लागू नहीं किया जाना या अस्पष्ट आदेश लोगों को परेशान करते हैं। इससे या तो लाभार्थियों को लाभ नहीं मिलता या फिर गलत लोगों को फायदा पहुंचता है। ऐसे में प्रभावित लोग इसे अन्याय मानकर अदालत में केस कर देते हैं। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए कानून मंत्रालय के विधिक कार्य विभाग ने सरकारी मुकदमों के प्रभावी प्रबंधन के लिए निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बिना वजह की अपीलों को रोका जाएगा। नोटिफिकेशन और आदेशों में विसंगतियों को दूर किया जाएगा। इसके साथ ही कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। हर मंत्रालय को इन निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

कानून मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सरकार के फैसलों का मकसद जनता की भलाई और सुशासन है। लेकिन जब फैसले ठीक से लागू नहीं होते, तो जनता को ही नुकसान होता है और सरकार पर मुकदमों का बोझ बढ़ता है। इसलिए मंत्रालय चाहता है कि नए निर्देशों से मुकदमे कम हों और प्रशासन बेहतर चले।

लद्दाख में भारतीय सेना ने रचा इतिहास

गलवान से सियाचिन तक अब 5-जी नेटवर्क

लेह, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। गलवान और सियाचिन ग्लेशियर सहित दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिक अब अपने प्रियजनों के साथ सम्पर्क में रह सकते हैं, क्योंकि सेना ने लद्दाख क्षेत्र में विश्वसनीय हाई-स्पीड मोबाइल कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान की है। पहली बार दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों जैसे डीबीओ, गलवान, डेमचोक, चुमार, बटालिक, द्रास और सियाचिन ग्लेशियर में तैनात सैनिकों तक विश्वसनीय 4 जी और 5 जी मोबाइल कनेक्टिविटी तक पहुंच है।

सेना ने बताया कि पूर्वी लद्दाख, पश्चिमी लद्दाख और सियाचिन ग्लेशियर के अग्रिम स्थानों सहित लद्दाख के दूरदराज और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अभूतपूर्व मोबाइल कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान कर दी गई है।

सेना की इस पहल से 18 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर अग्रिम चौकियों पर तैनात सैनिकों के लिए एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला साबित हुई है, जिससे उन्हें अपने परिवार और प्रियजनों के साथ जुड़े रहने में मदद मिली है। भारतीय सेना ने अपने मजबूत ऑप्टिकल फाइबर केबल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के साथ भागीदारी की है।

सेना के अधिकारियों ने कहा कि फायर एंड फ्यूरी कोर ने इस तालमेल को सक्षम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है, जिसके तहत सेना के बुनियादी ढांचे पर कई मोबाइल टावर लगाए गए हैं, जिनमें अकेले लद्दाख और कारगिल जिलों में चार प्रमुख टावर शामिल हैं। विशेष रूप से सियाचिन ग्लेशियर पर 5-जी मोबाइल टावर की सफल स्थापना थी। अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय आबादी ने इस पहल का अत्यधिक आभार के साथ स्वागत किया है। मोबाइल कनेक्टिविटी केवल एक संचार उपकरण नहीं है, बल्कि यह भारतीय सेना की दूरदर्शी पहल राष्ट्रीय एकीकरण और विकास के लिए अपनी स्थायी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

शेयर मार्केट

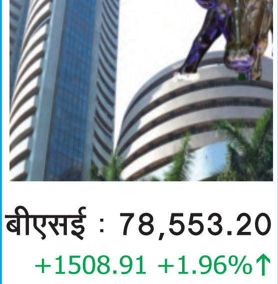

बीएसई : 78,553.20
+1508.91 +1.96%↑
एनएसई :23,851.65
414.45 (1.77%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 24^0

संयुक्त अरब अमीरात में सैन्य अभ्यास में अपने जौहर दिखायेंगे भारतीय लड़ाकू विमान

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के मिग-29 और जगुआर लड़ाकू विमान कल से संयुक्त अरब अमीरात में प्रतिष्ठित हवाई युद्ध अभ्यास डेजर्ड फ्लैश -10 में अपने जौहर और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करेंगे।वायु सेना के प्रवक्ता ने रविवर को यहां बताया कि वायु सेना की टुकड़ी इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के अल धफरा एयर बेस पर पहुंच गयी है। डेजर्ट फ्लैग अभ्यास संयुक्त अरब अमीरात वायु सेना द्वारा आयोजित एक बहुराष्ट्रीय अभ्यास है जिसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, फ्रांस, जर्मनी, कतर, सऊदी अरब, कोरिया , तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका की वायु सेनाएं भाग ले रही हैं। यह अभ्यास कल से शुरू होकर आठ मई तक चलेगा।

अभ्यास का उद्देश्य दुनिया की कुछ सबसे सक्षम वायु सेनाओं के साथ संचालन अनुभव और सर्वोत्तम प्रणालियों का आदान-प्रदान करते हुए जटिल तथा विविध लड़ाकू अभियानों को अंजाम देना है। इस तरह के अभ्यासों में भाग लेने से आपसी समझ तथा अंतर-संचालन क्षमता बढ़ती है और भाग लेने वाले देशों के बीच सैन्य सहयोग मजबूत होता है। भारतीय वायुसेना की भागीदारी इस क्षेत्र और मित्र देशों के साथ रक्षा संबंधों तथा अंतर-संचालन क्षमता को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भाजपा ने शुरू किया 'वक्फ सुधार जन जागरूकता अभियान'

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ कानून को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी एक्शन मोड में है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस कानून की खूबियों को मुस्लिम समाज तक पहुंचाने के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान शुरू करने का फैसला किया है। पार्टी ने इस पहल को 'वक्फ सुधार जन जागरूकता अभियान' नाम दिया है, जो 20 अप्रैल से लेकर 5 मई तक चलेगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को इस अभियान के तहत देशभर में भेजा जाएगा, जहां वे मुस्लिम समुदाय के बीच जाकर वक्फ संशोधन अधिनियम की विशेषताओं और इसके संभावित लाभों के बारे में जानकारी देंगे। पार्टी का मानना है कि इस कानून को लेकर समाज में कई तरह की गलतफहमियां फैल गई हैं, जिन्हें दूर करना बेहद जरूरी है। इस अभियान को लेकर तैयारियों की शुरुआत पहले ही की जा चुकी है। 10 अप्रैल को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और अन्य प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वक्फ कानून के प्रमुख बिंदुओं और उसके लाभों की विस्तार से जानकारी देना था।जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कानून पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से लाया गया है और इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना है।

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

द इनर स्टोरी फेयर की तैयारियां जोरों पर

बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनर वियर एसोसिएशन की ओर से रविवार को सभी डिस्ट्रीब्यूटर्स एवं मैन्युफैक्चरर्स की एक सभा का आयोजन राजस्थानी ढाणी एंड रिसॉर्ट हेसरघट्टा रोड पर किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी एवं महावीरचंद मेहता, सचिव रविंद्र बंबोली, सह-सचिव विनोद चौहान, कोषाध्यक्ष प्रकाश

चाणोदिया एवं सह-कोषाध्यक्ष सैंकी जैन सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। मंगलाचरण उपाध्यक्ष महावीर मेहता ने किया। उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर अध्यक्ष दिलीप जैन ने अतिथियों का स्वागत किया एवं एसोसिएशन की उपलब्धियों व आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। सचिव रविंद्र बंबोली एवं अन्य पदाधिकारियों ने एसोसिएशन की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा जुलाई माह में पैलेस ग्राउंड में आयोजित होने वाले द इनर स्टोरी फेयर की जानकारी दी। साथ ही सभी सदस्यों से उसमें भाग लेने का आग्रह किया। इस आयोजन की व्यवस्थाओं में राजेश जैन, मूलसिंह, सैंकी जैन, माधोराम एवं गौरव शर्मा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों एवं अतिथियों ने पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लिया एवं स्मृति-स्वरूप रिटर्न गिफ्ट दिए गए।

6 दिवसीय आत्मरक्षा शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री अजितनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ नगरथपेट ने क्राइम इनवेस्टिगेशन बोर्ड के साथ समन्वय में 6 दिवसीय आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया। श्री आर्यशेखर की प्रेरणा से शिविर शुरू किया गया था और आचार्य विमलसागरसूरीजी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इसमें 106 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। वे बुनियादी तकनीक सीख कर, कैसे अपना जीवन बचाएं व समाज और देश की मदद करें, के बारे में जानकारी हासिल की। छह दिवसीय शिविर

के आखिरी दिन रविवार को सत्र की शुरुआत व मंच संचालन महासचिव सिद्धार्थ मेहता व अनिता कोठारी सचिव ने किया। उसके बाद अध्यक्ष बसंत जैन ने आत्मरक्षा प्रशिक्षक के बारे में बताया। अंत में प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। इस मौके पर कमलेश बोहरा, कमलेश भंसाली, उज्ज्वल, बिनोद भाटी, प्रवीण जैन, श्री अजितनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के मंत्री किशोर व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सीईटी परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी से जनेऊ उतरवाने के मामले में कॉलेज के प्रिंसिपल और स्टाफ निलंबित

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। छात्र से जनेऊ उतरवाने के मामले में साईं स्फूर्ति पीयू कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. चंद्र शेखर बिरादर और स्टाफ सतीश पवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। छात्र सुचिव्रत कुलकर्णी ने दावा किया था कि 17 अप्रैल को बीदर के साईं स्फूर्ति पीयू कॉलेज में कर्नाटक सीईटी परीक्षा केंद्र पर उनसे जनेऊ उतरवाया गया था। दरअसल, 17 अप्रैल को कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी परीक्षा) के दौरान परीक्षा केंद्र पर एक छात्र से जबरन जनेऊ (पवित्र धागा) हटाने की मांग की गई। छात्र बीदर के साईं स्फूर्ति पीयू कॉलेज में परीक्षा देने गया था, लेकिन वहां मौजूद स्टाफ ने कहा कि अगर वह जनेऊ नहीं हटाता, तो उसे परीक्षा देने नहीं दिया जाएगा। छात्र ने धार्मिक प्रतीक बताते हुए जनेऊ हटाने से इनकार किया, जिसके बाद उसे परीक्षा देने से रोक दिया गया और वह वापस घर लौट आया। छात्र सुचिव्रत कुलकर्णी की मां नीता कुलकर्णी ने भी इस घटना पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा मेरे बेटे ने कहा कि वह जनेऊ नहीं हटा सकता, क्योंकि यह धार्मिक मान्यता से जुड़ा हुआ है। फिर भी उसे परीक्षा से बाहर कर दिया गया। ये बहुत गलत हुआ है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि या तो उनके बेटे के लिए दोबारा परीक्षा कराई जाए, या फिर उसे किसी अच्छे कॉलेज में दाखिला दिलाया जाए, जिसकी फीस सरकार या संबंधित कॉलेज द्वारा दी जाए। इससे पहले आदिचुंचनगिरी पीयू कॉलेज में भी ऐसा ही विवाद हुआ था। पुलिस ने शनिवार को बताया कि सीईटी परीक्षा केंद्र आदिचुंचनगिरी पीयू कॉलेज के अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इन अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने छात्रों से परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से पहले अपने 'जनिवार' (ब्राह्मणों द्वारा पहना जाने वाला पवित्र धागा) उतारने के लिए कहा। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा केंद्र पर तैनात दो होमगार्डों को इस संबंध में निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने छात्रों से पवित्र धागा उतारने के लिए कहा था। कर्नाटक ब्राह्मण सभा के नटराज भागवत की ओर से शुक्रवार को शिकायत दर्ज किए जाने के बाद मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 299 (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य, जिसका उद्देश्य किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करना), 351 (1) (आपराधिक धमकी), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 3(5) (सामान्य इरादा) शामिल हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन के संज्ञान में घटना लाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई और छात्रों से परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से पहले 'जनेऊ' उतारने के लिए कहने से छात्रों के साथ-साथ समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। जिला प्रभारी मंत्री मधु बंगारप्पा के निर्देश के बाद शिवमोग्गा के डिप्टी कमिश्नर गुरुदत्त हेगड़े ने दो होमगार्ड को निलंबित कर दिया और सीईटी आयोजित करने वाले कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण को एक रिपोर्ट सौंपी गई है। कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन करने के लिए आयोजित किया जाता है।

पश्चिमी बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग

देश भर में सैकड़ों स्थानों पर विहिप ने किया विरोध प्रदर्शन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल हुब्बल्ली महानगर ने तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और उनके उत्पीड़न की घटनाओं के मद्देनजर राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई। विहिप प्रांत विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अशोक अन्वेकर ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर कहा कि बंगाल, जो कभी स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंद की भूमि रही है, वहां आज हिंदुओं की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है।

उन्होंने बंगाल के इतिहास की ओर इशारा करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल को बांटने की योजना बनाई थी, जिसे उस समय सभी ने मिलकर विफल किया था। दुर्भाग्य से 1947 में देश की आजादी के समय विभाजन हुआ और उस समय दंगे, हत्याएं, बलात्कार जैसी घटनाएं घटित हुईं। अन्वेकर ने

कहा कि हिंदू समाज ने विभाजन को धर्म के आधार पर स्वीकार किया, जिसके चलते मुसलमानों को अपना अलग देश मिला। लेकिन विभाजन के बाद भी हिंदू समाज ने अल्पसंख्यकों के प्रति कभी भी घृणा नहीं रखी और उन्हें शांतिपूर्ण जीवन यापन का अधिकार दिया। इसके विपरीत, जहाँ भी हिंदू समाज अल्पसंख्यक है, चाहे वह पश्चिम बंगाल हो, उत्तर प्रदेश हो, किशनगंज हो, या बांग्लादेश हो, वहां उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ, तो बाबा साहेब अंबेडकर की बात के अनुसार मुसलमानों को अपने मुस्लिम राष्ट्र चले जाना चाहिए था। अन्वेकर ने आगे कहा कि बंगाल में जो भी हो रहा है, वह सिर्फ वक्फ का बहाना है। यह कानून मुसलमानों की सामाजिक कल्याण के प्रबंधन का है, लेकिन इसका उपयोग हिंदुओं पर अत्याचार करने के लिए किया जा रहा है। बंगाल में घर जलाए गए, दुकाने लूटी गईं, मवेशी छीन लिए गए, और बहु-बेटियों की इज्जत को खतरे में डाला गया है। राज्य सरकार इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है, और इसके किसी मंत्री या मुख्यमंत्री ने अब तक पीड़ित परिवारों से मुलाकात नहीं की है। वहां के पीड़ित परिवारों को अपनी जान बचाने के लिए पलायन करना पड़ा है। विश्व हिंदू परिषद हुब्बल्ली महानगर सेवा प्रमुख सुभाष चंद्रा डंक ने मांग की कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पश्चिम बंगाल की वर्तमान भयावह स्थिति का शीघ्र संज्ञान लेते हुए राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करनी चाहिए क्योंकि वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर मूकदर्शक बनी हुई हैं, संवैधानिक पद पर रहते हुए एक पक्ष की सहायक बनी हुई हैं और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही हैं। जिसके कारण राज्य के लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पूर्णतया खराब हो चुकी है। इस दौरान विहिप धारवाड़ विभाग गौरक्षा प्रमुख विजय क्षीरसागर, हुब्बल्ली महानगर कार्यदर्शी रघु एलक्कनवर, बजरंगदल संयोजक गंगाधर संगम शेट्टर, विहिप महानगर सम्पर्क प्रमुख विवेकानन्द मोकाशी, सचिन पाटिल, एलप्पा बागलकोटा, केशव बदनत्ती, तोटाप्पा निड्गुणडी, वीणा चालुवल्ली, चिदानंद सहित अन्य उपस्थित थे।

सिद्धरामैया ने राहुल गांधी को लिखा पत्र

रोहित वेमुला अधिनियम के लिए मसौदे की तैयारी की दी जानकारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार शाम को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर सूचित किया कि उन्होंने अपनी कानूनी सलाहकार टीम को रोहित वेमुला अधिनियम का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया है।

यह कानून शिक्षण संस्थानों में भेदभाव के खिलाफ एक निवारक उपाय के रूप में काम करेगा। सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा था कि राज्य सरकार कर्नाटक में रोहित वेमुला अधिनियम को जल्द से जल्द लागू करने के लिए अपने संकल्प को लेकर प्रतिबद्ध है।

राहुल गांधी ने उनसे आग्रह किया था कि इस कानून को लागू किया जाए, ताकि कोई भी

व्यक्ति शिक्षा व्यवस्था में जाति आधारित भेदभाव का सामना न करे।

सिद्धरामैया ने अपने पत्र में कहा आपके 16 अप्रैल 2025 के पत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर के साथ घटी घटना का का जिक्र किया गया है। यह आज भी एक दुखद सच्चाई है। किसी भी बच्चे या वयस्क को ऐसी शर्मनाक और कलंकित करने वाली घटना का सामना नहीं करना चाहिए, जो बाबासाहब ने झेली है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वह और उनकी सरकार एक समतामूलक समाज बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा हमें एकजुट होकर दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाना होगा। दबे-कुचले वर्गों को अब हमारी शिक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह का भेदभाव का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने अपने कानूनी सलाहकार और उनकी टीम को रोहित वेमुला अधिनियम का एक मसौदा तैयार करने करने के लिए निर्देश दिया है। यह कानून शिक्षण संस्थानों में भेदभाव को प्रभावी रूप से रोकने का काम करेगा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में राहुल गांधी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन में झेले गए भेदभाव पर प्रकाश डाला गया था और कहा था कि सिद्धरामैया इस बात से सहमत होंगे कि अंबेडकर ने जो कुछ झेला, वह शर्मनाक था और भारत के किसी भी बच्चे को ऐसा सहना नहीं चाहिए।

रिक्की राय की हत्या का प्रयास सुपारी किलर का संदेह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रामनगर जिला पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी है, क्योंकि उन्हें संदेह है कि मुथप्पा राय के बेटे रिक्की राय की गोली मारकर घायल करने और फिर भागने वाला व्यक्ति सुपारी किलर हो सकता है।

गोली मारकर भागने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए गठित चार टीमों में से एक इस मामले की जांच कर रही है और कुछ सुपारी किलर से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है। घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस को अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि रिक्की राय पर गोली चलाने वाले और भागने वाले अपराधी कौन थे। पूरा मामला अभी भी रहस्य बना हुआ है। पुलिस इस बात को लेकर संशय में है कि रिक्की राय को

किसने और क्यों गोली मारी। पुलिस यह पता लगाने के लिए हर तरह की जानकारी जुटा रही है कि क्या यह घटना संपत्ति के मुद्दे से संबंधित थी क्योंकि मुथप्पा राय ने बहुत अधिक संपत्ति अर्जित की है, क्या उस व्यवसाय की पृष्ठभूमि में कुछ हुआ था क्योंकि रिक्की राय रियल एस्टेट के व्यवसाय में है, या क्या यह घटना पुरानी दुश्मनी के कारण हुई। रिक्की राय की कार के चालक बसवराजू ने बिदादी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें मुथप्पा राय की दूसरी पत्नी अनुराधा, राय के करीबी सहयोगी राकेश मल्ली, नितीश शेट्टी और वैद्यनाथन के खिलाफ संदेह व्यक्त किया गया है। बसवराजू ने शिकायत में कहा कि रिक्की राय ने ही उन पर संदेह व्यक्त किया था और उन्हें बताया था। इस शिकायत के बाद पुलिस जल्द ही एफआईआर में नामजद सभी चार लोगों को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी करेगी। मामला दर्ज होने के बाद एक टीम एफआईआर में दिए गए विवरणों की गहन जांच कर रही है।

घटनास्थल पर बिना सिम वाला एक साधारण मोबाइल सेट पाया गया। पुलिस ने इसे जब्त कर लिया है और जांच तेज कर दी है। बिदादी पुलिस, जिसने पहले ही ड्राइवर बसवराजू से कई जानकारियां प्राप्त कर ली हैं, रिक्की राय से मुलाकात करेगी, जो घायल है और मणिपाल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है, तथा घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त करेगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रिक्की राय का बयान मिलने के बाद मामले की जांच और तेज कर दी जाएगी।

स्कूटर पर पांच लोगों के सवार होने और यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने का वीडियो वायरल

लोगों में आक्रोश

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें पांच लोग एक ही स्कूटर पर सवार होकर यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए यात्रा कर रहे हैं। इस वीडियो को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है। माना जा रहा है कि यह घटना मणिपाल इलाके में हुई है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रहे इस वीडियो में पांच लोग खतरनाक तरीके से स्कूटर चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो को लेकर

सड़क सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकि, सटीक स्थान की पुष्टि अभी नहीं हो पाई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह मणिपाल क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। मणिपाल पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है, लेकिन अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि स्कूटर पर सवार लोग छात्र हैं। इस पर लोगों ने अधिकारियों से सवाल पूछे हैं। अगर छात्र नियम तोड़ते हैं, तो क्या उन्हें दंडित नहीं किया जाएगा? क्या पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी? क्या अब यातायात नियम लागू नहीं होते? उडुपी-मणिपाल सड़क पर दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या पर निवासियों ने भी चिंता जताई है और यातायात नियमों का उल्लंघन करके सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि पुलिस ने ऐसे अपराधियों के खिलाफ तत्काल कोई कदम क्यों नहीं उठाया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बेंगलूरु छावनी क्षेत्र का सुप्रसिद्ध पारंपरिक फूल पालकी उत्सव अलसूर में शनिवार रात से रविवार मध्याह्न तक आयोजित हुआ। स्थानीय भाषा में पालकी वार्षिक आयोजन में अलसूर एवं आसपास के सौ से ज्यादा मंदिरों की प्रतिमाओं की रथ यात्रा निकाली गई। अलसूर के स्थापत्य कला के लिए मशहूर प्राचीन सोमेश्वर स्वामी मंदिर एवं नगर देवी केमपम्मा देवी मंदिर के तत्वावधान में आयोजित इस पालकी उत्सव को देखने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। तेज गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में भक्तों ने पूजा अर्चना की। भक्तों की सेवा के लिए स्थानीय एवं प्रवासी समाज ने जगह जगह पर भोजन, शीतल पेय, चाय काफी की व्यवस्था की। भक्तों की सुरक्षा और सहायता के लिए सुरक्षा एजेंसियां भी मुस्तैद थी।*

राज्य के सभी लिंगायत मंत्री जाति जनगणना रिपोर्ट पर एकजुट हैं: एम बी पाटिल

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने शनिवार शाम को कहा कि लिंगायत समुदाय के सभी सात कैबिनेट मंत्री जाति जनगणना रिपोर्ट के मामले पर एकजुट हैं। विजयपुरा में मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री पाटिल ने कहा लिंगायत समुदाय के सभी सात मंत्री - ईश्वर खंड्रे, शरण प्रकाश पाटिल, लक्ष्मी हेब्बालकर, शरणबसप्पा दर्शनपुर, शिवानंद पाटिल, एच के पाटिल और मैं - मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मिले, चर्चा की और फिर जाति जनगणना रिपोर्ट पर विचार-विमर्श करने के लिए 17 अप्रैल को विशेष कैबिनेट बैठक में शामिल हुए। हम मुख्यमंत्री से फिर मिलेंगे और जाति जनगणना के संबंध में अपनी मांगें उनके सामने रखेंगे। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। हम एकजुट हैं। जब उनसे उनके और मंत्रियों शिवानंद पाटिल और ईश्वर खंड्रे के बीच कथित बहस के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया मैं स्पष्ट कर दूं - हम सभी विशेष कैबिनेट बैठक से पहले मिले और जनगणना रिपोर्ट पर चर्चा की, अपनी चिंताओं को उठाया और आगे के रास्ते के बारे में बात की। हम एकजुट हैं। चर्चा को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एक मामूली असहमति थी। मंत्री शिवानंद पाटिल ने बताया कि कांग्रेस पार्टी को तब झटका लगा था जब उसने पहले लिंगायतों के लिए एक अलग धर्म का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, सीएम सिद्धरामैया ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए स्पष्ट किया कि ऐसा नहीं था। पाटिल ने याद करते हुए कहा सीएम ने कहा कि अगर ऐसा होता, तो मैं इतने बड़े अंतर से कैसे जीत सकता था? उन्होंने कहा सीएम ने कहा कि मैं 30,000 वोटों के अंतर से चुना गया था। आप (मीडिया) जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कई प्रमुख संतों ने मेरे निर्वाचन क्षेत्र में मेरे खिलाफ प्रचार किया। इसके बावजूद, मैं जीत गया। मंत्री ईश्वर खंड्रे ने माना कि इस मुद्दे ने पार्टी को झटका दिया है। उन्होंने कहा हमारे समुदाय का एक और नेता, जिसने अलग लिंगायत धर्म के प्रस्ताव का विरोध किया था और विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया था, हार क्यों गया। मामला यहीं खत्म हो गया।

यह सिर्फ 60 सेकंड की चिंगारी थी। जाति जनगणना की राज्य भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र की आलोचना के जवाब में, मंत्री पाटिल ने कहा कि जब विजयेंद्र के पिता, बीएस येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तो कुछ उप-जातियों को श्रेणी 3 बी में जोड़ा गया था और फिर एक महीने के भीतर हटा दिया गया था। उन्होंने कहा हम उनका इतिहास जानते हैं। विजयेंद्र के इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कि जाति जनगणना रिपोर्ट चार साल बाद भी लागू नहीं होगी, पाटिल ने जवाब दिया विजयेंद्र कांग्रेस पार्टी के हाईकमान नहीं हैं। विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल से पूछें - वे आपको विजयेंद्र के बारे में और बताएंगे। यह याद किया जा सकता है कि विजयेंद्र की लगातार आलोचना करने के कारण यतनाल को भाजपा से निकाल दिया गया था। भाजपा विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि नवंबर में कांग्रेस सरकार गिर जाएगी, मंत्री पाटिल ने शेट्टर की राजनीतिक विश्वसनीयता पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा अब उनकी क्या स्थिति है? भाजपा में पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में वे विधानसभा चुनाव के लिए टिकट भी नहीं पा सके। हमने उन्हें अपनी पार्टी में स्वागत किया, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया और उनकी हार के बाद हमने उन्हें एमएलसी बनाया। फिर वे भाजपा में लौट आए। सीईटी परीक्षा के दौरान हाल ही में हुए जनेऊ विवाद पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा छात्रों को परीक्षा में जनेऊ नहीं पहनने देने के लिए जो भी जिम्मेदार था, उसने व्यक्तिगत पूर्वाग्रह से काम किया। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उस व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनेऊ विवाद मामला

वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने सुचिव्रत कुलकर्णी को नि:शुल्क सीट की पेशकश की

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। वन, जीव विज्ञान और पर्यावरण मंत्री तथा बीदर जिले के प्रभारी ईश्वर बी. खंड्रे ने समर्थन जताते हुए बीदर जिले के भीमन्ना खंड्रे प्रौद्योगिकी संस्थान (बीकेआईटी), भालकी में सुचिव्रत कुलकर्णी के लिए नि:शुल्क इंजीनियरिंग सीट की पेशकश की है।

सुचिव्रत कुलकर्णी एक छात्र हैं जिन्हें कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) की परीक्षा में गणित का पेपर लिखने के लिए परीक्षा हॉल में प्रवेश नहीं दिया गया क्योंकि उन्होंने जनिवारा (पवित्र धागा) पहना हुआ था। बीकेआईटी, उत्तरी कर्नाटक के प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेजों में से एक है, जो शांति वर्धक शिक्षा सोसायटी, भालकी का प्रमुख संस्थान है, जिसके खंड्रे अध्यक्ष हैं। मंत्री, नगर प्रशासन मंत्री रहीम खान के साथ रविवार सुबह सुचिव्रत के आवास पर गए और व्यक्तिगत रूप से छात्र और उसके परिवार को प्रोत्साहन और सहायता प्रदान की। उन्होंने घटना पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि यह निजी कॉलेज के कर्मचारियों की ओर से एक गंभीर चूक थी और इस बात पर जोर दिया कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। छात्र के शैक्षणिक भविष्य की सुरक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए, जो सभी की सामूहिक चिंता को दर्शाता है, मैंने सुचिव्रत को भालकी में हमारे इंजीनियरिंग कॉलेज में एक नि:शुल्क सीट की पेशकश की। सुचिव्रत के लिए एक अलग सीईटी परीक्षा की व्यवस्था करने की संभावना का पता लगाने के लिए उच्च शिक्षा मंत्री के साथ चर्चा चल रही है। छात्र सीओएमईडीके परीक्षा में भी शामिल हो सकता है। उस परीक्षा में उसके प्रदर्शन के आधार पर उसे सीट दी जा सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रभावित छात्र और उसके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सुचिव्रत को सभी आवश्यक सहायता मिले। खंड्रे ने अपने दौरे के बाद मीडियाकर्मियों से कहा, मैंने तुरंत जांच के आदेश दिए थे और जिला प्रशासन को 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। जांच की गई और उसके अनुसार रिपोर्ट सौंप दी गई। रिपोर्ट के बाद जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई।

बढ़ते तापमान के बीच मनरेगा मजदूरों के लिए सुविधाओं की कमी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रोजगार गारंटी योजना के तहत तालुका की 36 ग्राम पंचायतों में 3787 श्रमिक विभिन्न कार्यों के तहत काम कर रहे हैं। अप्रैल और मई में दिन-प्रतिदिन गर्मी बढ़ने के साथ ही ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग ने दिहाड़ी मजदूरों के लिए रोजगार सुरक्षा के कई नियम लागू किए हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि खेल का कोई मतलब नहीं है।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग ने 4 अप्रैल को एक आदेश जारी कर अप्रैल और मई में 38 से 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास तापमान रहने के कारण नौकरी सुरक्षित दिहाड़ी मजदूरों के काम के घंटों में 30 प्रतिशत की छूट और जून के काम के घंटों में 20 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की है।

मनरेगा परियोजना श्रमिकों का आरोप है कि अप्रैल और मई में सुबह 9 से शाम 5 बजे के बजाय सुबह 8 से दोपहर 1 बजे (पांच घंटे की अवधि) तक काम करने की अनुमति दिए जाने के बावजूद कुछ ग्राम पंचायतों में इस सरकारी नियम का उल्लंघन किया जा रहा है। बेंगलूरु स्थित एक्शन एड कर्नाटक स्वयंसेवी संगठन ने 10 अप्रैल से 12 अप्रैल के बीच चिक्कोडी तालुक के बम्बलवाड़, बेलाकुडा, जैनापुरा, करागांव, मुगली और उमरानी ग्राम पंचायतों के 60 से 75 वर्ष की आयु के 10 श्रमिकों सहित कुल 124 नौकरी-सुरक्षित दिहाड़ी मजदूरों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनसे जानकारी एकत्र की। एक सर्वेक्षण के अनुसार, 83 प्रतिशत श्रमिकों को अपने कार्यस्थल पर प्राथमिक चिकित्सा किट की कमी का सामना करना पड़ता है, और 41 प्रतिशत श्रमिकों को पीने के पानी की पहुंच के बिना समस्याओं का सामना करना पड़ता है। नौकरी-सुरक्षित 75 प्रतिशत श्रमिक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक काम करना जारी रखते हैं। इनमें से 25 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि उनके पास काम का बोझ है। सर्वेक्षण में 10 श्रमिक 60 से 75 वर्ष की आयु के थे और उन्होंने कहा कि वे निर्जलीकरण और गर्मी से संबंधित बीमारियों के लक्षणों का अनुभव कर रहे थे।

कर्नाटक जाति-सर्वेक्षण निष्कर्ष

सामाजिक न्याय को लागू करने के लिए राजनीतिक दल की इच्छाशक्ति और नेतृत्व महत्वपूर्ण: कांग्रेस नेता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जाति सर्वेक्षण के कार्यान्वयन को लेकर कर्नाटक सरकार के भीतर मतभेद पार्टी के भीतर इस मुद्दे पर बड़े विभाजन को दर्शाता है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) और पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी दोनों ने आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने और राष्ट्रव्यापी जाति-जनगणना के बाद विभिन्न सामाजिक समूहों के लिए कोटा फिर से आवंटित करने के लिए पार्टी की स्थिति को स्पष्ट किया है। फिर भी, पार्टी के भीतर ऐसे नेता हैं, जिन्होंने सावधानी बरतने की सलाह दी है। जबकि कुछ का तर्क है कि कांग्रेस को अपने संदेश को इस तरह से व्यक्त करने की आवश्यकता है जो सामाजिक पृष्ठभूमि के बजाय आकांक्षाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करे, अन्य लोग अगड़ी जातियों को अलग-थलग करने के खिलाफ चेतावनी देते हैं। कांग्रेस शासित दो राज्यों ने जाति-सर्वेक्षण निष्कर्षों पर कैसे प्रतिक्रिया दी, इसमें भी विभाजन देखा जा सकता है। तेलंगाना, जिसने जाति सर्वेक्षण किया, ने 50 प्रतिशत की सीमा को हटा दिया और शैक्षणिक संस्थानों और राज्य सरकार की नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 42 प्रतिशत कोटा की घोषणा की। इसके विपरीत, 17 अप्रैल, को कर्नाटक मंत्रिमंडल के भीतर चर्चा अनिर्णीत रही। सीडब्ल्यूसी के स्थायी आमंत्रित सदस्य के राजू ने कहा जब संविधान सभा में आरक्षण पर बहस हो रही थी, तब भी यह सुचारू रूप से नहीं चल रहा था। लेकिन यहीं पर एक राजनीतिक दल का नेतृत्व और इच्छाशक्ति काम आती है। राजू, एक आईएएस अधिकारी से राजनेता बने, जो अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए कांग्रेस विभागों के राष्ट्रीय समन्वयक हैं, ने बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भूमि सुधारों को कैसे संभाला। उन्होंने कहा बिहार और उत्तर प्रदेश में जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधारों का विरोध किया गया था। यहां तक कि अदालतों ने भी कुछ मामलों में प्रतिकूल फैसले दिए थे। यही वह समय था जब नेहरू जी ने संविधान में पहला संशोधन किया और भूमि सुधारों को नौवीं अनुसूची के तहत रखा, जो न्यायिक समीक्षा से परे है। कांग्रेस नेता, जो झारखंड के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के प्रभारी भी हैं, ने दावा किया कि कुछ सामाजिक समूहों ने यह सुझाव देते हुए एक कहानी बनाई है कि अगर जाति जनगणना की जाती है तो देश के संसाधनों, शिक्षा और नौकरियों पर उनका कब्जा खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा डर वास्तव में उस परदे को हटाने के बारे में है जिसने परिसंपत्तियों और अवसरों के कुवितरण को छुपाया है। राजू ने तर्क दिया कि दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के लिए कोटा बढ़ाने पर समय के साथ बातचीत की जा सकती है। उन्होंने कहा उच्च जाति के समूहों को यह समझना चाहिए कि आरक्षण का उद्देश्य इन समुदायों द्वारा सामना किए गए ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करना है और उन्हें उदारता से जवाब देना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हाशिए के समूहों के लिए उच्च कोटा आखिरकार सभी को लाभान्वित करता है। जब दलित, आदिवासी, ओबीसी और अन्य हाशिए के समूह शिक्षित होते हैं, रोजगार पाते हैं और अपने जीवन को बेहतर बनाते हैं, तो उनकी क्रय शक्ति बढ़ जाती है। यह बदले में अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। कांग्रेस नेता ने आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने के लिए एक मजबूत मामला बनाते हुए तर्क दिया कि इस तरह के कदम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के तहत आने वाली अगड़ी जातियों को भी लाभ होगा, जिन्हें वर्तमान में 10 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा उदाहरण के लिए, बिहार में उच्च जाति समूहों में गरीबों की संख्या लगभग 7.5 प्रतिशत है, लेकिन उन्हें 10 प्रतिशत कोटा प्राप्त है।

भाजपा नेता ने दलित पीएसआई आत्महत्या मामले में क्लोजर रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस की आलोचना की

जवाबदेही की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य भाजपा ने दलित पुलिस उपनिरीक्षक (पीएसआई) परशुराम की विवादास्पद आत्महत्या मामले में कांग्रेस विधायक चन्नारेड्डी पाटिल टुन्नूर को बरी करने वाली सीआईडी क्लोजर रिपोर्ट पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की कड़ी आलोचना की है। इसे घोर अन्याय बताते हुए भाजपा ने सरकार पर आरोपियों को बचाने और दलित अधिकारियों को विफल करने का आरोप लगाया। विपक्ष के नेता आर अशोक ने गृह मंत्री जी परमेश्वर पर तीखा हमला करते हुए पूछा जब आपके अपने समुदाय के लोग सरकार के अन्याय का शिकार हो रहे हैं, तो क्या यह आपकी अंतरात्मा को नहीं झकझोरता? खुद दलित नेता परमेश्वर पर बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ा क्योंकि भाजपा ने इस मुद्दे को दलित समुदाय के साथ विश्वासघात के रूप में पेश किया। अशोक ने आरोप लगाया कि पीएसआई परशुराम की आत्महत्या कांग्रेस विधायक और उनके बेटे द्वारा उत्पीड़न का सीधा परिणाम थी। उन्होंने कहा कि सीआईडी की बी-रिपोर्ट में क्लीन चिट देना दलितों के लिए न्याय को दबाने वाली सरकार का 'एक और उदाहरण' है। उन्होंने कहा दलित विरोधी सिद्धरामैया सरकार न तो दलितों की रक्षा करती है और न ही उनके साथ खड़ी है। 35 वर्षीय पीएसआई परशुराम की सितंबर 2024 में यादगीर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनकी पत्नी श्वेता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि विधायक चन्नारेड्डी और उनके बेटे पंपन्ना गौड़ा की ओर से लगातार दबाव और जबरन वसूली की मांग के बाद उनके पति ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने दावा किया कि परशुराम ने यादगीर सिटी पुलिस स्टेशन में अपनी पोस्टिंग के लिए 30 लाख रुपये का भुगतान किया और बाद में अपनी पोस्ट को बनाए रखने के लिए उनसे 30 लाख रुपये और मांगे गए। परिवार के आरोपों और सार्वजनिक आक्रोश के बावजूद, सीआईडी ने विधायक को निर्दोष करार देते हुए क्लोजर रिपोर्ट पेश की, जिससे कड़ी आलोचना हुई। अशोक ने कहा अब, वाल्मीकि निगम घोटाले की तरह, जहां एक दलित अधिकारी की बलि दी गई और एसआईटी महज दिखावा बनकर रह गई, इसे भी दबा दिया जा रहा है। श्वेता ने क्लोजर रिपोर्ट पर दुख जताया। उन्होंने कहा मेरे पति ने बार-बार मुझसे कहा था कि उन पर विधायक का दबाव है। अब अधिकारी दावा कर रहे हैं कि हमने झूठा मामला दर्ज कराया है। यह अन्याय है। राज्य सरकार ने पहले परिवार के लिए 50 लाख रुपये के मुआवजे और सरकारी नौकरी की घोषणा की थी, लेकिन मामले की सीबीआई जांच से इनकार कर दिया। हालांकि, भाजपा केंद्र के हस्तक्षेप की मांग कर रही है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी टी नारायणस्वामी ने राज्यपाल को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग की है, जबकि केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने भी केंद्रीय गृह मंत्रालय के समक्ष इस मुद्दे को उठाया है। इसके बाद केंद्र ने राज्य के मुख्य सचिव को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अशोक ने सवाल किया यह गृह मंत्री परमेश्वर के लिए विवेक की परीक्षा है। क्या वह भ्रष्ट मुख्यमंत्री को हटाएंगे और दलित समुदाय के साथ खड़े होंगे? उन्होंने कहा कि भाजपा पीएसआई परशुराम के लिए न्याय की लड़ाई जारी रखेगी। इस मामले ने कर्नाटक में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, जिसमें विपक्ष मृतक अधिकारी की दलित पहचान के इर्द-गिर्द लामबंद हो गया है और कांग्रेस पर संस्थागत उदासीनता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

केम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर मिनी बस इंडिगो विमान से टकराई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक मिनी बस खड़ी इंडिगो के विमान से टकरा गई। खड़ी विमान के अंडरकैरिज में टक्कर लगी। हालांकि, एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह घटना 18 अप्रैल दोपहर करीब 12:15 बजे पार्किंग बे (71 अल्फा) के पास हुई। इंजन में खराबी के कारण इंडिगो ए320 विमान 2022 से पार्किंग बे में खड़ा था। शुरुआती जांच में पता चला है कि ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी द्वारा नियुक्त मिनी बस का ड्राइवर उस समय सो रहा था, जब यह इंडिगो विमान के अंडरकैरिज से टकराई। मिनी बस का इस्तेमाल आकाश एयर के कर्मचारियों के लिए किया जाता था। सौभाग्य से, उस समय मिनीबस में कथित तौर पर केवल ड्राइवर ही था। सूत्रों ने बताया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को मामले की जानकारी दे दी गई है और जांच चल रही है। बीआईएएल के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा यात्रियों, एयरलाइन भागीदारों और एयरपोर्ट कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। घटना की जांच चल रही है और सभी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रामबन में बारिश से भारी तबाही, तीन की मौत

100 को बचाया गया

जम्मू, 20 अप्रैल (एजेंसियां/ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में ओलों की बारिश और भूस्खलन के कारण अचानक बाढ़ आ गई, जिससे 200 से 250 मकान क्षतिग्रस्त हुए और 100 से अधिक लोगों को बचाया गया। इस आपदा में तीन लोगों की मौत हो गई। उधमपुर से भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि बीती रात रामबन क्षेत्र में भारी ओलों की बारिश, तेज हवाएं चलीं और कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ था। इस प्राकृतिक आपदा से राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है और दुर्भाग्यवश तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कुछ परिवारों को सम्पत्ति का नुकसान हुआ है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वे रामबन के उपायुक्त बसीर-उल-हक चौधरी से सम्पर्क में हैं और जिला प्रशासन की तत्परता और सराहनीय कार्रवाई की प्रशंसा की, जिसने कई जानें बचाईं। प्रभावित परिवारों को सभी प्रकार की सहायता दी जा रही है, चाहे वह आर्थिक हो या अन्य कोई मदद। यदि जरूरत पड़ी तो सांसद निधि से व्यक्तिगत रूप से भी सहायता प्रदान की जाएगी। जितेंद्र सिंह ने लोगों को डरने के बजाय धैर्य रखने और संयम बनाए रखने की अपील की। भारी बारिश से धर्म कुंड गांव सबसे अधिक प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सौ से अधिक ग्रामीणों को सुरक्षित बचा लिया गया है। नाशरी से बनिहाल तक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन और कीचड़ धंसने (मडस्लाइड) की घटनाएं हुईं, जिससे यातायात दोनों ओर बंद हो गया है। कस्बे में भयानक तबाही का मंजर है। कई वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं जबकि जम्मू-श्रीनगर हाईवे पांच स्थानों से बह चुका है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रामबन कुलबीर सिंह ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि जिले में 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है। उन्होंने कहा कि कल रात से जिले में भारी बारिश हो रही है और बादल फटने और अचानक बाढ़ जैसी स्थिति के कारण रामबन जिले में स्थिति और खराब हो गई है। एसएसपी के मुताबिक, दो होटल, कुछ दुकानों और कुछ घरों को नुकसान पहुंचा है। राष्ट्रीय राजमार्ग कई स्थानों पर बंद है क्योंकि वह करीब पांच जगहों से बह चुका है। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के बाद बागना में एक घर ढहने से दो बच्चों सहित तीन लोगों की मौत हो गई वे कहते थे कि बचाव अभियान चल रहा है और 100 से अधिक लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि बारिश जारी है और मौसम की स्थिति में सुधार होने के बाद मरम्मत का काम शुरू किया जाएगा।

बस एक तूफान और सालभर की कमाई चली गई

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 20 अप्रैल।

गुलाम नबी भोर में अपने बगीचे में टहल रहे थे, बर्फ की चादर और फटी हुई गुलाबी पंखुड़ियों पर बूटों की खड़खड़ाहट थी। कुछ ही घंटे पहले, उनके सेब के पेड़-नाजुक सफेद फूलों से लदे-फूल रहे थे बंपर फसल का वादा कर रहे थे। फिर आसमान में तूफान आ गया। ऐसा लग रहा था जैसे पत्थर बरस रहे हों, नबी ने टूटी शाखाओं और नंगी टहनियों की ओर इशारा करते हुए कहा। एक तूफ़ान और मेरे परिवार की साल भर की कमाई चली गई।

यह कश्मीर का सेब का कटोरा शोपियां है, जहां 80 परसेंट परिवार बागों पर निर्भर हैं। लेकिन बेरहम ओलावृष्टि ने केलर, ट्रेंज और पहनू जैसे गांवों को तबाह कर दिया, जो सबसे खराब समय पर हुआ। खिलने का चरम मौसम। सेब के पेड़ों के लिए, फूल बच्चे होते हैं, वह अवस्था जब फूल फल में बदल जाते हैं। नुकसान बहुत गहरा है। बाग युद्ध के मैदान जैसे लग रहे हैं। कलियां टूट गई हैं, शाखाएं टूट गई हैं, जमीन पर बर्फ जम गई है। जिन किसानों ने खाद और स्प्रे पर हफ्तों और हजारों रुपए खर्च किए, अब उनका नुकसान करोड़ों में है। 62 वर्षीय फारूक अहमद ने कहा, हमारे यहां पहले भी तूफान आए हैं, लेकिन कभी भी फूल खिलने के दौरान नहीं। अगर कुछ फल उगते भी हैं, तो वे विकृत हो जाएंगे। बाजार में उनकी कोई कीमत नहीं होगी। बागवानी विशेषज्ञ लगातार संकट की चेतावनी दे रहे हैं। चोटिल पेड़ों पर कालर राट जैसी फंगल बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। फफूंदनाशकों का तत्काल छिड़काव न किए जाने पर अगले साल भी विकास में कमी आ सकती है। लेकिन कई किसानों के पास आपूर्ति या मार्गदर्शन की कमी है।

नबी ने पूछा, तांबे पर आधारित स्प्रे मदद कर सकते हैं, लेकिन हमें कौन बता रहा है कि कैसे? तूफान ने मौसम से भी गहरी दरारें उजागर कर दीं। फसल बीमा?

अधिकांश किसान उपहास करते हैं। पीएमएफबीवाय जैसी सरकारी योजनाओं के बावजूद, यहां बहुत कम लोग नामांकन कराते हैं। फारूक ने कहा कि पिछले साल, मेरे पड़ोसी ने दावे के लिए आठ महीने इंतजार किया। उसे 5 लाख रुपए के नुकसान के बदले 5,000 रुपए मिले। क्यों परेशान होना? कर्ज एक और समस्या है। कई उत्पादक जम्मू और कश्मीर बैंक से किसान क्रेडिट कार्ड ऋण पर निर्भर हैं। लगातार जलवायु आपदाओं के बाद, पुनर्भुगतान असंभव है। नबी ने कहा कि मैंने स्प्रे और श्रमिकों के लिए 8 लाख लिए थे। अब, सेब नहीं, तो पैसे भी नहीं। बैंक रोजाना फोन करता है। मैं उन्हें क्या बताऊं? डा जहूर अहमद, एक बागवानी विशेषज्ञ जो नियमित रूप से किसानों को सलाह देते हैं, अधिकारियों से शोपियां को संकटग्रस्त क्षेत्र घोषित करने, ऋण रोकने और सहायता को तेज करने का आग्रह करते हैं। उन्होंने कहा कि ऋण राहत के बिना, हालात निराशाजनक हो सकते हैं।

कुछ समाधान स्पष्ट हैं, लेकिन पहुंच से बाहर हैं। ओलावृष्टि जाल, बागों पर सुरक्षात्मक छतरियां, नुकसान को 70 परसेंट तक कम करती हैं। लेकिन 1-2 लाख प्रति एकड़ की लागत, वे छोटे किसानों के लिए एक कल्पना हैं। डॉ. जहूर ने तर्क दिया कि सरकार को 80 प्रतिशत जालों पर सब्सिडी देनी चाहिए। अन्यथा, केवल अमीर उत्पादक ही बचेंगे। जबकि कश्मीर के बागों का आधुनिकीकरण महत्वपूर्ण है, किसान अभी जो बचा सकते हैं, उसे बचा रहे हैं। नबी के बेटे जड़ों को बचाने की उम्मीद में मिट्टी से बर्फ हटा रहे हैं। उनकी पत्नी को आने वाली पारिवारिक शादियों और स्कूल की फीस की चिंता है। नबी ने आह भरते हुए कहा था किब अल्लाह हमारी किस्मत तय करता है, लेकिन अधिकारियों का क्या? तूफान का संदेश साफ है कि कश्मीर की सेब की अर्थव्यवस्था खतरे में है। त्वरित सहायता, बीमा सुधारों और जलवायु-स्मार्ट खेती के बिना, शोपियां के बर्फानी तूफान अपने पीछे बर्फ से भी ज्यादा कुछ छोड़ जाएंगे, वे जीवन जीने के तरीके को दफना देंगे।

छत्तीसगढ़ नान घोटाले में सीबीआई का बड़ा एक्शन

पूर्व आईएएस और महाधिवक्ता पर फिर दर्ज हुआ केस

रायपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नागरिक आपूर्ति निगम (नान) घोटाला मामले में सीबीआई ने दो पूर्व अधिकारियों और पूर्व महाधिवक्ता के खिलाफ फिर से केस दर्ज किया है। सीबीआई ने नए सिरे से दर्ज किए गए इस मामले की जांच भी शुरू कर दी है।

सीबीआई ने शनिवार को अपनी प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि आरोपित लोक सेवकों ने अपने पद का दुरुपयोग कर ईओडब्ल्यू और एसीबी की एफआईआर संख्या 9/2015 और छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम (नान) घोटाले के केस को प्रभावित किया। सीबीआई ने जेल में बंद रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा, आलोक शुक्ला और पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा के खिलाफ आईपीसी की धारा 182, 211, 193, 195ए, 166ए, 120बी और 7, 7(ए), 8, 13(2) के तहत फिर से मामला दर्ज किया है।

सीबीआई का आरोप है कि आयकर विभाग के जब्त डिजिटल साक्ष्यों के अनुसार आरोपी लोक सेवकों ने नागरिक आपूर्ति निगम मामले में कार्रवाई को विफल करने के कई प्रयास किए। जिन पूर्व अधिकारियों पर यह केस दर्ज किया गया है, उनमें अनिल टुटेजा आईएएस, (सेवानिवृत्त), डॉ. आलोक शुक्ला, आईएएस (सेवानिवृत्त) और सतीश चंद्र वर्मा, पूर्व महाधिवक्ता शामिल हैं।

सीबीआई ने पहले से दर्ज केस की जांच को अपने हाथों में लेते हुए यह नया केस दर्ज किया है। सीबीआई ने रायपुर में शुक्रवार को दो लोक सेवकों के परिसरों की तलाशी ली थी, जिसमें कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं। सीबीआई ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि आरोपित लोक सेवकों ने कथित तौर पर सतीश चंद्र वर्मा, तत्कालीन महाधिवक्ता छत्तीसगढ़ को अनुचित तरीके से सार्वजनिक कर्तव्य निभाने के लिए प्रेरित किया। ईडी और ईओडब्ल्यू/एसीबी, छत्तीसगढ़ द्वारा जांच के तहत उपरोक्त मामलों में खुद के लिए अग्रिम जमानत हासिल करने के लिए अनुचित लाभ प्रदान किए।

सीबीआई का आरोप है कि अग्रिम जमानत लेने के लिए आरोपी लोक सेवकों ने राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में पदस्थ वरिष्ठ अधिकारियों के डिपार्टमेंटल कार्य में भी हस्तक्षेप करवाने का काम किया है। आरोपियों ने प्रक्रियात्मक एवं विभागीय कार्य से संबंधित दस्तावेजों को नागरिक आपूर्ति निगम प्रकरण में उच्च न्यायालय में दाखिल किए जाने वाले जवाब में फेरबदल करवा लिया था। इस सभी केस की जांच चल रही है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़नागरिक आपूर्ति निगम (नान) घोटाले में सीबीआई ने 3 वरिष्ठ अधिकारियों पर केस दर्ज किया है। इनमें तत्कालीन स्कूल शिक्षा विभाग सचिव डॉ. आलोक शुक्ला, तत्कालीन संयुक्त सचिव अनिल टुटेजा और तत्कालीन महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा शामिल हैं।

भारत को दहलाने की साजिश नाकाम

13 आतंकी गिरफ्तार, रॉकेट लॉन्चर और आरडीएक्स बरामद

जालंधर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस की टीम ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की एक बड़ी वारदात को नाकाम कर दिया है। शनिवार को पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने इसकी जानकारी साझा की है। जालंधर से आतंकी मॉड्यूल के कुल 4 आतंकियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारों पर प्रतिबंधित गतिविधियां करवा रहे थे। वहीं बटाला से 9 आतंकी पकड़े गए हैं।

गिरफ्तार आतंकियों ने कई थानों और लोगों की टारगेट किलिंग करनी थी। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। काउंटर इंटेलिजेंस की जालंधर की टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए दो अभियानों में बब्बर खालसा इंटरनेशनल द्वारा विदेश से संचालित किए जा रहे आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ कर हथियारों का जखीरा बरामद किया है। आरोपियों से पुलिस ने 2 आरपीजी (एक लॉन्चर सहित), 2 आईईडी (2.5 किलोग्राम प्रत्येक), डेटोनेटर के साथ 2 हथगोले, रिमोट कंट्रोल के साथ 2 किलोग्राम आरडीएक्स, 5 पिस्तौल (बेरेटा और ग्लॉक), 6 मैगजीन, 44 जिंदा कारतूस, 1 वायरलेस सेट और 3 वाहन बरामद किए हैं। पुलिस ने जतिंदर सिंह हनी, जगजीत सिंह जग्गा निवासी कपूरथला व हरप्रीत सिंह और जगरूप सिंह निवासी होशियारपुर को गिरफ्तार किया है। उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है।

भारतीय सेना ने हिमाचल प्रदेश में की नायाब पहल

वॉयस ऑफ किन्नौर सामुदायिक रेडियो शुरू

किन्नौर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने गर्व के साथ 20 अप्रैल 2025 को हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के पूह में वॉइस ऑफ किन्नौर नामक सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन किया। इस परिवर्तनकारी पहल को हिमाचल प्रदेश के लोगों को समर्पित किया। यह प्रयास, सेना द्वारा उच्च-ऊंचाई और सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रहे आउटरीच का हिस्सा है, जो राष्ट्र निर्माण के लिए स्थानीय समुदायों के बलिदान और योगदान का सम्मान करता है।

उद्घाटन समारोह में भारतीय सेना की सूर्य कमांड के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय प्रशासन, सरकारी अधिकारियों और बड़ी संख्या में उत्साही निवासियों ने

भाग लिया, जिन्होंने इस परियोजना के प्रति अपनी मजबूत समर्थन भावना व्यक्त की। सेना के प्रमुख ऑपरेशन सद्भावना के तहत स्थापित, वॉयस ऑफ किन्नौर को स्थानीय समाचार देने, क्षेत्रीय संस्कृति को बढ़ावा देने, शैक्षिक और स्वास्थ्य संबंधी सामग्री साझा करने और महत्वपूर्ण सार्वजनिक हित की जानकारी प्रसारित करने के लिए एक जमीनी स्तर के मंच के रूप में देखा जाता है।

मध्य कमान के जीओसी इन सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने कहा, वॉयस ऑफ किन्नौर भारतीय सेना और हिमाचल प्रदेश के लोगों के बीच विश्वास और सहयोग का प्रतीक है। यह सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने, सामुदायिक आवाज़ों को बढ़ाने और इस दूरदराज क्षेत्र में समय पर और प्रासंगिक जानकारी तक पहुँच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। स्थानीय नेताओं और निवासियों ने भारतीय सेना के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह रेडियो स्टेशन युवाओं, महिलाओं और सेब किसानों के लिए अपनी चिंताओं को व्यक्त करने, उपलब्धियों को साझा करने और स्थानीय पहलों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा। उम्मीद है कि यह स्टेशन स्थानीय प्रतिभाओं, स्कूलों और सांस्कृतिक संस्थानों के साथ सहयोग करके अधिक सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देगा। कार्यक्रम के दौरान एक स्थानीय निवासी ने कहा, वॉयस ऑफ किन्नौर हमारे समुदाय को सशक्त बनाएगा और हमें अपनी संस्कृति का उत्सव मनाने और अपनी आवश्यकताओं को संबोधित करने का एक मंच प्रदान करेगा।

इस पहल के साथ, भारतीय सेना हिमाचल प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों में समग्र विकास और सामुदायिक कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को फिर से प्रमाणित करती है। नियमित प्रसारण जल्द ही शुरू होने वाले हैं, जो सेना और किन्नौर के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने और एकता और प्रगति की भावना को बढ़ावा देने का वादा करते हैं।

संसद की कार्यवाही को लेकर आई एक नई किताब

संसद में व्यापक बदलाव और नवाचार की जरूरत

साल में कम से कम सौ दिन चले सदन

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। संसद की कार्यवाही को लेकर एक नई किताब सामने आई है। इस किताब में सुझाव दिया गया है कि संसद में बहस के प्रारूप में व्यापक बदलाव और नवाचार की जरूरत है। किताब में कहा गया है कि नेताओं की बार-बार की जाने वाली बयानबाजी के बजाय लोगों की आकांक्षाओं को संसद में बेहतर ढंग से पेश करने और लोगों की समस्याओं के समाधान पर फोकस करने की जरूरत है। किताब में साल में कम से कम 100 दिन संसद की कार्यवाही चलाने और कार्यपालिका को और जवाबदेह बनाने के लिए प्रधानमंत्री प्रश्नकाल शुरू करने का भी सुझाव दिया गया है। लोकसभा सचिवालय में पूर्व अतिरिक्त सचिव रहे देवेंद्र सिंह द्वारा लिखित किताब द इंडियन पार्लियामेंट: संविधान सदन टू संसद भवन में बताया गया है, प्रधानमंत्री के प्रश्नकाल की शुरुआत से भारतीय संसदीय इतिहास में एक नए युग की शुरुआत होगी। इसमें कहा गया है कि सप्ताह में एक बार प्रधानमंत्री के प्रश्नकाल की शुरुआत से संसद सदस्यों को अहम मुद्दे उठाने का मौका मिलेगा और प्रधानमंत्री को सरकार की नीतियों को समझाने और आलोचनाओं का सीधे जवाब देने का मौका मिलेगा। किताब में कहा गया है, प्रधानमंत्री प्रश्नकाल की शुरुआत से विपक्ष के आरोपों पर जवाब देने और संसद की कार्यवाही को बार-बार बाधित करने की प्रवृत्ति को रोकने में बहुत मदद मिल सकती है।

किताब में कहा गया है कि संसद की कार्यवाही के बारे में जनता के मन में निराशा और अविश्वास कुछ सदस्यों के अनुचित दिखावे और लगातार अवरोध पैदा करने और अनैतिक आचरण का परिणाम है। संसद की कार्यवाही और प्रक्रिया के प्रारूप में बदलाव करने और नवाचार करने की जरूरत है। संसद की कार्यवाही में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल करने लिए किताब में साइबर इंटरफेस की भी मांग की गई है। बहस और चर्चा के सर्वोच्च मंच के रूप में, संसद को साल में कम से कम 100 दिन मिलना चाहिए और मजबूती से काम करना चाहिए।

स्टैंड से अजहरुद्दीन का नाम हटाने का आया फरमान

नई दिल्ली/हैदराबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन नए विवाद में फंसते जा रहे हैं। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के स्टैंड से उनका नाम हटाने का फरमान आया है। हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) को नॉर्थ पवेलियन स्टैंड से अजहरुद्दीन का नाम हटाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा एचसीए से यह भी कहा गया है कि अजहरुद्दीन के नाम पर टिकट जारी नहीं किए जाएं। यह आदेश एचसीए के लोकपाल (सेवानिवृत्त) वी ईश्वरैया ने दिया है। लोकपाल ने एचसीए की सदस्य इकाइयों में से एक लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब द्वारा दायर याचिका के आधार पर यह निर्णय लिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि अजहरुद्दीन ने मनमाने फैसले लेकर तत्कालीन एचसीए अध्यक्ष के रूप में अपने पद का दुरुपयोग किया। न्यायमूर्ति ईश्वरैया एचसीए के आचरण अधिकारी भी हैं। लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब ने इस साल 28 फरवरी को अजहरुद्दीन के खिलाफ याचिका में आरोप लगाया था कि दिसंबर 2019 में नॉर्थ स्टैंड का नाम अपने नाम पर रखने के प्रस्ताव को पारित कराने के लिए पूर्व एचसीए अध्यक्ष के रूप में शीर्ष परिषद की बैठक में बैठकर एचसीए के नियमों का उल्लंघन किया था। एचसीए संविधान के अनुसार किसी प्रस्ताव को आम सभा (एजीएम) द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है।

रक्षा मंत्री से मिला व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल

व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की मांग

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिला। उन्होंने व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन सहित कई प्रमुख मांगें रखीं। व्यापारियों ने बिजली कटौती को एक अहम समस्या बताई। रक्षा मंत्री से समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन मिला।

राजधानी लखनऊ में रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आईआईएम रोड स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में हुआ। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान व्यापारी नेता अशोक मोतियानी और अनिल बजाज के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल रक्षा मंत्री से मिला। उन्हें अपनी समस्याएं बताईं।

व्यापारियों ने अपनी समस्याओं की लिस्ट का एक ज्ञापन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा। इसमें उन्होंने कई मांगें रखीं। कहा कि लखनऊ को बिजली कटौती से मुक्त किया जाना चाहिए। बिजली कटौती से काफी परेशानी होती है। आए दिन मरम्मत के नाम पर पांच-पांच घंटे तक बिजली बंद कर दी जाती है। इससे व्यापार प्रभावित होता है। साथ ही प्रमुख बाजारों में बिजली के तारों का मकड़जाल होने से हादसों का अंदेशा बना रहता है। इसे तुरंत हटाया जाना चाहिए।

इसके अलावा व्यस्त बाजारों में फायर से संबंधित इंतजाम पुख्ता होने चाहिए। अमीनाबाद जैसे बड़े बाजारों में फायर विभाग की एक अतिरिक्त गाड़ी मौजूद रहनी चाहिए। नगर निगम द्वारा व्यस्त बाजारों में ठंडे पानी की मशीनें लगाई जानी चाहिए। ताकि, आने जाने वाले ग्राहकों को पीने का पानी उपलब्ध रहे। इसके साथ ही व्यापारियों ने व्यापारी कल्याण बोर्ड के जल्द ही गठन की मांग की। ताकि, व्यापारियों की समस्याएं बोर्ड के माध्यम से सरकार तक पहुंचाई जा सकें। व्यापारियों की समस्याएं सुनकर रक्षा मंत्री ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष अशोक मोतियानी, महामंत्री अनिल बजाज, अमित तलवार, प्रभु जालान, श्याम कृषनानी, पुनीत लाल चंदानी, सुशील गुरनानी जितेंद्र अरोड़ा सहित अन्य लोग शामिल रहे।

ज्ञान के साथ अर्थव्यवस्था में बज रहा भारत का डंका : राजनाथ

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ज्ञान के साथ ही अब अर्थव्यवस्था के मामले में भी भारत का डंका बज रहा है। भारत इस समय दुनिया की सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। भारतीय ज्ञान परंपरा का लोहा पूरा विश्व मानता रहा है। इस ज्ञान परंपरा के दम पर भारत को हमें विकसित राष्ट्र बनाना है।

इस समय भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जिस गति से हम आगे बढ़ रहे हैं, अगले दो साल में हम विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल हो जाएंगे। प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में विधायक नीरज बोरा के साथ ही क्षेत्र के सभी पार्षद और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा के फर्जी प्रश्नपत्र से कर रहे थे ठगी

गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, 35 लाख का था खेल

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग की आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा का फर्जी प्रश्नपत्र बनाकर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले तीन जालसाजों अयोध्या हैदरगंज निवासी बैजनाथ, उसके सगे भाई विनय कुमार और अयोध्या पूराकलंदर निवासी महबूब अली को यूपी एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने तीनों को वेब माल के पीछे से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी बैजनाथ लाल बहादुर शास्त्री, डिग्री कालेज, सिविल लाइन गोंडा में राजनीति शास्त्र का सहायक प्रोफेसर है।

एसटीएफ के एडिशन एसपी विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि पकड़े गए तीनों आरोपियों के पास से 12 से अधिक लाख रुपए, दो डेबिट कार्ड, एक कार, तीन आधार कार्ड व तीन मोबाइल फोन मिले हैं। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह करीब दस बजे एसटीएफ को सूचना मिली कि वेब माल के पीछे कुछ लोग के बीच सहायक प्रोफेसर परीक्षा में प्रश्न न आने और रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद हो रहा है। इस सूचना पर डिप्टी एसपी दीपक कुमार की टीम वहां पहुंची और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में बैजनाथ पाल ने बताया कि उसने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग में सहायक प्रोफेसर पद की परीक्षा के अभ्यर्थियों को महबूब अली के तैयार किए गए फर्जी प्रश्न-पत्र देकर रुपए वसूले थे। दो अभ्यर्थी कपिल कुमार व सुनील कुमार को प्राणि-विज्ञान विषय का पेपर देने की बात तय हुई थी। जिसके लिए उसने एक पेपर तैयार कराके कपिल कुमार को अपने भाई विनय पाल से पढ़ाया था जिसे पढ़ने के बाद उसने कपिल से वह पेपर ले लिया और जला दिया था, जिससे कोई सबूत न बचे। कपिल व सुनील से अब तक 12 लाख रुपए लिया है, जबकि 35 लाख रुपए प्रति व्यक्ति की बात तय हुई थी।

परीक्षा देने के बाद दोनों कपिल व सुनील पहले से दिए रुपए भी वापस मांगने लगे थे, क्योंकि उनका कहना है कि बैजनाथ के दिए गए प्रश्न पत्र में से ज्यादातर प्रश्न नहीं आये थे लेकिन उसने कहा था कि सारे प्रश्न आयेंगे। बरामद पैसों के बारे में बताया कि यह 10 लाख रुपए उसके हिस्से के है जो कपिल व सुनील से उसके भाई विनय पाल ने रायबरेली में जाकर प्रश्न-पत्र देने के नाम पर लिया था। बाकी 2 लाख रुपए में एक लाख रुपए महबूब अली और एक लाख रुपए विनय के हिस्से का है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दिया समरसता का मंत्र

हिंदुओं का एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान हो

अलीगढ़, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि समरसता से ही समाज में परिवर्तन किया जा सकता है। इसके लिए हिंदू समाज का एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान होना चाहिए। शताब्दी वर्ष में सभी प्रकार के भेदभाव भुलाकर हिंदू समाज को एकजुटकरना है। शाखाओं की संख्या बढ़ाई जाए, जिससे व्यक्ति निर्माण की गति तेज हो। संघ प्रमुख ने यह बात शनिवार को शहर में लगने वाली दो शाखाओं में स्वयंसेवकों से कही। संघ प्रमुख ने शताब्दी वर्ष में संघ कार्य को गति देने के लिए संवाद के जरिए स्वयंसेवकों में जोश भरा। शाखा में पहुंचे स्वयंसेवकों को पंच परिवर्तन के सूत्र के माध्यम से समाज में बदलाव का मंत्र दिया।

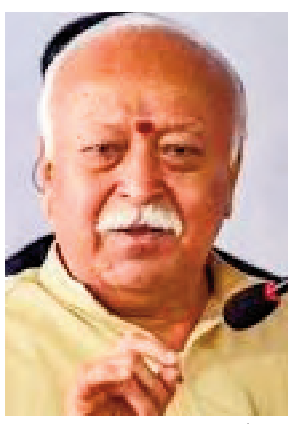

भागवत ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन में स्वयंसेवकों की बड़ी भूमिका है। स्वयंसेवक राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत होते हैं, इसलिए आप खुद को पहचानें। समाज में समरसता का भाव लाएं। संघ के स्वयंसेवक समाज के प्रत्येक वर्ग के घर जाएं। उनसे बातचीत करें, उन्हें आदर सत्कार के साथ अपने घर भी बुलाएं। तीज, त्योहार आदि कार्यक्रम भी मिलकर साथ करें। जिससे समाज में सामाजिक समरसता का भाव पैदा हो। कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से हमें परिवार और संस्कार को बनाए रखना है। भारत की सबसे बड़ी पूंजी संस्कार है। परिवार में एक साथ पूजन, हवन करें। साथ साथ भोजन करें, जिससे परिवार की कड़ी मजबूत बनी रहे।

उन्होंने स्वयंसेवकों के सवाल के जवाब दिए। कहा, समाज में तेजी से परिवर्तन लाना है, इसलिए सभी स्वयंसेवकों को पंच परिवर्तन पर विशेष ध्यान देना है। इसमें समाज की बड़ी भूमिका होगी। घर-घर जाकर समाज को जागृत करना होगा। भारत ही दुनिया में एकमात्र ऐसा देश है जो विश्व में शांति और सुख समृद्धि लाने में बड़ी भूमिका निर्वहन करेगा। इसलिए विश्व की निगाहें भारत की ओर हैं। स्वयंसेवक अपनी भूमिका के लिए तैयार रहें।

संघ प्रमुख सुबह सात बजे से आठ बजे तक एचबी इंटर कॉलेज में लगने वाली सनातन शाखा में शामिल हुए। शाखा में 62 स्वयंसेवक शामिल हुए, जिनका संघ प्रमुख ने परिचय लिया। एक घंटे की शाखा में शारीरिक और बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य शिक्षक अनुज वाष्र्णेय, शाखा कार्यवाह सुरेश अग्रवाल ने शाखा की गतिविधियां संपन्न कराईं। महेश अग्रवाल ने प्रार्थना कराई। शाखा के बाद 40 मिनट तक शाखा टोली के साथ संघ प्रमुख ने वार्ता की। जिसमें शाखा कार्य को विस्तार देने पर चर्चा की, जिससे शताब्दी वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों को सफल किया जा सके। संघ प्रमुख शाम को छह बजे से सात बजे तक सासनीगेट क्षेत्र की पंचनगरी के पार्क में लगने वाली भगत सिंह शाखा में शामिल हुए। शाखा कार्यवाह शिवम और मुख्य शिक्षक आरुष ने शाखा की गतिविधियां संपन्न कराईं। शाखा में 50 स्वयंसेवक मौजूद रहे।

पीएम मोदी के दौरे से पहले सीएम योगी ने तैयारियों का जायजा लिया

बिजली और मेट्रो परियोजना को रफ्तार देंगे मोदी

24 अप्रैल को प्रस्तावित है प्रधानमंत्री का कानपुर दौरा

कानपुर/लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को एक दिवसीय दौरे पर कानपुर पहुंचे। उन्होंने आगामी 24 अप्रैल को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कानपुर दौरे की तैयारियों का निरीक्षण किया और कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जनसभा स्थल, तापीय विद्युत परियोजनाओं और मेट्रो रेल परियोजना का जायजा लिया, साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल जनसभा के लिए चयनित स्थल का दौरा किया।

उन्होंने जनसभा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और आम जनता के लिए आवश्यक सुविधाओं जैसे पेयजल, बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता के इंतजामों की गहन समीक्षा की। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसभा में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण की जाएं।

मुख्यमंत्री ने 3 गुणा 660 मेगावाट क्षमता वाली नेवेली, घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना का निरीक्षण किया। इस परियोजना की कुल लागत 21,780.94 करोड़ रुपए है, जिसमें प्रथम यूनिट (660 मेगावाट) की लागत 9,337.68 करोड़ रुपए है। यह परियोजना कोयला मंत्रालय, भारत सरकार और ऊर्जा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में संचालित हो रही है। परियोजना का कार्यान्वयन नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सीएम ने परियोजना की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सीएम योगी ने 1 गुणा 660 मेगावाट क्षमता वाली पनकी तापीय विस्तार परियोजना का भी दौरा किया। इस परियोजना की कुल लागत 8,305.16 करोड़ रुपए है और इसे उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (उत्तर प्रदेश सरकार का उपक्रम) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने परियोजना की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को इसके शीघ्र संचालन के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरप-ोरेशन द्वारा नवनिर्मित नयागंज से रावतपुर स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन में सफर किया। इस दौरान उन्होंने मेट्रो परियोजना की तैयारियों को परखा और यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। सीएम ने मेट्रो के संचालन, स्टेशनों की साफ-सफाई और यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेट्रो सेवा को और अधिक सुगम और जन-उपयोगी बनाया जाए। सीएम योगी ने सभी परियोजनाओं के लिए अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं न केवल कानपुर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। साथ ही, प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर सभी तैयारियां उच्च स्तर की होनी चाहिए

सीएम ने हावर्ट बांध पर बन रहे फोरलेन का निरीक्षण किया

फोरलेन से यातायात ठीक रहेगा और बाढ़ से बचाव होगा

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद गोरखपुर में हावर्ट बांध पर बन रही फोरलेन सड़क के निर्माण कार्यों का बहरामपुर रेगुलेटर नम्बर एक के समीप स्थलीय निरीक्षण किया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने फोरलेन सड़क के ड्रॉइंग मैप का अवलोकन कर प्रोजेक्ट की प्रगति की जानकारी ली और कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग (निर्माण खण्ड-2) के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद लोगों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फोरलेन से बाढ़ बचाव के साथ ही यातायात की बड़ी समस्या का समाधान होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर चारों ओर से जल से घिरा हुआ क्षेत्र है। पूर्व में रामगढ़ताल, उत्तर की तरफ चिल-आताल, पश्चिम की तरफ राप्ती नदी और पश्चिमोत्तर में रोहिन नदी गोरखपुर महानगर को घेरे हुए है।

रोहिन नदी से बचाव के लिए माधोपुर तटबंध बना हुआ है। राप्ती और रोहिन नदी का संगम डोमिनगढ़ में होता है और इसके बाद राप्ती नदी गोरखपुर के पश्चिम की ओर से बहती है। राप्ती नदी की बाढ़ से बचाव के लिए हावर्ट बांध बना हुआ है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में यदि कहीं बाढ़ आ जाती है, तो गोरखपुर महानगर ही महत्वपूर्ण केंद्र होता है जहां से बचाव के कार्य सुगमता से सम्पन्न होते हैं। बाढ़ से शहर के बचाव के लिए दशकों से मांग हो रही थी। वर्ष 2017-18 में इसी क्षेत्र में जब हावर्ट बांध पर राप्ती नदी का लेवल उठ रहा था, तब बाढ़ से बचाव के लिए अत्यन्त संवेदनशील स्थिति बन गई थी। काफी मशक्कत के बाद तटबंध को बचाया जा सकता था। इसे देखते हुए और यातायात की समस्या से भी निजात दिलाने के लिए एक नई व्यवस्था बनाई गई है। इसमें राजघाट से डोमिनगढ़ तक फोरलेन की सड़क बन रही है। डोमिनगढ़ में एक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हावर्ट बांध के बाद माधोपुर तटबंध को भी फोरलेन से जोड़ते हुए महेसरा को जोड़ने की कार्रवाई होगी। इससे शहर के बाहर फोरलेन की बेहतरीन कनेक्टिविटी मिल जाएगी। राजघाट, टी0पी0 नगर से होते हुए नेपाल जाने वाले मार्ग पर जाने के लिए यात्रियों को शहर के अंदर जाने की जरूरत नहीं रहेगी।

इस फोरलेन से सीधे महेसरा और फिर वहां से सोनौली मार्ग पर जाना आसान होगा। यही स्थिति मालभाड़ा पर भी लागू होगी। यहां पास में स्थित साहबगंज मुख्य मण्डी है।

यहां पर कपड़े का भी बड़ा व्यापार है। इसके चलते ट्रक रात भर खड़े रहते हैं। लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। दिन में भी आवागमन में दिक्कत होती है।

अब फोरलेन बन जाने पर दिन हो या रात लोग घर आ-जा सकेंगे और व्यापारियों के माल का आवागमन भी आसान हो जाएगा। यह परियोजना लोक निर्माण विभाग और सेतु निगम द्वारा पूर्ण किया जा रहा है। सिंचाई विभाग को भी जिम्मेदारी दी गई है कि वह बरसात से पूर्व रेगुलेटरों का अनुरक्षण कर लें। कोई समस्या हो तो समय रहते उसका समाधान कर लिया जाए, ताकि शहर के अन्दर जलजमाव की समस्या न होने पाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजघाट पुल से डोमिनगढ़ तक 04 किलोमीटर से अधिक लम्बाई की फोरलेन सड़क बनेगी। इस पर 195 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। डोमिनगढ़ से माधोपुर तटबंध होते हुए महेसरा तक 10 किलोमीटर से अधिक लम्बे मार्ग को फोरलेन किया जाएगा, जिस पर लगभग 380 करोड़ रुपए खर्च होंगे। साथ ही डोमिनगढ़ में एक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण होगा, जिस पर 132 करोड़ रुपए का व्यय आएगा। कुल 700 करोड़ रुपए के ऊपर का यह कार्य जनता के लिए स्वीकृत किया गया है। स्वीकृति के बाद यहां कार्य भी युद्ध स्तर पर चल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यदायी संस्थाएं समय पर कार्य पूर्ण कर लेंगी और लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्य के प्रारम्भ होने से तात्कालिक रूप से कुछ लोगों को परेशानी हुई होगी। किसी का भी मकान आदि मार्ग में आ रहा हो, तो उसके सम्मानजनक ढंग से पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था प्रशासन सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि इस पूरे कार्यक्रम को आमजन और व्यापारियों की सुरक्षा व सुविधा के दृष्टिकोण से सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाया जाएगा।

बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन

अलीगढ़, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में विश्व हिंदू परिषद ने 19 अप्रैल को अलीगढ़ के रामलीला मैदान के बाहर जीटी रोड पर प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी की गंदी राजनीति और अंधे मुस्लिम तुष्टिकरण के खिलाफ नारे लगाए और बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग की। विहिप ने पश्चिम बंगाल सरकार पर हिंदू विरोधी तत्वों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और बंगाल सरकार को बर्खास्त कर वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। विहिप के विभाग मंत्री मुकेश राजपूत ने कहा कि बंगाल में महिलाओं के प्रति बर्बरता की जा रही है उससे समूचे देश का हिंदू आक्रोशित है एवं एकजुट है, बंगाली हिंदुओं पर अत्याचार नहीं सहन किया जाएगा। ममता सरकार जिहादी तत्वों का संरक्षण कर रही है, जो अस्वीकार्य है। विरोध प्रदर्शन में एक महिला ने अपना त्रिशूल हाथ में लेकर विरोध जताया। इस अवसर पर मंत्री मयंक कुमार, उपाध्यक्ष आल-ोक शिवाजी, विभाग समरसता प्रमुख आलोक याज्ञनिक, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विवेक सारस्वत, राजेश गुप्ता, आचार्य पवन वशिष्ठ, ईशान श्रीवास्तव, कृष्णा गुप्ता, प्रतिमा वार्ष्णेय, जितेंद्र आर्य, मुकेश बिंदी, दिनेश शास्त्री, देवेंद्र गुप्ता, राहुल चेतन आदि मौजूद रहे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लंबे समय तक युवा बने रहने की चाहत है...

कहा जाता है कि उम्र महज एक नंबर के सिवा और कुछ भी नहीं। लेकिन यह बात सिर्फ उन लोगों पर लागू होती है, जो एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीते हैं। वहीं, सही तौर-तरीके नहीं अपनाने से जवानी जल्दी ढलने लगती है। असमय आने वाले बुढ़ापे से बचना चाहते हैं, तो कुछ ऐसी आदतों के बारे में जानना जरूरी है...

फैट को करें खाने में शामिल: फैट के लिए बहुत ही गलत सोच लोगों के बीच बनी है। बल्कि ये हड्डियों की सेहत के लिए बहुत ही जरूरी है। बस ध्यान रखें कि ये फैट आपके शरीर में एक्स्ट्रा जमा न हो।

स्टेमिना बढ़ाएं: स्टेमिना अगर अच्छी हो तो लंबी उम्र तक कोई भी समस्या छू तक नहीं पाएगी। इसके लिए रोज खाने में अंडे, पनीर, बीन, दालें जैसी चीजें शामिल करें जो स्टेमिना को मजबूत बनाएंगे।

पानी पिएं: हर किसी को दिनभर में 3-4 लीटर पानी जरूर पीना चाहिए। पानी पीने की आदत हमेशा के लिए बनाएं, क्योंकि ये शरीर में अंगों के सुचारू रूप से चलने के लिए बहुत ही मददगार है।

खाने की आदत सुधारें: आप कितने भी बिजी क्यों न हों, खाना कभी न छोड़ें। इसके अलावा नाश्ता कभी भी मिस न करें। खाने में हमेशा ऐसी चीजें रखें जिनसे बॉडी को सभी जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलें।

भूरी वसा पर नियंत्रण से शीघ्र घटेगा वजन

अगर आप तेजी से वजन घटाना चाहते हैं, तो सामान्य सफेद वसा के बदले भूरी वसा पर अपना ध्यान केंद्रित कीजिए। शोधकर्ताओं के मुताबिक, भूरी (ब्राउन) वसा उपापचय (मेटाबॉलिज्म) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बेथ इजरायल डिकोनेस मेडिकल सेंटर के शोधार्थी इवान ने कहा कि यदि इन वसा कोशिकाओं की संख्या या गतिविधि को नियंत्रित कर पाएं, तो हम शरीर से अतिरिक्त कैलोरी को कम कर सकते हैं।

खूब हंसिए
बदल जाएगी जिंदगी

हंसते-मुस्कुराते चेहरे वाले लोग अधिक स्वस्थ भी होते हैं। हंसी के अंदर छुपे सेहत के इस राज ने ही तो हंसी को एक चिकित्सा का रूप दिया है। अगर आप तनाव या अवसाद से परेशान रहते हैं तो यह हंसी आपके लिए वरदान साबित हो सकती है। तो क्यों न अपनी सेहत की खातिर थोड़ा हंसा जाए, खुल कर हंसने से आप युवा और खूबसूरत तो नजर आते ही हैं, साथ ही हंसी सेहत के लिए भी बहुत अच्छी होती है। हंसते समय जब किसी व्यक्ति की पूरी बत्तीसी दिखती है तो उसे खुल कर हंसना या ब्राइट स्माइल कहते हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध में ये तथ्य उभर कर सामने आए हैं कि मुस्कुराने की बजाए जोर से ठहाका मार कर हंसना सिरदर्द के लिए दवा का काम करता है। इससे दिमाग में एंडोरफिन का स्त्रव होता है, जो दिमाग में दर्द को बढ़ावा देने वाले जटिल रसायनों को नियंत्रित करता है और हमें दर्द से राहत मिलती है। शोध के अनुसार 15 मिनट तक किया गया हंसी-मजाक दर्द को बर्दाश्त करने की क्षमता को 10 प्रतिशत तक बढ़ा देता है।

खाने का भी ख्याल रखें

खुश रहने के लिए खाने से अच्छा टॉनिक कोई नहीं है। ओमेगा 3 फैटी एसिड और विटामिन बी12 की कमी डिप्रेशन का शिकार बनाती है। जिस तरह से शरीर को पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मस्तिष्क को भी पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, स्वस्थ वसा मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी है। दिन में तीन बार मेगा मील खाने की बजाए 5 या छह बार मिनी मील खाएं। इससे रक्त में शुगर का स्तर कम नहीं होता, जो नकारात्मक रूप से मस्तिष्क को प्रभावित करता है।

हंसना सबसे अच्छी दवा

खुल कर हंसने से धमनियों में फैलाव आता है, जिससे खून तेजी से शरीर के अन्य हिस्सों में पहुंचता है। हंसी हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढमती है और हमारे शरीर की एंटीबॉडीज को मजबूत करती है। हंसी शरीर में स्वस्थ शारीरिक परिवर्तन लाती है। हमारी ऊर्जा बढ़ाती है, दर्द और तनाव कम करती है। खुश रहना शरीर को संतुलित रखता है। हंसने से एंडोरफिन का स्त्राव होता है। यह शरीर का प्राकृतिक फीलगुड रसायन है। एंडोरफिन हमें सब कुछ ठीक होने का एहसास कराता है और थोड़े समय के लिए दर्द से राहत भी देता है। हंसी रक्त नलिकाओं की कार्यप्रणाली को सुधारती है और रक्त का प्रवाह बढमती है, जिससे हार्ट अटैक और कार्डियोवस्क्यूलर की आशंका कम हो जाती है।

नाकारात्मक में भी साकारात्मक

हंसी हमें सिर्फ शारीरिक और मानसिक रूप से ही नहीं, भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रखती है। हंसी आपको कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक रखती है। आपको यह जल्दी से जल्दी समझ लेना चाहिए कि हंसी के बिना आपका दिन अधूरा है। आपका खिलखिलाता चेहरा आपके व्यक्तित्व को भी आकर्षक बनाता है।

लाफ्टर थेरेपी

जब हम हंसते हैं तो हमारी बॉडी रिलैक्स हो जाती है। ठहाके लगाना ही जरूरी नहीं है, मुस्कुराहट भी काम कर जाती है। प्रसिद्ध अमेरिकन साइकिएट्रिस्ट, डॉ. विलियम फ्राय पिछले चार वर्षों से अपने मरीजों के उपचार के लिए हंसी को एक थेरेपी के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। वह कहते हैं कि हंसी शारीरिक बीमारियों और मानसिक तनावों से लड़ने का एक अचूक नुस्खा है। वह अपने सभी मरीजों को दिन में दो बार करीब बीस मिनट तक हंसने की सलाह देते हैं।

हास्य योग

हास्य योग की शुरुआत मुंबई के एक प्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. मदन कटारिया ने 13 मार्च 1995 को मुट्ठीभर लोगों के साथ की थी। आज यह पूरे विश्व में फैल गया है। वर्तमान में 60 देशों में 6000 से ज्यादा लाफ्टर क्लब हैं। हास्य योग में बिना किसी शर्त के प्राणायाम (यौगिक ब्रीदिंग) के साथ खुल कर हंसा जाता है। कोई भी बिना किसी कारण, बिना किसी मजेदार बात, कॉमेडी या चुटकुले के हंस सकता है। लाफ्टर योगा की अवधारणा इस वैज्ञानिक तथ्य पर आधारित है कि शरीर कृत्रिम और वास्तविक हंसी में फर्क नहीं कर सकता। दोनों ही तरीकों से हंसने में शारीरिक और मनोवैज्ञानिक लाभ होते हैं। लाफ्टर योगा की तकनीक पर ऑस्ट्रिया, भारत और अमेरिका में कई शोध हुए और यह बात उभर कर सामने आई कि इससे तनाव बढने वाले हार्मोन्स (एपिनेफ्रिन और कर्टिसोल आदि) का रक्त में स्तर घटता है। इससे मानसिक रूप से सकारात्मक बदलाव आते हैं। शरीर में इन हार्मोनों का स्तर बढम्ने से अवसाद की चपेट में आने की आशंका बढ़ जाती है। लाफ्टर योगा वजन कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 20 मिनट तक इसका अभ्यास करने से करीब 215 कैलोरी बर्न होती है।

तथ्य और आंकड़े

- एक बच्चा दिन में 400 बार मुस्कुराता है, युवा 17 बार और वयस्क 1-2 बार।
- ब्रिटेन की वारविक यूनिवर्सिटी में हुए शोध के अनुसार अगर गर्भावस्था के दौरान मां कई बार मानसिक तनाव झेलती है तो जन्म लेने वाला बच्चा झगड़ालू होता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के ज्यादातर बड़े शहरों में अवसाद की समस्या तेजी से फैल रही है।
- भारत जैसे विकासशील देश में 10 पुरुषों में से एक व 5 महिलाओं में से एक अपनी जिंदगी के किसी न किसी पड़ाव पर अवसाद का शिकार बनते हैं।
- अकेले होने की बजाए किसी के साथ होने पर हंसने की संभावना 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।
- बचपन में अवसाद की समस्या लड़कियों और लड़कों में समान अनुपात में होती है, लेकिन किशोरावस्था में यह अनुपात 2:1 हो जाता है।
- दिल से हंसी गई हंसी तनाव को कम करती है और आपके शरीर को अगले 45 मिनट तक रिलैक्स रखती है।

चमत्कार कर सकती है हंसी

- हंसी डायफ्राम, पेट, श्वसनतंत्र, चेहरे, पैर और कमर की मांसपेशियों के लिए अच्छा वर्कआउट है।
- हंसना रक्तदाब को कम करता है।
- हंसी रक्तसंचरण को सुधारती है।
- हंसने से स्ट्रेस हार्मोन्स जैसे कार्टिसोल और एड्रीनलीन का स्तर कम होता है।
- हंसी ट्यूमर और अन्य बीमारियों से लड़ने वाली कोशिकाओं जैसे गामा इंटरफेरन और टी-सेल की क्षमता बढ़ाती है।
- श्वसन मार्ग के संक्रमण से बचाती है।
- याददाश्त दुरुस्त रखती है और सीखने की क्षमता बढ़ाती है।
- शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाती है।
- हंसने से दर्द कम होता है।
- हंसी मांसपेशियों को आराम पहुंचाती है।
- दिल की बीमारियों से बचाती है।
- उत्तेजना और भय से बचाती है।
- मूड दुरुस्त रखती है।
- रोगों से लड़ने का सामर्थ्य बढ़ाती है।

सामाजिक लाभ

- रिश्तों को मजबूत बनाती है।
- दूसरों को आपकी ओर आकर्षित करती है।
- व्यक्तित्व को आकर्षक बनाती है।
- लड़ाई-झगड़े से बचाती है।
- समूह में काम करने को आसान बनाती है।
- चौकन्नापन और सृजनात्मकता बढ़ाती है।
- जिंदगी में आनंद और उत्साह का संचार होता है।

हंसने के अवसर ढूंढ़िए

- कोई मजेदार फिल्म या टीवी शो देखिए।
- लाफ्टर क्लब की सदस्यता ले लीजिए।
- हंसमुख लोगों से मिलिए।
- पालतू जानवरों के साथ खेलिए।
- बच्चों के साथ समय बिताइए।
- चुटकुले पढ़िए, सुनिए और सुनाइए।- अच्छा खाइए और सदा मुस्कुराते रहिए।

ऐसे छुड़ाएं बच्चों की ज्यादा
टीवी देखने की आदत

बच्चों की सही आदतें सिखाना आजकल के वक्त में सबसे बड़ी चुनौती हैं। आजकल अक्सर घरों में माता-पिता दोनों ही काम करते हैं, ऐसे में बच्चों के साथ गुजराने के लिए थोड़ा ही वक्त मिलता हैं। ऐसे हालात में बच्चों का सहारा बनता है टीवी, लेकिन ज्यादा टीवी देखना बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है।

- ज्यादातर घरों में बच्चे टीवी देखते समय ही खाना खाते हैं। ये आदत आगे चलकर आपके बच्चों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ज्यादा टीवी देखने से बच्चों का शारीरिक विकास और मानसिक विकास दोनों की कम होता है, क्योंकि ऐसे बच्चे सारा दिन टीवी के सामने बैठे रहते हैं, वह न तो खेलने जाते हैं और नहीं पढ़ाई में आगे रहते हैं।
- अक्सर ये भी देखा जाता है कि जब बच्चे खाना नहीं खाते हैं, तो उनकी टीवी ऑन कर देती हैं, पर ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करके मां ही अपने बच्चे की आदत को खराब करती है।
- रात को खाना खाते समय बच्चों को टीवी देखने से रोकें क्योंकि यह ऐसा समय होता हैं जब सारा परिवार एक साथ बैठ कर खाना खाता है, दिन भर की बातें एक-दूसरे का साथ शेयर करते हैं। अगर आपके घर में टीवी ड्राइंग रूम में लगा है, तो इसे अपने कमरे में शिफ्ट कर लें। इससे बच्चा ज्यादा समय तक टीवी नहीं देख सकेगा। क्राइम पर आधारित प्रोग्राम बच्चे के सामने ना देखें, इससे बच्चे के अंदर निगेटिविटी आती है। जो बच्चे सारा दिन टीवी देखते है वो आलसी हो जाते है और सारा दिन घर से बाहर खेलने के लिए भी नहीं जाते। ऐसे में बच्चों का टीवी देखने से न तो दिमाग चलता है और न ही वह थकान महसूस करते हैं, जिससे उनका शारीरिक विकास ठीक से नहीं होता। बच्चों को टीवी देखने की आदत को छुड़ाने के लिए उन्हें कोई क्लब या हॉबी क्लास ज्वाइन करवाएं।

बड़े काम का है कपूर

बालों के झड़ने पर कपूर के तेल को नारियल तेल में मिलाकर लगाने से बालों का झड़ना धीरे-धीरे कम हो जाता है। रूसी होने पर भी यह तेल कारगर है। त्वचा संबंधी समस्याओं में कपूर को नारियल तेल में मिलाकर चेहरे पर मसाज करना असरदार है। शरीर के किसी हिस्से में खरोंच, घाव या जलने पर कपूर को पानी में घोलकर प्रभावित स्थान पर लगाएं। यह जलन को कम कर ठंडक पहुंचाता है। पेटदर्द होने पर कपूर, अजवायन और पिपरमेंट को शर्बत में मिलाकर पीने से आराम मिलता है। सर्दी-जुकाम व फेफड़े संबंधी रोगों में कपूर सूंघने से फायदा होता है। फटी एडियों के उपचार के लिए कपूर बेहतरीन दवा है। गुनगुने पानी में कपूर मिलाएं। इस पानी में पैर डालकर 15 से 20 मिनट बैठने से फटी एडियों की समस्या में आराम मिलता है। त्वचा पर लाल चकत्ते से राहत के लिए कपूर को थोड़े से पानी में मिलाकर पेस्ट बनाएं और प्रभावित हिस्से पर लगाएं। बालों के झड़ने पर कपूर के तेल को नारियल तेल में मिलाकर लगाने से बालों का झड़ना धीरे-धीरे कम हो जाता है। रूसी होने पर भी यह तेल कारगर है। जोड़ों में दर्द होने पर कपूर के तेल की मालिश राहत पहुंचाती है। गठिया के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है।

इतना मुश्किल भी नहीं काम के दबाव से खुद को बचाना
स्ट्रेस मैनेजमेंट से बढ़ाएं कार्यक्षमता

कभी-कभी हमारे सामने बहुत सारा काम एक साथ आ जाता है, काम का दबाव बढ़ने लगता है और ये दबाव ही मानसिक तनाव पैदा करता है। तनाव में अक्सर गलतियां हो जाती हैं, लेकिन ऐसे समय में कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो ये तनाव भी हमारी योग्यता को बढ़ा सकता है। यदि हम तनाव को एक चुनौती मानकर काम करेंगे तो निश्चित ही इससे हमारी योग्यता व कार्यक्षमता बढ़ेगी व सफलता प्राप्त होगी।

कोई काम करते हुए दबाव बन जाना स्वाभाविक है, लेकिन तनाव में आ जाना ठीक नहीं। हमें प्रेशर और टेंशन के बीच के फर्क को समझना चाहिए। तनाव को सांसारिक दृष्टिकोण से देखेंगे तो हम पाएंगे कि इसकी वजह से हमारे आसपास नकारात्मक ऊर्जा एकत्रित हो गई है, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि देखेंगे तो तनाव से भी सकारात्मक संकेत प्राप्त होंगे। यही सकारात्मक दृष्टि हमारी कार्य क्षमता और योग्यता को बढ़ा सकती है।

इस तरह करें दूर

तनाव दूर करने के लिए एक प्रयोग किया जा सकता है। जब तनाव आए तो अपनी इंद्रियों पर लौट जाइए यानी ध्यान (मेडिटेशन) करें। उदाहरण के तौर पर जैसे आंख हमारी एक इंद्रिय है। हम आंखें बंद करें और पूरी तरह से उसी पर एकाग्र हो जाएं। यह एक आध्यात्मिक व्यवस्था है कि सभी इंद्रियां भीतर से अपने परिणामों को लेकर आपस में जुड़ी हुई हैं। हम जिस समय आंख नाम की इंद्रिय पर नियंत्रण करेंगे तो हम पाएंगे कि कान पर भी हमारा नियंत्रण शुरू हो गया। हम आंख से जो भीतर देख रहे होंगे, कान से भी वही सुनने लगेंगे। यह एक नया अनुभव रहेगा। यह आंतिरक अनुभव हमें बाहरी तनाव से मुक्त करेगा।

दौड़ से न हों बाहर

बाहर का काम तो होना ही है, आप नहीं करेंगे तो कोई दूसरा करेगा, लेकिन तनाव से परेशान होकर काम करेंगे तो आप उस दौड़ से या तो बाहर हो जाएंगे या लड़खड़ाकर गिर जाएंगे। अंतिम सफलता या तो असफलता में बदल जाएगी या अशांति में। अतः तनावमुक्त होने के लिए अपनी इंद्रियों पर लौटने का यह छोटा-सा प्रयोग करते रहें।

वजन कम करने के लिए इन 4 तरीकों से वॉक कर

वजन बढ़ने में बिल्कुल समय नहीं लगता, लेकिन उसे घटाने में महीनों लग जाते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक वजन घटाने में रनिंग से ज्यादा वॉकिंग असरदार होती है। रोजाना 30 मिनट की वॉक से भी वजन धीरे-धीरे घटाया जा सकता है। जानते हैं ऐसे कुछ तरीके जिनसे आप अपनी रोज की वॉक को असरदार और मजेदार बना सकते हैं।

ट्रैक यॉर प्रोग्रेस

एक अच्छा फिटनेस ट्रैकर खरीदें, जिससे आपको समय- समय पर पता चलता रहेगा कि आप क्या सही और क्या गलत कर रहे हैं। इसके अलावा आपको अलर्ट भी मिलते रहेंगे कि हर दिन कितनी वॉक की आपको जरूरत है। इसके अलावा चाहें तो कोई एप भी ट्राई कर सकते हैं।

म्यूजिक थैरेपी

ये आपकी बोरिंग वॉकिंग को मजेदार बना देगी। इससे वॉक करने का आपको और भी मजा आएगा। वहीं दिन की शुरूआत या पूरे दिन की थकान के बाद हल्की-फुल्की वॉक और म्यूजिक जादू के जैसे काम करेगा। इससे आप बहुत ही अच्छा और लाइट महसूस करेंगे।

ट्राई समथिंग न्यू

हमेशा कुछ अलग या नया करने की कोशिश करें। जैसे, जब रेग्युलर वॉक के आदी हो जाएं तो उसमें कुछ एक्सरसाइज शामिल करें। इसके अलावा रोज कहीं नई जगह वॉक के लिए जाएं, इससे घूम भी पाएंगे और वॉक भी मजेदार बन जाएगी।

मेडिटेशन

ऐसा जरूरी नहीं है कि मेडिटेशन बैठकर ही किया जाए। आप वॉक करते हुए भी मेडिटेशन कर सकते हैं। इसके लिए अपनी बॉडी, पैरों और सांसो पर ध्यान देते हुए उन्हें साधने की कोशिश करें। दिमाग शांत करें। इससे वॉक के साथ आप मेंटली रिलैक्स भी होंगे।

रेसिपी

मारवाड़ी गट्टे का पुलाव

सामग्री

2 कप बेसन, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च, 1 बड़ा चम्मच प्याज चौकोर कटा, 2 प्याज पिसे, 4-5 कलियां लहसुन पिसी, 1 इंच टुकड़ा अदरक का कसा हुआ, 4-5 बड़ी इलायची, 4-5 छोटी इलायची, 2 छोटे टुकड़े दालचीनी, 4-5 लौंग 5-6 साबुत कालीमिर्च, चुटकीभर हींग, 2 छोटे चम्मच धनिया पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच गरममसाला, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 धनियापत्ती कटी, 1/2 हरीमिर्च कटी हुई, 1/4 कप घी, 1 कप चावल, नमक स्वादानुसार

विधि

बेसन को छान कर उस में नमक, लालमिर्च, अजवाइन और इच्छानुसार चौकोर कटी प्याज डाल कर पानी की मदद से बेसन का रोल बना कर भाप में पकाएं। पानी से निकाल कर अलग रखें व ठंडा होने पर गोलगोल कतले काटें। घी गर्म करें व सुनहरा लाल होने तक तल कर अलग रखें। अब फिर से घी गर्म करें व लालमिर्च और साबूत खड़ा गरममसाला डाल कर चटकाएं। दही में सारा पाउडर मसाला व नमक डालें। पिसी प्याज, लहसुन व अदरक डाल कर अच्छी तरह से भूनें। गट्टों वाला उबला पानी लगभग 21/2 प्याले डाल कर उबालें व गट्टे गलाएं। 1 बड़ा चम्मच तेल या घी गरम करें। 2-3 तेजपत्ते डाल कर करारे करें फिर चावल और गट्टे डाल कर ढक कर पुलाव तैयार करें। **गार्निश विधि:** कटी हरी मिर्च व धनिया पत्ती से सजा कर परोसें।

कच्ची केरी की सब्जी

सामग्री

कच्चा आम 1 कप, चॉप किया हुआ गुड़ 1/2 कप, लाल मिर्च 5-6, राई 1/2 चम्मच, कड़ी पत्ती- 8-10, घिसा नारियल 1/2 कप, हरी धनिया 4-5, नमक स्वादअनुसार

विधि

कच्ची केरी की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहलें एक कटोरे में पानी भर लें। बाद में उसमें कटें हुए कच्चे आम के टुकड़े डाल दें। अब इसे गैस पर तब तक उबालते रहें जब तक आम गल न जाए। इसके बाद एक और कटोरा लेकर उसमें थोड़ा पानी और गुड़ डाल कर अच्छे से मिक्स करके पेस्ट बना लें। पेस्ट बनाने के बाद इस पानी को छान कर अलग रख लें। अब गैस पर रखे आमों को देखें कि वह गल गए हैं। अगर गल गए हैं तो उन्हें पानी में से निकाल कर अलग कर लें और मिक्सी के जार में डाल कर पीस लें। पीसने के बाद मिक्सी में लाल मिर्च और घिसा नारियल भी डाल कर पेस्ट बना लें। अब एक पैन लेकर उसमें थोड़ा सा तेल डाल कर गर्म करें और उसमें राई और कड़ी पत्ती डाल दें। बाद में इसमें गुड़ वाला सारा पानी और आम का पेस्ट डाल कर अच्छे से उबालें। इसके बाद इसमें एक कप पानी और थोड़ा सा नमक डालें। अब आपकी कच्ची केरी की सब्जी बना कर तैयार है। आप इसे सजाने के लिए इस पर कटी हुई हरी धनिया छिड़ लें। इस कच्ची केरी की सब्जी को आप चावलों और रोटी के साथ खा सकते हैं।

संपादकीय

वक्फ कानून तो लागू है

बेशक सर्वोच्च अदालत ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर 'अंतरिम आदेश' जारी किया है, लेकिन कानून पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई है। 'अंतरिम आदेश' भी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के जरिए, केंद्र सरकार की 'अंडरटेकिंग' के बाद ही, जारी किया गया है। केंद्र की सहमति रही कि अगले आदेश तक वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। यदि राज्य बोर्ड में ऐसी नियुक्ति की जाती है, तो उसे 'शून्य', अमान्य समझा जाए। 'वक्फ बाय यूजर' की संपत्तियों, पंजीकृत, राजपत्रित या गैर-पंजीकृत, को 'डी-नोटिफाई' नहीं किया जाएगा। बताया जाता है कि 'वक्फ बाय यूजर' की 4 लाख से अधिक संपत्तियां हैं। जांच या सर्वे के बाद कलेक्टर वक्फ संपत्ति पर कोई आदेश जारी नहीं करेंगे। इन प्रावधानों पर सॉलिसिटर जनरल ने सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ को आश्वस्त किया है कि यथास्थिति बनी रहेगी। केंद्र 7 दिनों की स्वीकृत अवधि के दौरान अपने साक्ष्यों, दस्तावेजों और दलीलों के साथ जवाब सर्वोच्च अदालत में दाखिल करेगा। वैसे न्यायिक पीठ ने सुनवाई की अगली तारीख 5 मई तय की है, लिहाजा तब तक यथास्थिति बनी रहनी चाहिए। यहां गौरतलब यह है कि 13 मई को प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जस्टिस भूषण गवई अगले प्रधान न्यायाधीश होंगे। जाहिर है कि नए सिरे से न्यायिक पीठ का गठन होगा। नए सिरे से मामले की सुनवाई होगी। सवाल है कि क्या यह मामला शीर्ष अदालत में लंबा खिंचेगा अथवा कुछ लटक कर रह सकता है। जस्टिस खन्ना ने इस मामले को 'अपवाद' के तौर पर ग्रहण किया। वह नहीं चाहते थे कि व्यापक स्तर पर कानूनी सुधार करने से पक्षकारों के मौलिक अधिकार प्रभावित हों, लिहाजा 'अंतरिम आदेश' भी जारी किया गया। बहरहाल वक्फ कानून के कुछ प्रावधानों पर यथास्थिति का 'अंतरिम आदेश' दिया गया है। परोक्ष भाव से उन प्रावधानों पर रोक लगाई गई है, लेकिन संशोधित कानून के लगभग 40 अन्य प्रावधान हैं, जिन पर न तो यथास्थिति का आदेश है और न ही रोक लगाई गई है। अर्थात नया कानून अक्षरशः लागू है। ऐसे बयान ओवैसी जैसे याचिकाकर्ताओं ने दिए हैं। सरकार उन प्रावधानों के तहत कार्रवाई कर सकती है। मुसलमान होने या इस्लाम के 5 साल के अभ्यास वाले प्रावधान को भी न्यायिक पीठ ने छुआ तक नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा है कि यह विशेष स्थिति है। हमने कुछ कमियों की ओर इशारा किया है। कुछ सकारात्मक चीजें भी हैं, लेकिन हम नहीं चाहते कि इतना बड़ा बदलाव किया जाए कि पक्षकारों के अधिकार प्रभावित हों। इस्लाम के 5 साल अभ्यास वाला प्रावधान भी है, लेकिन हम उस पर रोक नहीं लगा रहे।' न्यायिक पीठ ने 'लिमिटेशन एक्ट' वाले प्रावधान को भी नहीं छुआ और न ही उस पर कोई आदेश दिया। ओवैसी का मानना है कि हमें उसका नुकसान होगा, क्योंकि इससे वक्फ संपत्तियों पर कब्जेबाजों को फायदा होगा। बहरहाल यह फिलहाल अंतिम आदेश नहीं है। अभी लंबी कानूनी लड़ाई चलेगी। 'अंतरिम आदेश' पर ही जो नेता और पार्टी प्रवक्ता 'बड़ी जीत', 'मोदी को आईना', 'मोदी सरकार को बहुत बड़ा धक्का' और 'मुंह की खानी पड़ी' सरीखी टिप्पणियां कर फुलफुला रहे हैं, क्या ये अदालत की अवमानना नहीं है? अदालत ने सिर्फ वक्फ के नए कानून पर ही आदेश जारी नहीं किए हैं, बल्कि 1995 और 2013 के वक्फ कानूनों के कई प्रावधानों पर भी नोटिस भेजे हैं। वक्फ गली-गली फैले हैं। वक्फ की करीब 47 फीसदी संपत्तियां पंजीकृत नहीं हैं।

केंद्र की सहमति रही कि अगले आदेश तक वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। यदि राज्य बोर्ड में ऐसी नियुक्ति की जाती है, तो उसे 'शून्य', अमान्य समझा जाए। 'वक्फ बाय यूजर' की संपत्तियों, पंजीकृत, राजपत्रित या गैर-पंजीकृत, को 'डी-नोटिफाई' नहीं किया जाएगा। बताया जाता है कि 'वक्फ बाय यूजर' की 4 लाख से अधिक संपत्तियां हैं। जांच या सर्वे के बाद कलेक्टर वक्फ संपत्ति पर कोई आदेश जारी नहीं करेंगे। इन प्रावधानों पर सॉलिसिटर जनरल ने सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ को आश्वस्त किया है कि यथास्थिति बनी रहेगी। केंद्र 7 दिनों की स्वीकृत अवधि के दौरान अपने साक्ष्यों, दस्तावेजों और दलीलों के साथ जवाब सर्वोच्च अदालत में दाखिल करेगा। वैसे न्यायिक पीठ ने सुनवाई की अगली तारीख 5 मई तय की है, लिहाजा तब तक यथास्थिति बनी रहनी चाहिए। यहां गौरतलब यह है कि 13 मई को प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

नेशनल हेराल्ड नाम के अंग्रेजी अखबार की स्थापना 1938 में पंडित नेहरू और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने की थी। इसका स्वामित्व एजेएल के पास था। इसी ने हिंदी में नवजीवन और उर्दू में कौमी आवाज अखबार निकाले थे।

नेशनल हेराल्ड : अदालती कार्यवाही का सम्मान करे कांग्रेस

प्रमोद भार्गव

देश के प्रथम व प्रतिष्ठित राजनीतिक गांधी परिवार की पुत्रवधू सोनिया गांधी और उनके पुत्र राहुल गांधी समेत अन्य के विरुद्ध नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पहला आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिया है। इस मामले में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा और पत्रकार सुमन दुबे भी आरोपी हैं। दुबे राजीव गांधी फाउंडेशन के ट्रस्टी भी हैं। यह आरोप पत्र 9 अप्रैल 1925 को विशेश जज विशाल गोगने की अदालत में पेश किया गया। अब इस पर अगली सुनवाई 25 अप्रैल को होगी। इसी दिन अदालत में केस डायरी भी प्रस्तुत करनी होगी। ईडी इसी प्रकरण में नेशनल हेराल्ड और एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) से संबंधित 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों पर कब्जे की कार्यवाही शुरू कर दी है। ये संपत्तियां दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में हैं। इस कार्यवाही के बाद देशभर में कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर राश्ट्रपति के नाम को केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन भी दिए। कहा गया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की आड़ में लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। जबकि याद रहे यह मामला 2012 का है, उस समय यूपीए गठबंधन की केंद्र में सरकार थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। इस मामले की जांच 2015 से चल रही है। मालूम हो जनहित याचिकाएं दायर करने के बुद्धि विशेशज्ञ डॉ सुब्रामण्यम स्वामी ने इस प्रकरण से जुड़ी याचिका 2013 में दाखिल की थी। इस समय भी केंद्र में यूपीए की सरकार थी। अतएव कांग्रेस को ईडी और अदालती कार्यवाही का सम्मान करने की जरूरत है। नेशनल हेराल्ड नाम के अंग्रेजी अखबार की स्थापना 1938 में पंडित नेहरू और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने की थी। इसका स्वामित्व एजेएल के पास था। इसी ने हिंदी में नवजीवन और उर्दू में कौमी आवाज अखबार निकाले थे। दरअसल दो हजार करोड़ रुपए के नेशनल हेराल्ड से संबंधित स्वामित्व व परिसंपत्तियों के हस्तांतरण से जुड़ा एक मामला निजी इस्तगासे के तहत निचली अदालत में विचाराधीन है। याचिकाकर्ता सुब्रामण्यम स्वामी ने अदालत में दस्तावेजी साक्श्य प्रस्तुत करके यह दावा किया था कि अखबार का मालिकाना हक रखने वाली कंपनी 'द एसोसिएट्स जर्नल्स लिमिटेड' के स्वामित्व और परिसंपत्तियों के हस्तांतरण में धोखाधड़ी की गई है। इससे लाभान्वित होने वाले सोनिया गांधी और राहुल गांधी

हैं। न्यायालय ने पहली नजर में इस मामले को सुनने योग्य माना और प्रक्रिया आगे बढ़ा दी। तभी से कांग्रेस राजनीतिक प्रतिशोध के चलते इस मामले को झूठा ठहराने में लगी हुई है। साफ है, सोनिया, राहुल अपने को फंसता देख जानबूझकर मामले को सियासी साजिश करार देने में लगे हैं। यहां सोचने की जरूरत है कि वाकई न्यायपालिका राजनीति की कठपुतली है तो फिर 2013 में जब स्वामी ने अदालत में याचिका दाखिल की थी, तब अपनी राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल इस याचिका को खारिज कराने में क्यों नहीं किया? याचिकाएं लगाने में सिद्धहस्त स्वामी ने कोई इकलौती यही याचिका दाखिल नहीं की, वे कई जनहित याचिकाएं लगाकर अपनी कानूनी लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाने में सफल हुए हैं। टूजी स्पेक्ट्रम घोटाले से जुड़ी याचिका भी स्वामी ने शीर्ष न्यायालय में लगाई थी। 1.76 हजार करोड़ के इस घोटाले की याचिका लगाने के समय भी केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और सोनिया सर्वेसर्वा थीं। बावजूद पुख्ता दस्तावेजी साक्श्य होने के कारण कांग्रेस के सहयोगी दल के नेताओं को जेल के सींखचों में जाना पड़ा था। यदि न्यायालय राजनेताओं के दिशा-निर्देशन के अनुसार वाकई चलती हैं, तो माननीय सोनिया जी संप्रग सरकार की भद् पिटवाने वाली इस कार्यवाही को क्यों नहीं रोक पाईं? गोया पूरा देश जानता है कि अदालतों का राजनीतिक हस्तक्शेप से कोई वास्ता नहीं है। न्यायालयीन प्रक्रिया स्वतंत्र रूप से कानूनी दायरे में गतिशील रहते हुए अंतिम परिणाम तक पहुंचती है। इस लिहाज से कांग्रेस द्वारा केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को दोशी ठहराना उचित नहीं है। नेशनल हेराल्ड से जुड़ा मामला बेहद गंभीर है। प्रथम दृश्टया दस्तावेजी साक्श्यों की पड़ताल करने से ही यह साफ हो जाता है कि दाल में कुछ काला है। दरअसल एजेएल नेशनल हेराल्ड अखबार की मालिकाना कंपनी है। कांग्रेस ने एजेएल को 90 करोड़ का कर्ज दिया। इसके बाद 5 लाख रुपए की अंश पूंजी से यंग इंडियन कंपनी बनाई गई। जिसमें सोनिया व राहुल की 38-38 फीसदी भागीदारी तय की गई। शेश बची 24 प्रतिशत की हिस्सेदारी कांग्रेस नेता और पार्टी के कोशाध्यक्श मोतीलाल बोरा और ऑस्कर फर्नांडीज को दी गई। अब दोनों नेता दिवंगत हो चुके हैं। इसके बाद एजेएल के 10-10 रुपए के नौ करोड़ शेयर यंग इंडियन को दे दिए गए। इसके बदले यंग इंडियन को कांग्रेस का कर्ज भी चुकाना था। 9 करोड़ शेयर के साथ यंग इंडियन का एजेएल की 99 फीसदी हिस्सेदारी मिल गईं। इसके बाद उदारता दिखाते हुए कांग्रेस ने 90 करोड़ जैसी बड़ी धनराशि का ऋण भी माफ कर दिया। मसलन कागजों में एक कंपनी का कृत्रिम वजूद खड़ा करके एजेएल का स्वामित्व बड़ी आसानी से हस्तांतरित कर दिया गया। स्वामी ने अदालत में अपनी दलील पेश करते हुए इस प्रकरण में हवाला करोबार को अंजाम देने का संदेह भी जताया था। जाहिर है, मामला बेहद गंभीर है। अब 2000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति यंग इंडियन को गलत तरीके से स्थानांतरित की गई थी, आरोप है कि संपत्तियों का उपयोग करके फर्जी लेन-देन के जरिए लाखों-करोड़ों की रकम जुटाई गई। फर्जीदान, फर्जी अग्रिम किराया और फर्जी विज्ञापन के रूप में अवैध आय अर्जित की गई। जांच में पाए गए ऐसे ही दस्तावेजी साक्श्यों के आधार पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया है। याद रहे ईडी ने 2021 से इस मामले की जांच कर रही है। ईडी ने जून 2022 में राहुल गांधी से पांच दिन में पचास घंटे और जुलाई 2022 में सोनिया गांधी से तीन दिन में करीब 12 घंटे पूछताछ की थी। इस मामले में मां-बेटे दिसंबर 2019 से जमानत पर हैं। वास्तव में अब जरूरत तो यह है कि एक जिम्मेदार और अनुभवी राजनीतिक दल होने के नाते सोनिया और राहुल समेत सभी आरोपियों को अपने निर्दोश होने के साक्श्यों के साथ अदालत में अपना पक्श रखना चाहिए। केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराने और संसद से सड़क तक हंगामे की बजाय कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप व्यवहार जताने की आवश्यकता है, न कि सड़क पर प्रदर्शन की जरूरत? अदालती कार्यवाही पर भी उंगली उठाना, सर्वथा अनुचित आचरण का प्रतीक है। इस मामले में सोनिया गांधी को अपनी सास इंदिरा गांधी से भी प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने अदालत की कार्यवाही का सामना करने में कभी हिचक नहीं दिखाई। रायबरेली चुनाव में धांधली के आरोप की सुनवाई के दौरान श्रीमती गांधी 18 मार्च 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में हाजिर हुई थीं, वह भी प्रधानमंत्री रहते हुए।

इसी दिन अदालत में केस डायरी भी प्रस्तुत करनी होगी। ईडी इसी प्रकरण में नेशनल हेराल्ड और एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) से संबंधित 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों पर कब्जे की कार्यवाही शुरू कर दी है। ये संपत्तियां दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में हैं। इस कार्यवाही के बाद देशभर में कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर राश्ट्रपति के नाम को केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन भी दिए। कहा गया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की आड़ में लोकतंत्र को कुचला जा रहा है।

कुछ अलग

जंजाल की जेलें

दरअसल जेल बनाने का मूल मकसद देशकाल, परिस्थिति, भावनात्मक उद्वेग या आपराधिक मनोवृत्ति से अपराध की दुनिया में कदम रखने वाले लोगों में सुधार लाना ही रहा है। जिससे भटके हुए लोग समाज की मुख्यधारा से अलग रहकर आत्ममंथन कर सकें। सजा का मकसद दंड के बजाय सुधार रहा है। लेकिन भारतीय जेलें जिस हाल में हैं, उससे यह मकसद पूरा होता नजर नहीं आता। निस्संदेह, देश में जेलें संकटग्रस्त हैं। ये सभ्य नागरिकों की राह से भटके लोगों को भेड़-बकरियों की तरह भरने वाले स्थानों जैसी हैं। इस बाबत इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 कमोबेश इन्हीं स्थितियों का खुलासा करती है। वर्ष 2022 तक 4.36 लाख कैदियों के रहने हेतु बनायी गई जेलों में 5.73 लाख कैदी बंद थे। जो निर्धारित से 131 फीसदी अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक जेलों में कैदियों की संख्या 6.6 लाख तक पहुंच सकती है। जो निर्धारित 5.15 लाख की अनुमानित क्षमता से कहीं अधिक होगी। निस्संदेह, यह संकट अनुमान से कहीं अधिक गहरा है। निश्चित रूप से इसे कैदियों के मानवाधिकार का आपातकाल कहा जा सकता है। लेकिन संकट सिर्फ भीड़भाड़ का ही नहीं है। विडंबना देखिए कि पूरी जेल आबादी के लिये सिर्फ 25 मनोचिकित्सक ही हैं। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2012 के बाद कैदियों में मानसिक रोग दुगने आंके गए हैं। इनमें ज्यादातर वे कैदी हैं जो विचाराधीन हैं। जिनका अपराध तय नहीं हो पाया है। न्यायिक प्रक्रिया में विलंब की कीमत उन्हें चुकानी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर जेलों में चिकित्सा व्यवस्था का संकट भी उतना ही गहरा है। जेलों में चिकित्सा अधिकारियों के 43 फीसदी पद रिक्त पड़े हैं। यह व्यवस्थागत खामियों की ही तसवीर है कि देश की राजधानी में 206 कैदियों पर एक चिकित्सक नियुक्त है। यही वजह है कि उचित देखभाल के अभाव में जेलों में तमाम कैदी मानसिक व शारीरिक कष्ट झेल रहे हैं।

आप का नजरीया

बिजली को झटका

जिस राज्य में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही हो, वहां बिजली चोरी का चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाना, निश्चित ही गंभीर मसला है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड को यदि वर्ष 2024-25 में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है तो उसकी बड़ी वजह पंजाब में बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति को पार कर जाना है। ये नुकसान प्रतिदिन के हिसाब से 5.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात तो यह है कि यह नुकसान सिस्टम की विफलता या प्राकृतिक आपदाओं के कारण नहीं हुआ है बल्कि जानबूझ कर सुनियोजित तरीके से की जा रही बिजली चोरी की वजह से हुआ है। राज्य में घाटे में चल रहे लगभग 77 फीसदी फीडर सीमावर्ती और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें पट्टी, भिखीविंड, अजनाला और जीरा जैसे डिवीजन शामिल हैं, जिनमें से कई संगठित बिजली चोरी के लिए कुख्यात हैं। भूमिगत कुंडी कनेक्शन से लेकर मीटर से छेड़छाड़ और पिलर बॉक्स को निष्क्रिय करके चोरी करना एक आम तरीका बन गया है। आरोप है कि ये चोरी आमतौर पर राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण में होती है। दरअसल, इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि जबकि लोगों को पहले ही छह सौ यूनिट तक सब्सिडी वाली यानी कि मुफ्त बिजली का लाभ उठाने का मौका मिल रहा है, लेकिन इसके बावजूद बिजली चोरी की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है। दरअसल, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड का संकट यहीं खत्म नहीं हो जाता। पीएसपीसीएल कुप्रबंधन व व्यवस्थागत संकटों से भी गंभीर रूप से जूझ रहा है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड कर्मचारियों की भारी कमी की चुनौतियों से जूझ रहा है। बिजली विभाग में 4900 से अधिक लाइनमैनों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन फिलहाल केवल 1313 लाइनमैन काम कर रहे हैं। अकेले लुधियाना में ही जूनियर इंजीनियर के आधे पद खाली हैं। बिजली चोरी रोकने तथा बेहतर व्यवस्था के लिये कर्मचारी भर्ती अभियान को गति दी जानी चाहिए। दरअसल, पीएसपीसीएल में पर्याप्त कर्मचारी न होने के कारण विभागीय कार्यक्षमता बुरी तरह से प्रभावित है। जब भी किसी इलाके में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो तत्काल कार्रवाई बिजली बहाल करने के लिये नहीं हो पाती। फलतः लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती है। विभाग में पक्के मुलाजिमों की नियुक्ति न होने पर कम वेतन पाने वाले संविदा कर्मचारियों के जरिये व्यवस्था बनाने की कोशिश होती है। जिसके चलते संविदा कर्मचारियों द्वारा अकसर आंदोलन किया जाता है। वे खुद को पक्का करने की मांग करते रहते हैं। उनका आरोप होता है कि कम वेतन देकर उनसे ज्यादा काम कराया जाता है। जानकार मानते हैं कि सिर्फ संविदा कर्मचारियों पर अत्याधिक निर्भरता केवल तदर्थवाद को ही बढ़ाएगी। हालांकि, नियामक आयोग ने इस गड़बड़ी को भी चिन्हित किया है। लेकिन इससे ही समस्या का समाधान संभव नहीं है, संकट के निराकरण को गंभीर प्रयासों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस समस्या का व्यापक स्तर पर समाधान तभी संभव है जब राज्य के नेतृत्व द्वारा इच्छा-शक्ति को दर्शाया जाएगा। समय की मांग है कि भारी घाटे वाले फीडरों में वित्तीय प्रबंधन के लिये लक्षित कार्रवाई की जाए। साथ ही लोगों को ईमानदारी से बिजली के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाए। उम्मीद की जानी चाहिए कि छेड़छाड़ न किये जा सकने वाले स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सकेगा। इस दिशा में उठाए गए कदम समस्या का वास्तविक निस्तारण करने वाले होने चाहिए। साथ ही बिजली चोरी रोकने के लिये सख्त दंड का भी प्रावधान किया जाना जरूरी है। बिजली चोरी में लिप्त लोगों की पहचान होने पर उन्हें दंडित किया जाना जरूरी है। साथ ही ऐसे लोगों को मुफ्त बिजली पाने की योजना का लाभ उठाने के अधिकार से भी वंचित किया जाना चाहिए। दरअसल, सख्त व पारदर्शी दंड व्यवस्था ही चोरी की प्रवृत्ति पर अंकुश लगा सकती है।

देश दुनिया से

अधिक निवेश से गहन तकनीक को संबल

भारतीय स्टार्टअप्स (नव उद्यमों) के ध्यान के केंद्र को लेकर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की गई टिप्पणी से शुरू हुई बहस नवाचार और रोजगार सृजन के इर्द-गिर्द घूमती रही। मंत्री जी चाहते हैं कि हमारे स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और ग्लोबल लॉजिस्टिक्स जैसे डीप टेक (गहन तकनीकी) क्षेत्रों में काम करें। जिस तरह सरकार स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना चाह रही है, दरअसल, विशाल आकार वाले हमारे उपभोक्ता बाजार से जितने अवसर बन सकते हैं, उसके मद्देनज़र यह अपेक्षा करना उचित भी है। हालांकि, जिस स्थिति का बखान मंत्री महोदय ने किया, उसके पीछे की वजहों पर जब तक हम ध्यान नहीं देंगे, तब तक स्टार्टअप्स के लिए उनकी इस उम्मीद पर खरा उतरना मुश्किल होगा। अधिकांश भारतीय स्टार्टअप्स ने नई तकनीकों के अनुप्रयोग और अपनाने में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बहुत कम स्टार्टअप्स नई तकनीक को विकसित करने, उसका व्यवसायीकरण करने या फिर भारतीय संस्थाओं द्वारा विकसित तकनीकों एवं खोजों को उद्यमशील उपक्रमों में फलीभूत करने का काम कर रहे हैं। प्रौद्योगिकी विकास को मौलिक अनुसंधान, विश्वविद्यालयों के साथ समन्वय और यथेष्ट जनशक्ति की आपूर्ति वाले पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता होती है। भारत ने तकनीकी सेवाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है क्योंकि इस क्षेत्र के लिए सुयोग्य इंजीनियरिंग जनशक्ति पर्याप्त मात्रा में थी और इस व्यवसाय में मौलिक शोध की आवश्यकता नहीं पड़ती। देश ने शोध प्रणाली, शिक्षाविदों को साथ

जोड़कर और प्रशिक्षित जनशक्ति के साथ जीवन विज्ञान क्षेत्र में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है। विदेशी कंपनियों के आउटसोर्स रिसर्च एंड डेवेलपमेंट केंद्रों में काम करने वाले भारतीय उनके लिए नए उत्पाद और बौद्धिक संपदा विकसित कर रहे हैं। वे ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि वहां उन्हें भरपूर निवेश का फायदा प्राप्त होता है और तमाम जरूरी उपकरण उपलब्ध हैं। डीप टेक क्षेत्र अत्याधुनिक खोजों और उच्च-स्तरीय नवाचार द्वारा संचालित होते हैं, जो आगे चलकर बुनियादी शोध और विश्वविद्यालयों के उन्नयन में गहन और निरंतर निवेश के माध्यम से ही प्राप्त हो सकते हैं। जब देश अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1 प्रतिशत से भी कम अनुसंधान और विकास पर खर्च करेगा, तो स्टार्टअप्स से बिल्कुल नई चीज़ें बनाने की उम्मीद करना अवास्तविक होगा। उदाहरण के लिए, पिछले कुछ वर्षों से भारत में सुर्खियों में रहने वाले डीप टेक विषयों में एक है क्वांटम कंप्यूटिंग। सरकार ने 2031 तक 6,000 करोड़ रुपये (लगभग 735 मिलियन डॉलर) के वित्तपोषण के साथ राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (जिसमें मुख्य ध्यान का केंद्र क्वांटम कंप्यूटिंग पर है) बनाने की घोषणा की है। देखने में यह एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन अन्य देशों की तुलना में यह कुछ भी नहीं है – चीन ने अपनी क्वांटम प्रौद्योगिकी पहल के वास्ते 15 बिलियन डॉलर का सार्वजनिक निवेश आरक्षित कर रखा है। किसी भी क्षेत्र में शोध पत्रों का प्रकाशन मौलिक शोध का एक अन्य महत्वपूर्ण अवयव होता है। चीन का राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन क्वांटम कंप्यूटिंग अनुसंधान प्रकाशनों में अपने अमेरिकी समकक्षों से काफी आगे है। हालांकि जब बात पेटेंट की आती है तो आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के अलावा डी-वेव और क्वांटिनम जैसी विशेषज्ञ क्वांटम कंपनियों के पास क्वांटम कंप्यूटिंग से संबंधित पेटेंट बड़ी संख्या में हैं। ये क्वांटम सॉफ्टवेयर स्टैक के मूल स्रोत हैं, जिन पर अन्य कंपनियां निर्भर करती हैं। नतीजतन, इस क्षेत्र में हमारी निर्भरता भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों पर बढ़ती जाएगी, क्योंकि ऊर्जा से लेकर चिकित्सा तक के क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान के लिए डीप टेक का इस्तेमाल पहले से हो रहा है। एक उदाहरण है, नई बैटरी सामग्री की खोज के लिए एआई और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग) का संयोजन। हैरानी की बात है कि माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित एक एआई मॉडल का उपयोग करके, अमेरिकी ऊर्जा विभाग के पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी के वैज्ञानिक 32 मिलियन संभावित उम्मीदवार सामग्रियों की स्क्रीनिंग करने में सक्षम हुए। वे एक ऐसी नई सामग्री का पता लगा पाए हैं जिसमें लिथियम इलेक्ट्रोलाइट की जरूरत को लगभग 70 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण कार्य का नेतृत्व वैज्ञानिक विजय मुरुगेसन ने किया, जिन्होंने तमिलनाडु के भारथिअर विश्वविद्यालय से पीएचडी की है।

भारत की विरासत

महाराष्ट्र

एलोरा की गुफाएं

गुफाएँ 6वीं और 10वीं शताब्दी के बीच निर्मित हिंदू, जैन और बौद्ध धार्मिक कला का मिश्रण प्रदर्शित करती हैं। इन गुफाओं में धार्मिक नक्काशी के साथ 34 चट्टानी मंदिर और मठ हैं। ये गुफाएँ हिंदू और जैन दोनों संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाली धार्मिक विविधताओं का प्रतीक हैं। दुनिया भर में सबसे बड़ी अखंड संरचनाओं में से एक गुफा 16 में भगवान शिव की प्रतिमा है जो भक्ति के साथ विस्मित करने के लिए एक कलात्मक उत्कृष्टता है। चालुक्य, राष्ट्रकूट और यादव जैसे राजवंशों के प्रभाव को इन गुफाओं के डिजाइनों में योगदान करते हुए देखा जा सकता है। ये गुफाएँ पर्यटकों को समृद्ध सांस्कृतिक और विरासत महत्व के साथ समृद्ध अनुभव प्रदान करती हैं।

दृष्टि कोण

खाद्य और जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती

ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है। नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है।

सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग-अलग दरों से तेज़ी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है। इन्हें 'एशिया की जल मीनार' और 'दुनिया का तीसरा ध्रुव' कहा जाता है। बीते 40 वर्षों में 440 अरब टन बर्फ हिमालय से पिघल चुकी है, और केवल वर्ष 2010 में ही 20 अरब टन बर्फ का नुकसान हुआ। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि यदि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो सदी के अंत तक एक-तिहाई और यदि यह वृद्धि 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है तो दो-तिहाई हिमालयी ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चेतावनी दी कि नेपाल के पहाड़ों से एक-तिहाई बर्फ पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत और चीन जैसे प्रमुख कार्बन उत्सर्जकों के बीच बसे इस क्षेत्र में नेपाल के ग्लेशियर 65 फीसदी तक पिघल चुके हैं, और अगर यही हाल रहा तो हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के 75 फीसदी ग्लेशियर इस सदी के अंत तक नष्ट हो सकते हैं। ग्लेशियरों के इस संकट से यह स्पष्ट है कि अब समय शब्दों का नहीं, कार्यों का है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करना, वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना और जल स्रोतों को संरक्षित करना मानवता की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्ययन से पता चला है कि हिमालय में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता उपयोग है, विशेषकर वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण। हिमालयी क्षेत्र अब शहरीकरण और जनसंख्या दबाव से जूझ रहा है।

आरपीपी के प्रदर्शन से पहले पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के साथ राजशाही पक्षधर नेताओं की डिनर मीटिंग

काठमांडू ,20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

रविवार को राजशाही के पक्ष में होने वाले प्रदर्शन से ठीक पहले पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने अपने निकट नेताओं के साथ शनिवार को डिनर मीटिंग की है। निषेधित क्षेत्र तोड़ने की घोषणा से ठीक एक दिन पहले पूर्व राजा के साथ इन नेताओं की बैठक काफी अहम मानी जा रही है।

शनिवार की देर शाम को पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के काठमांडू स्थित निर्मल निवास में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के सात शीर्ष नेताओं के साथ डिनर मीटिंग हुई है। पूर्व राजा के घर पर डिनर मीटिंग पर मिलने वाले नेताओं में आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन, पशुपति शमशेर राणा, प्रकाशचंद लोहनी, विक्रम पांडे, ध्रुव बहादुर प्रधान, बुद्धिमान तमांग और ज्ञानेन्द्र शाही मौजूद रहे।

इस बैठक के बाद आरपीपी के सांसद ज्ञानेन्द्र शाही ने निर्मल निवास में पूर्व राजा के साथ हुई बैठक होने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि राजसंस्था पुनर्स्थापना को लेकर रविवार से फिर से शुरू होने वाले प्रदर्शन को लेकर चर्चा हुई। साथ ही राजसंस्था समर्थक संगठनों और राजनीतिक दलों के बीच कुछ बातों को लेकर मतभेद पर भी चर्चा हुई।

पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के साथ आरपीपी नेताओं की यह डिनर मीटिंग ऐसे समय हुई, जब इस पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक ने अपनी पार्टी के अलावा अन्य किसी भी राजसंस्था समर्थित संघ संस्था या अभियान से जुड़ने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था। शुक्रवार को आरपीपी ने अपने पार्टी के सभी पदाधिकारियों पर राजसंस्था समर्थित किसी अन्य संघ संगठन या अभियान में शामिल होने पर रोक लगा दी है।

माना जा रहा है कि पूर्व राजा द्वारा आरपीपी पार्टी के भीतर कुछ नेताओं को अलग से संघर्ष की जिम्मेदारी दिए जाने से जो नाराजगी थी, उसी पर चर्चा करने के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने यह डिनर मीटिंग बुलाई थी। एक तरफ आरपीपी के तरफ से रविवार को काठमांडू में निषेधित क्षेत्र को तोड़ कर प्रदर्शन करने की घोषणा किया जा चुका है, वहीं दूसरी तरफ सरकार के तरफ से आरपीपी को ऐसा नहीं करने की चेतावनी भी दी जा चुकी है।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिकी गृह विभाग के खिलाफ भारतीय व चीनी छात्रों ने दायर की कोर्ट में याचिका

वाशिंगटन। अमेरिका द्वारा एफ-1 स्टूडेंट वीजा स्टेट्स रद्द करने से वहां पर पढ़ रहे छात्रों का गुस्सा चरम पर है। स्टूडेंट बीजा रद्द करने के खिलाफ भारत के तीन और चीन के दो छात्रों ने अमेरिका के गृह विभाग और इमिग्रेशन अफसरों के खिलाफ न्यू हैम्पशायर की डिस्ट्रिक कोर्ट में याचिका दायर की गई है। छात्रों का आरोप है कि गैरकानूनी तरीके से अचानक बीजा रद्द करने से उन्हें बीच में ही पढ़ाई छोड़कर जाना पड़ेगा। अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन के मुताबिक याचिका दाखिल करने वाले भारत के छात्र लिंकिथ बाबू गोरेला, धनुज कुमार गुम्माडावेली व मणिकंता पासुला और चीन के हैंगरुई झांग व हाओयांग शामिल हैं। छात्रों की ओर से याचिका में कहा गया है कि एफ-1 स्टेट्स समाप्त होने के कारण छात्र न केवल अवैध प्रवासी की स्थति में आ गए हैं, बल्कि उन्हें डिटेंशन, डिपोर्टेशन के साथ ही शिक्षा के संकट का भी सामना करना पड़ेगा। अब वह अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाएंगे और ना ही वह ग्रुजेएशन के बाद दी जाने वाली ट्रेनिंग में हिस्सा ले सकेंगे। छात्रों के वकीलों का तर्क है कि अमेरिकी सरकार ने वीजा स्टेट्स खत्म करने से पहले जरूरी नोटिस या सूचना नहीं दी।

चीन में रोबोट्स ने इंसानों के साथ लगाई 21 किमी की दौड़

बीजिंग । चीन की राजधानी बीजिंग में दुनिया की पहली इंसान और रोबोट के बीच हाफ मैराथन हुई। लोगों के साथ 21 रोबोट्स ने 21 किलो मीटर की दौड़ लगाई। इसे देखने को लिए लोगों के अंदर खासा उत्साह देखा गया। यह अजब-गजब दौड़ बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में शनिवार को हुई।इस दौड़ का मकसद रोबोटिक्स और टेक्नोलाजी की दुनिया में चीन की तरक्की दिखाना था। चीन की नोएटिक्स रोबोटिक्स और ड्रायडअप कंपनियां के रोबोट्स का साइज 120 सेंटीमीटर से कम था। जबकि कुछ का साइज 1.8 मीटर लंबा था। खाास बात यह रही कि रोबोट ने 2.40 घंटे में दौड़ को पूरा किया, जबकि इंसानों ने इसे एक घंटे में इसे पूरा कर लिया। रोबोट्स के साथ इंसानी ट्रनेर भी थे, जिन्होंने दौड़ के दौरान उन्हें सहारा भी दिया। रोबोटिक्स सेंटर के चीफ टेक्नालाजी अफसर तांग जियान ने बताया कि चीन में दस हजार कमर्चारियों पर 470 रोबोट हैं। रोबोट्स ने मैराथन में बेहतर प्रदर्शन किया।

आंखें नहीं मिलीं, एक दूसरे को देखा भी नहीं, फिर भी 4 घंटे तक होती रही बहस

रोम। यहां एक बैठक ऐसे हो गई जिसमें एक दूसरे का चेहरा देखे बगैर ही बहस होती रही है। ये दोनों देश हैं ईरान और अमेरिका जिनके बीच परमाणु हथियारों को लेकर जारी तनातनी के बीच एक अहम बातचीत रोम में हुई, लेकिन जरा हटकर। दोनों देश के प्रतिनिधिमंडल एक ही दूतावास में थे, पर अलग-अलग कमरों में। वो न तो आमने-सामने हुए और न ही एक-दूसरे का चेहरा देखा। बीच में थे ओमान के विदेश मंत्री, जो एक कमरे से दूसरे कमरे तक संदेश पहुंचाते रहे। बातचीत का असली पेंच अब भी वहीं फंसा है। क्या ईरान को शांतिपूर्ण नागरिक परमाणु कार्यक्रम जारी रखने दिया जाएगा, या उसे अपने पूरे परमाणु ढांचे को खत्म करना होगा ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से शांतिपूर्ण है और वो बिजली उत्पादन और चिकित्सा के लिए यूरेनियम संवर्धन कर रहा है। वहीं पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका को शक है कि ईरान धीरे-धीरे परमाणु बम बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रासी ने कहा था कि ईरान अब परमाणु हथियार हासिल करने से बहुत दूर नहीं है। ग्रासी भी शनिवार को रोम में थे और उन्होंने इटली के विदेश मंत्री से मुलाकात की।डोनाल्ड ट्रंप ने दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद फिर से ईरान पर अधिकतम दबाव की नीति लागू की है। लेकिन साथ ही उन्होंने मार्च में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को एक पत्र लिखकर बातचीत की पेशकश भी की। उन्होंने यह भी कहा, मैं बल प्रयोग करने की जल्दी में नहीं हूं, लेकिन अगर बात नहीं बनी तो सैन्य विकल्प खुला है। हालांकि दोनों ने इस वार्ता को रचनात्मक बताया है और अगले सप्ताह फिर से बातचीत करने की बात कही है।शनिवार को रोम स्थित ओमान के दूतावास में ये बातचीत करीब चार घंटे तक चली, जिसमें ईरान की ओर से विदेश उपमंत्री अब्बास अराकची और अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास दूत स्टीव विटकॉफ की टीम शामिल थी। विटकॉफ एक अरबपति रियल एस्टेट कारोबारी हैं, जिन्हें ट्रंप ने कई विदेशी मिशनों पर भेजा है।

ईरान और अमेरिका ने परमाणु समझौते के लिए रूपरेखा तैयार करने का काम विशेषज्ञों को सौंपा

दुबई,20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ईरान और अमेरिका ने शनिवार को एक संभावित परमाणु समझौते की रूपरेखा तैयार करने के लिए बातचीत की अगली जिम्मेदारी विशेषज्ञों को सौंपने पर सहमति जताई है। यह जानकारी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने राज्य टीवी को दी।

यह बैठक रोम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य पूर्व मामलों के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ ओमानी मध्यस्थ के माध्यम से हुई। यह दोनों पक्षों के बीच एक हफ्ते में दूसरी अप्रत्यक्ष वार्ता थी, जिसमें चार घंटे तक बातचीत चली।

अराकची ने कहा कि बातचीत उपयोगी और रचनात्मक माहौल में हुई। उन्होंने बताया, हम कुछ बुनियादी सिद्धांतों और लक्ष्यों पर प्रगति कर पाए हैं और बेहतर समझ पर पहुंचे हैं। अब तय किया गया है कि बुधवार को ओमान में विशेषज्ञ-स्तरीय बैठकें शुरू होंगी, जहां संभावित समझौते की रूपरेखा तैयार करने का कार्य आरंभ होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि अगले शनिवार को मुख्य वार्ताकार पुनः ओमान में मिलेंगे, ताकि विशेषज्ञों के काम की समीक्षा की जा सके और यह परखा जा सके कि वह संभावित समझौते के सिद्धांतों से कितना मेल खाता है।

इस दौरान, अराकची ने ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हालिया टिप्पणी को दोहराते हुए कहा, हम अत्यधिक आशावादी नहीं हैं, न ही अत्यधिक निराशावादी। हम बहुत सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में 2015 के ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर कर लिया था और अब उन्होंने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि नया समझौता शीघ्र न हुआ तो सैन्य कार्रवाई हो सकती है। ट्रंप ने हाल ही में कहा, मैं बस इतना चाहता हूं कि ईरान परमाणु हथियार न बनाए। वे महान और समृद्ध हो सकते हैं, लेकिन हथियार नहीं होने चाहिए।

वहीं, ईरान पहले से कहता आ रहा है कि वो अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म करने, अपने सेंटरफ्यूज को हटाने या संवर्धित यूरेनियम के भंडार को 2015 की सीमा से कम करने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि ईरान ने यह जरूर साफ किया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वो कुछ सीमित प्रतिबंधों के बदले अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से राहत चाहता है।

शिविरों पर इजरायली हमले में 90 से ज्यादा मौत, मृतकों में ज्यादातर बच्चे शामिल

गाजा। गाजा पर हमलों का आलम यह है कि गुड फ्राइडे से पिछले दो दिनों में इजरायली हमलों से कम से कम 92 फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में 219 से अधिक लोग घायल हुए हैं और दर्जनों अब भी मलबे के नीचे या दुर्गम इलाकों में फंसे हैं। मरने वालों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, खान यूनिस में रातभर चले हवाई हमले में कम से कम 15 बच्चों की मौत हुई। सभी बच्चे टेंटों में सो रहे थे। वहीं राफा में एक अलग हमले में एक मां, उसकी बेटी और दो अन्य की जान चली गई। शवों को यूरोपियन अस्पताल में लाया गया। उधर, हमास ने इज़रायल के अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। हमास का कहना है कि वह स्थायी संघर्षविराम और कैदियों की रिहाई के बदले में समग्र समझौता चाहता है, न कि केवल अस्थायी राहत। इजरायली हमलों के बावजूद हमास अपनी जिद छोड़ने को तैयार नहीं है।हमास के इस इनकार के बाद इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को स्पष्ट कर दिया कि जब तक हमास हमारे प्रस्तावों को नहीं मानता, युद्ध बंद नहीं होगा। गाजा में सैन्य कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। उनका यह बयान इजरायल की ओर से गाजा में बड़े 'सुरक्षा ज़ोन' कब्जाने और 18 महीने लंबे युद्ध को और तेज़ करने की प्रतिबद्धता को दोहराता है। स्थानीय लोगों के हवाले से अलजजीरा ने बताया, गाजा में कोई भी अब खुद को सुरक्षित नहीं मानता, न अपने घरों में, न टेंटों में, न ही कैंपों में। हर रात लोगों के लिए मौत और भय का वक्त बन चुकी है। गौरतलब है कि 18 मार्च को युद्धविराम खत्म होने के बाद इजरायल ने गाजा में खाद्य, ईंधन और राहत सामग्री पर पूरी तरह रोक लगा दी है। वहीं दूसरी तरफ युद्धविराम पर एक बार फिर लंबा और अनिश्चितकालीन ब्रेक लग गया है। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास आतंकियों पर सीजफायर वार्ता तोड़ने का आरोप लगाते हुए गाजा को अंजाम भुगतने की धमकी दी। नेतन्याहू के आदेश पर इजरायली सेना गाजा पर जबरदस्त कहर बरपा रही है।

जबड़े में थी समस्या, डॉक्टर भी ठीक नहीं कर पाए, चैट जीपीटी की सलाह ने दिलाया आराम

लंदन,20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

एक व्यक्ति के जबड़े में क्लिकिंग की समस्या थी। कई डॉक्टरों को दिखाया और कई तरह के टेस्ट किए गए लेकिन फायदा बिलकुल नहीं हुआ। इसके बाद इस समस्या का समाधान चैट जीपीटी से पूछा गया तो उसने सटीक जानकारी दी। इस पर अमल करने पर काफी कुछ फायदा हो गया है। लिंक्डइन के को-फाउंडर रीड हॉफमैन ने एक वायरल रेडिफ पोस्ट को शेयर किया है, जिसमें एक यूजर ने दावा किया कि चैटजीपीटी ने पांच साल पुरानी मेडिकल कंडीशन को एक मिनट से भी कम समय में ठीक करने में उनकी मदद की है। पोस्ट के अनुसार रेडिट यूजर को लगातार जबड़े में क्लिकिंग होती थी, जिसकी वजह शायद मुक्केबाजी के दौरान लगी की चोट थी। एक यूजर के डॉक्टर चैटजीपीटी से नफरत करेंगे क्योंकि यह वेबएमडी से 1000 प्रतिशत अधिक उपयोगी है वाले कॉमेंट पर हॉफमैन ने असहमति जताई। हॉफमैन ने कहा, मुझे यकीन नहीं है कि वे इससे नफरत करेंगे। अगर सही तरीके से लागू किया जाए तो एआई डॉक्टरों को हर मरीज की बीमारी को तेजी से डायग्नोस करने, कम पेपरवर्क और एक दिन में अधिक मरीजों को देखने में मदद कर सकता है। मेडिकल एक्सपर्ट प्रोफेश्नल डायग्नोसिस के विकल्प के रूप में एआई टूल्स के यूज को लेकर आगाह करते आ रहे हैं। वहीं, इस रेडिट पोस्ट ने इस बहस को और हवा दे दी है कि कैसे एआई डेली हेल्थ एडवाइस और सप्लीमेंट क्लिनिकल केयर को बदल सकता है। यूजर ने कहा कि ईएनटी स्पेशलिस्ट को दिखाने, दो एमआरआई करवाने और मैक्सिलोफेशियल स्पेशलिस्ट को दिखाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। निराश होकर यूजर ने बीमारी के समाधान के लिए चैटजीपीटी को ट्राई करने का फैसला किया। एआई ने यूजर को बताया कि उनके जबड़े की डिस्क थोड़ी डिस्लोकेट लेकिन मूवेबल हो सकती है। चैटजीपीटी ने यूजर को सलाह दी कि वे जीभ की प्लेसमेंट और सिमेट्री से जुड़ी माउथ-ओपनिंग तकनीक को ट्राई करें। यूजर ने लिखा, मैंने चैटजीपीटी के निर्देशों का पालन अधिकतम एक मिनट तक किया और अचानक कोई क्लिक नहीं हुआ।

धीरे-धीरे अपनी ही मौत की ओर बढ़ता गया ग्रह, वैज्ञानिक हैरान

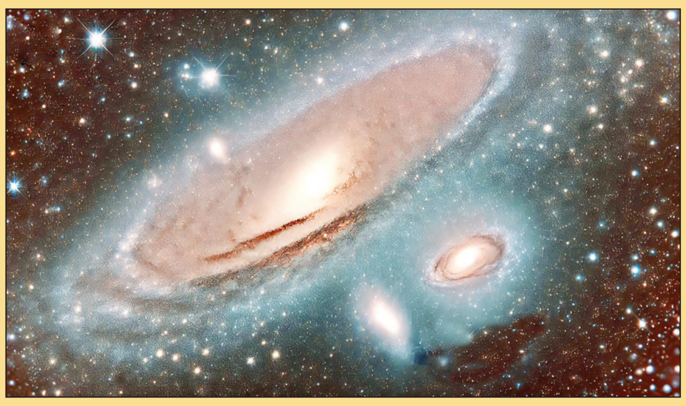

अमेरिका के खगोलविदों ने अंतरिक्ष में चौंकाने वाली घटना देखी है, जो एक तारे और उसके ग्रह के साथ घटित हुई। इस घटना में ग्रह धीरे-धीरे अपनी ही मौत की ओर बढ़ता गया और अंततः तारे में समा गया। यह घटना न केवल खगोलशास्त्रियों के लिए चौंकाने वाली है, बल्कि यह हमें ग्रहों के जीवन और उनके अंत को लेकर भी नए सवालों से रूबरू कराती है। यह पूरी घटना 2020 में शुरू हुई, जब वैज्ञानिकों ने 12,000 प्रकाश वर्ष दूर एक तारे को अचानक बहुत तेज चमकते हुए देखा। कुछ समय के लिए वह तारा 100 गुना ज्यादा चमकदार हो गया, लेकिन फिर अचानक धुंधला पड़ गया। वैज्ञानिकों को पहली बार यह आभास हुआ कि शायद यह तारा अपने किसी ग्रह को निगल रहा है। यह पहली बार था जब किसी तारे को इस तरह की गतिविधि करते हुए प्रत्यक्ष रूप से देखा गया। इससे यह समझने का एक अनूठा अवसर मिला कि जब सूर्य जैसे तारे विशाल और लाल हो जाते हैं, तो उनके नजदीक के ग्रहों का क्या होता है।

यूक्रेन के हजारों गांवों पर रूस का कब्जा, बदले जाने लगे सड़क और गलियों के नाम

कीव,20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी शहर मारीउपोल में अब रूसी पहचान की छाप तेजी से दिखाई देने लगी है। शहर में रूसी प्रशासन व्यवस्थित तरीके से हजारों यूक्रेनी नागरिकों के घर जब्त कर रहा है, खासकर उन लोगों के जो 2022 की घेराबंदी के दौरान मारे गए या शहर छोड़कर भाग गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 5700 घरों की पहचान जब्ती के लिए की गई है, जबकि 3550 और घरों को संभावित जब्ती की सूची में डाला गया है। ये सभी आंकड़े रूसी-नियंत्रित मारीउपोल प्रशासन की वेबसाइट पर जुलाई 2024 के बाद से डाले गए दस्तावेज़ों पर आधारित हैं।

मारीउपोल में न सिर्फ मकान जब्त किए जा रहे हैं, बल्कि सड़कों के नाम भी मास्को के निर्देशों के मुताबिक बदले जा रहे हैं। साथ ही, नए रूसी सैन्य ठिकाने भी बनाए जा रहे हैं। यह सब उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत यूक्रेनी शहरों को 'रूसी रंग' में रंगा जा रहा है।2022 में रूस द्वारा किए गए 86 दिन लंबे घेराबंदी में मारीउपोल लगभग पूरी तरह बर्बाद हो गया था। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, उस दौरान कम से कम 8,000 नागरिक मारे गए थे, और करीब 93 प्रतिशत ऊंची इमारतें तबाह हो गई थीं।

रूस दावा कर रहा है कि उसने 70 से ज्यादा नई आवासीय इमारतें बनवा दी हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में अभी भी भीषण हाउसिंग संकट बना हुआ है। इस बीच, खाली पड़े फ्लैटों में बिना इजाजत लोग रहने लगे हैं और मालिकों को जब्ती का नोटिस भेजा जा रहा है। रूसी अधिकारी इन संपत्तियों को वैध चोरी करार देते हुए स्वीकारा कि जब्ती किए गए घर बिना मालिकों के हैं, लेकिन असलियत यह है कि इनके कानूनी मालिक यूक्रेनी नागरिक हैं, जिन्होंने रूस के कब्जे से बचने के लिए शहर छोड़ा या जिनकी मौत हो गई। कुछ मकानों के कानूनी वारिस अब भी दस्तावेजों के जरिए अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं।रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया कि वे ईस्टर के मौके पर तीन साल से चल रही यूक्रेन जंग में युद्धविराम का ऐलान कर देंगे। पुतिन की इस बड़ी घोषणा के बीच यूक्रेन में रूस की कथित धोखाधड़ी सामने आई है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान ने एक-दूसरे की धरती से आतंकवाद न होने देने का लिया संकल्प

इस्लामाबाद/काबुल,20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने शनिवार को यह संकल्प लिया कि वे अपनी-अपनी धरती का इस्तेमाल एक-दूसरे के खिलाफ किसी भी प्रकार की आतंकी गतिविधियों के लिए नहीं होने देंगे। यह महत्वपूर्ण सहमति पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार की एक दिवसीय अफगानिस्तान यात्रा के दौरान बनी।

डार ने काबुल में अफगानिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद और कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, आवागमन और सीमा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

प्रेस वार्ता में डार ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास के लिए दोनों देशों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान अपनी धरती से किसी को अफगानिस्तान के खिलाफ अवैध गतिविधि करने नहीं देगा और अफगानिस्तान से भी ऐसी ही उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यदि कोई तत्व एक देश की धरती से दूसरे देश के खिलाफ कार्रवाई करता है, तो दूसरा देश उस पर कार्रवाई कर सकता है। दोनों देशों की जमीन से किसी भी प्रकार की आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस बैठक के दौरान मुत्ताकी ने पाकिस्तान में रह रहे अफगान शरणार्थियों की स्थिति पर चिंता जताई और उनकी जबरन वापसी पर आपत्ति दर्ज कराई।

समाज में असमानता तब बढ़ती है जब सत्ता उसे बढ़ने देती हैः शोध

लंदन। हाल ही में आई एक रिसर्च ने इस सोच कि अमीरी-गरीबी, ऊंच-नीच और भेदभाव जैसी चीजें इंसानी समाज का हिस्सा हैं, को झूठा साबित कर दिया है। ताजा स्टडी में 10,000 साल पुरानी खुदाई और करीब 1,000 पुरानी बस्तियों का अध्ययन किया गया। अमेरिका, यूरोप, एशिया और मेसोअमेरिका की सभ्यताओं में किए गए इस शोध में वैज्ञानिकों ने 50,000 घरों की बनावट और आकार का विश्लेषण किया और बताया कि असमानता कैसे और कब पनपी। रिसर्च का आधार था घरों का आकार बड़े घर अमीरी के संकेतक माने गए और छोटे घर गरीबी के। इस अंतर को गिनी कोएफिशिएंट नामक मीट्रिक में बदला गया, जो 0 से 1 के बीच होता है। जहां 0 का मतलब सभी के पास बराबर संपत्ति होना है, वहीं 1 का मतलब सारी संपत्ति सिर्फ एक के पास होना। के समय में अमेरिका का स्कोर 0.41 है, जबकि नॉर्वे का 0.27। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से हजारों साल पुरानी कई सभ्यताओं में यह स्कोर बेहद कम था मतलब वहां बराबरी ज्यादा थी। रिसर्च का निष्कर्ष चौंकाने वाला था: समाज में असमानता तब बढ़ती है जब सत्ता उसे बढ़ने देती है। जहां लोगों ने मिल-बांट कर संपत्ति और संसाधनों का वितरण सुनिश्चित किया, वहां समानता बनी रही। एथेंस जैसी जगहों पर अमीरों को सार्वजनिक कामों का खर्च उठाने के लिए बाध्य किया जाता था। कई जगह मृतक की संपत्ति गरीबों में बांट दी जाती थी, और कर्ज माफी जैसी व्यवस्थाएं थीं ताकि लोग गुलाम बनकर न मरें। यह धारणा भी गलत साबित हुई कि खेती शुरू होते ही असमानता पनपी। शोध में पाया गया कि कुछ कृषि आधारित समाजों में भी बराबरी बनी रही, जबकि कुछ शिकारी समाजों में भी असमानता देखी गई। असली फर्क इस बात से पड़ा कि समाज में नियम कौन बना रहा था और किस उद्देश्य से।

बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स से हिसाब किया बराबर, विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने मचाया कोहराम

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां) । विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल की दमदार फिफ्टी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 7 विकेट से हरा दिया। आरसीबी की इस सीजन में 8 मैचों में से 5वीं जीत है। वहीं पंजाब को सीजन में तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 157 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में आरसीबी ने 18.5 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

आरसीबी के लिए लक्ष्य का पीछा करते हुए दिग्गज विराट कोहली और देवदत्त ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विराट कोहली ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 73 रनों की नाबाद पारी खेली।

आईपीएल में विराट कोहली का यह 101वां फिफ्टी था। कोहली अंत तक बल्लेबाजी करते हुए रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा पडिक्कल ने टीम के लिए 35 गेंद में 61 रनों की पार खेली। अपनी इस पारी में 5 चौके और 4 छक्के भी लगाए। वहीं कप्तान रजत पाटीदार 13 गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए।आरसीबी के खिलाफ इस मुकाबले में पंजाब किंग्स की गेंदबाजी कुछ खास नहीं रही। पंजाब की तरफ से कुल 7 गेंदबाजों ने बॉलिंग, जिसमें से सिर्फ 3 को ही सफलता मिल पाई। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह, हरप्रीत बरार और युजवेंद्र चहल को एक-एक विकेट मिला। इसके अलावा और कोई भी गेंदबाज आरसीबी को परेशान नहीं कर पाई, जिसके कारण पंजाब किंग्स को यह मुकाबला गंवाना पड़ गया।आरसीबी के खिलाफ इस मुकाबले में पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी बहुत ही साधारण रही। पंजाब की टीम क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा की स्पिन गेंदबाजी के आगे पूरी तरह से असहाय नजर आई। यही कारण है कि पंजाब किंग्स को छह विकेट पर 157 रन ही बना पाई। आरसीबी के लिए क्रुणाल पंड्या ने 25 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। इसके अलावा लेग स्पिनर सुयश ने भी 26 रन देकर दो विकेट लिए।पंजाब के लिए ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 33 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि शशांक सिंह ने नाबाद 31 रन बनाए। जोश इंग्लिस (29), मार्को येनसेन (नाबाद 25) और प्रियांश आर्य (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। प्रभसिमरन और प्रियांश ने पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों के निराशाजनक खेल से पंजाब की टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पाई।

न्यूज ब्रीफ

खालसा कॉलेज और इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ने हॉकी मुकाबले जीते

नई दिल्ली। राजधानी के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन के पुरुष वर्ग के हॉकी मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज को 5-1 से हरा दिया। ालसा कॉलेज की तरफ से विपिन मिश्रा ने 2 गोल और अंकित एवं अरबाज ने एक-एक गोल किया। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज के लिए पुलकित ने एकमात्र गोल किया। प्लेयर ऑफ मैच का अवार्ड खालसा कॉलेज के खिलाड़ी विपिन मिश्रा को मिला। महिला वर्ग के मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना को 3-1 से हराया। विजेता टीम की तरफ से कंचन, अंचल और पिंकी ने गोल किया और दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना की तरफ से एकमात्र गोल नीलम शर्मा ने किया। प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की कंचन को मिला।

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने इसको लेकर जारी बयान में बताया कि गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर उनकी टीम द्वारा अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच नंबर 35 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गुजरात ने दर्ज की जीतअहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को खेले गए इस मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज की थी। मैच में दिल्ली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए थे। जवाब में जोस बटलर की 54 गेंदों पर 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन की अहम पारी की बदौलत गुजरात की टीम ने 19.2 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाकर मैच जीत लिया।

जीत कर भी विश्वकप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम

लाहौर। वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम यहां आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर मैच में थाईलैंड के खिलाफ जीत के बाद भी क्वालीफाई करने में विफल रही है। वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम ने इस एकदिवसीय मैच को 11 ओवर से पहले से जीत लिया पर इसके बाद भी वह नेट रन रेट में बांग्लादेश से पीछे होने के कारण भारत में इस साल के अंत में होने वाले विश्वकप के प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। इसी कारण मैच के बाद वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेटर रोने लगीं। वेस्टइंडीज की टीम को विश्वकप में प्रवेश के लिए थाइलैंड से मिले 167 रनों के लक्ष्य को 10 ओवर या एक दो गेंद बाद तक हासिल करना था। ऐसे में वह बांग्लादेश को नेट रन रेट में पछाड़ देती और विश्वकप का टिकट हासिल कर लेती। वहीं अगर अगर टीम 10.5 ओवर में 166 रन बनाती और अगली गेंद पर छक्का लग जाता तो भी वेस्टइंडीज की टीम को प्रवेश मिल जाता पर ऐसा हुआ नहीं। वेस्टइंडीज की टीम ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 10.4 ओवर में 162 रन बना लिए थे। ऐसे में अगली गेंद पर चौका और आखिरी गेंद पर छक्का चाहिए थे।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई को 9 विकेट से हराया

रोहित और सूर्यकुमार के बीच शतकीय साझेदारी

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां) । रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की तूफानी फिफ्टी से मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में सीएसके की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 176 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में मुंबई की टीम ने सिर्फ 15.4 ओवर में 177 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। मुंबई की टीम की यह इस सीजन में 8 मैचों में चौथी जीत है। वहीं सीएसके को इस सीजन में छठी हार का सामना करना पड़ा है।

सीएसके के खिलाफ इस मुकाबले में रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस की तरफ से इंपैक्ट सब के रूप में मैदान पर उतरे थे। रायन रिकेल्टन के साथ पारी की शुरुआत करते हुए रोहित शर्मा ने पहली गेंद से अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया था।

धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए रोहित शर्मा ने सिर्फ 33 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की। रोहित शर्मा की इस सीजन में यह पहली फिफ्टी थी। रोहित मुंबई के लिए 45 गेंद में 76 रन बनाकर नाबाद जिसमें 4 चौके और 6 छक्के शामिल रहा।मुंबई इंडियंस की तरफ से सिर्फ रोहित शर्मा ही नहीं, सूर्यकुमार यादव का भी वानखेड़े में तूफान देखने को मिला। सूर्यकुमार ने रोहित शर्मा के साथ मिलकर सिर्फ 26 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी तरह। इस तरह सूर्यकुमार यादव मुंबई के लिए अंत बल्लेबाजी करते हुए मैच को फिनिश किया। सूर्यकुमार यादव मुंबई इंडियंस के लिए 30 गेंद में रन बनाकर 68 नाबाद रहे। सूर्यकुमार ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 4 छक्के भी लगाए। सूर्यकुमार यादव के अलावा मुंबई के लिए रायन रिकेल्टन ने 19 गेंद में 24 रनों का योगदान दिया।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स की गेंदबाजी बहुत ही साधारण रही।

सीएसके की तरफ से रविंद्र जडेजा के अलावा और कोई भी गेंदबाज विकेट लेने में सफल नहीं रहे। इसके अलावा इस मैच में एमएस धोनी की कप्तानी का भी जादू नहीं चला। धोनी ने टीम के अपने सबसे अहम गेंदबाज माथिसा पाथिराना को 14वें ओवर में बॉलिंग के लिए बुलाया। इस कारण भी सीएसके मैच में पिछड़ गई।

आज केकेआर पर जीत के इरादे से उतरेगी गुजरात टाइटंस

कोलकाता, 20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

आईपीएल में सोमवार को यहां के ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (केकेआर) अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात की टीम अभी अंकतालिका में शीर्ष पर है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। वहीं दूसरी ओर आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेल रही केकेआर इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और छठे स्थान पर है। केकेआर के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। गुजरात की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और जोस बटलर पर आधारित है जबकि गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा और मो सिराज के अलावा स्पिनर साई किशोर पर आधारित रहेगी। केकेआर की बल्लेबाजी अजिंक्य रहाणे , क्विंटन डी कॉक , वेंकटेश अय्यर जबकि गेंदबाजी एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती पर निर्भर है। इस मैदान पर अच्छा उछाल मिलता जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना आसान होता है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनते हैं। यहां तेज गेंदबाजों को शुरुआत में मदद मिलती है पर बाद में स्पिनरों को सहायता मिलती है। अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच अब तक केवल 4 मुकाबले ही खेले गए हैं, जिसमें से दो मैच गुजरात ने वहीं एक मैच केकेआर ने जीता है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नरेन, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती, रमनदीप सिंह, नुकूल रॉय, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, अलवनिथ सिसौदिया, स्पेंसर जॉनसन, मोइन अली मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज़, चेतन सकारिया।

गुजरात टाइटंस टीम :शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, वाशिंगटन सुंदर, करीम जनत, निशांत सिंधु, महिपाल लोमरोर, रविश्रीनिवासन साई किशोर, प्रसिद्ध कृष्णा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, अनुज रावत, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया, दासुन शनाका, गेराल्ड कोएत्ज़ी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र और गुरनूर बराड़।

बार्सिलोना में एटीपी 500 टेनिस

बार्सिलोना में एटीपी 500 टेनिस में खेलते हुए स्पेन के कार्लिस अल्कारेज।

मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाजों की सूची में विराट ओर सैमसन शामिल नहीं

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने आईपीएल के अब तक के सत्र में के शीर्ष टॉप 10 बल्लेबाजों को चयनित किया है। मांजरेकर की इस सूची में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है। आईपीएल की शुरुआत में भी मांजरेकर ने सत्र के संभावित शीर्ष 10 बल्लेबाजों की एक सूची बनायी थी। उस सूची में से केवल पांच खिलाड़ी ही इस सूची में शामिल हैं।

इस सूची में मिचेल मार्श, ट्रैविस हेड, निकोलस पूरन, फिल सॉल्ट, श्रेयस अय्यर बने हुए हैं जबकि पांच खिलाड़ी बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल शुरुआत में इसमें नहीं थे पर अब उन्हें जगह मिली है। राहुल ने पांच पारियों में 238 रन बनाये हैं।, इस सूची में गुजरात टाइटन्स के जोस बटलर, प्रियांशु आर्य, अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन को भी शामिल किया गया है। पावरप्ले में प्रियांशु आर्य और अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी की है। मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाज वो हैं, जिन्होंने कम से कम 200 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट अच्छा है। वहीं सत्र में 200 से ज्यादा रन बनाने और 60 की औसत बनाए रखने के बावजूद, विराट का नाम नहीं होने से सभी हैरान हैं। उनका नाम शामिल नहीं होने का कारण स्ट्राइक रेट सिर्फ कम होना है।

अभिषेक फिर केकेआर से जुड़े

मुम्बई। टीम इंडिया के सहयोगी स्टाफ से बाहर किये जाने के बाद अभिषेक नायर एक बार फिर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेकेआर) से जुड़ गये हैं। अभिषेक को गौतम गंभीर के भारतीय टीम के मुख्य कोच बनाये जाने के बाद सहायक कोच बनाया गया था पर टीम को कोई फायदा न होता देखकर भारतीय क्रिकेटर बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें बाहर कर दिया है। बोर्ड ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही बाहर था हालांकि उन्हें किस पद पर रखा गया है, इसकी घोषणा नहीं हुई है। अभिषेक के अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई को भी टीम से हटा दिया गया है। वहीं साल 2018-2024 तक केकेआर में शामिल रहे अभिषेक 2018 से 2024 तक कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे और गंभीर के कार्यकाल के दौरान उनके साथ थे।

नडाल का फ्रेंच ओपन टेनिस में होगा सम्मान : मौरेस्मो

पेरिस, 20 अप्रैल (एजेंसियां) ।

स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल को फ्रेंच ओपन टेनिस के पहले दिन 25 मई को कोर्ट फिलिप चैट्रियर में सम्मानित किया जाएगा। नडाल बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन फ्रेंच हैं। 14 बार के विजेता नडाल ने पिछले साल नवंबर में खेल को अलविदा कह दिया था।

फ्रेंच ओपन की निदेशक एमिली मौरेस्मो ने कहा कि नडाल ने कई प्रकार से फ्रेंच ओपन को प्रभावित किया है। इसलिए उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जाएगा। नडाल वह टूर्नामेंट संग्रहालय में एक प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे और आधिकारिक फ्रेंच ओपन ट्रेलर में अपनी आवाज देंगे। नडाल फ्रेंच ओपन में अंतिम बार 2024 में खेले थे पर इसमें वह पहले दौर में ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार गए थे। उनके नाम चारों ग्रैंड स्लैम खिताब हैं।

नडाल ने पुरुष टेनिस में सबसे अधिक 22

ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इसमें 14 फ्रेंच ओपन दो ऑस्ट्रेलियाई ओपन और दो विम्बलन खिताब के अलावा 4 अमेरिकी ओपन खिताब हैं।

इसके अलावा उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा एटीपी टूर्नामेंट खिताब: 92 एकल खिताब, जिसमें 36 मास्टर्स 1000 खिताब और 23 एटीपी 500 खिताब शामिल हैं। डेविस कप: स्पेन के लिए 5 बार (2004, 2008, 2009, 2011, 2019) डेविस कप जीता। वह 209 हफ्तों तक एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 रहे, पहली बार 2008 में शीर्ष स्थान हासिल किया।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक असफल रहे हैं ईशान

मुम्बई। बांए हाथ के आक्रामक विकेटीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल के इस सत्र में फ्लाप साबित हुए हैं। ईशान को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने मोटी रकम देकर खरीदा था। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मैच में ईशान ने 45 गेंदों में शतक लगाकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी पर इसके बाद के मैचों में उनका बल्ला खामोश रहा है। ईशान ने की पहले मैच में खेली 106 रनों की पारी से हैदराबाद को जीत मिली थी पर उसके बाद से ही वह छह पारियों में एक में भी दो अंकों में नहीं पहुंच पाये। जिसके बाद से ही वह प्रशंसकों के निशाने पर हैं। गत दिनों राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक के दौरान किशन चोटिल हो गए थे और फील्डिंग के लिए नहीं लौटे थे। इसके कारण उनकी फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ रहा। हालांकि वह बाद के मैचों में खेले। वह सलामी हैं लेकिन हैदराबाद में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की मजबूत ओपनिंग जोड़ी के कारण उन्हें सत्र में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करनी पड़ रही है। अब अगर वह आगे के मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो ही उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभवना बनेगी।

मोटोरोला राझर 60 अल्ट्रा जल्द होगा लांच

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी मोटोरोला जल्द ही अपने फ्लिप फोन सीरीज के तहत मोटोरोला राझर 60 अल्ट्रा को लॉन्च करने जा रहा है। लॉन्च से पहले राझर 60 अल्ट्रा के स्पेसिफिकेशन्स ऑनलाइन लीक हो गए हैं, जिससे इस फोन के पावरफुल फीचर्स सामने आए हैं।

इन डिवाइसेज़ की घोषणा 24 अप्रैल को संभावित इवेंट में की जा सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फोन में 7 इंच का सुपर एचडी एलटीपीओ अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा, जो डॉल्बी विजन, 4500 निट्स की पीक ब्राइटनेस और 165एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। साथ ही, इसका 4 इंच का ओलेड कवर डिस्प्ले भी 3000 निट्स ब्राइटनेस और 165एचझेड रिफ्रेश रेट से लैस होगा। फोन में स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट दिए जाने की संभावना है। इसे 16जीबी एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 512 जीबी यूएफएस 4.0 इंटरनल स्टोरेज के साथ पेश किया जा सकता है। कैमरा सेक्शन में, रेजर 60 अल्ट्रा में 50 मेगापिक्सल का ओआईएस मेन कैमरा और 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस दिया जा सकता है।

यह डिवाइस एंड्रॉयड 15 आउट ऑफ द बॉक्स पर काम करेगा और इसमें ड्यूल सिम, 5जी, वाय-फाय 7, ब्लूटूथ 5.4, एनएफसी, जीपीएस और यूएसबी टाइप-सी जैसे कनेक्टिविटी फीचर्स मिल सकते हैं। वहीं, सेल्फी के लिए इसमें 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मौजूद रहेगा। बैटरी के मामले में भी यह फोन दमदार है। इसमें 4700एमएएच की बैटरी दी जा सकती है जो 68वॉट की टर्बो चार्जिंग और 30वॉट की वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

वनप्लस 13टी 24 अप्रैल को चीन में होगा लॉन्च

नई दिल्ली। प्रीमियम स्मार्टफोन वनप्लस 13टी को 24 अप्रैल को चीन में लॉन्च करने जा रही है। वनप्लस 13टी का लॉन्च जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, यूजर्स की उत्सुकता और भी बढ़ती जा रही है। लॉन्च से पहले इस फोन को लेकर कई लीक सामने आ चुकी हैं, जिनमें इसके डिजाइन से लेकर फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स तक की जानकारी दी गई है। हाल में सामने आए एक हैंड्स-ऑन वीडियो में फोन की झलक देखने को मिली, जिससे इसके प्रीमियम लुक की पुष्टि होती है। नई लीक के मुताबिक,वनप्लस 13टी में 50 मेगापिक्सल का सोनी मेन कैमरा और 50 मेगापिक्सल का 2 एक्स टेलीफोटो लेंस दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

कावासाकी ने भारतीय बाजार में लॉन्च की क्रूजर बाइक एलिमिनेटर

नई दिल्ली। जापानी टू-व्हीलर निर्माता कंपनी कावासाकी ने हाल ही में अपडेटेड मॉडल वाली अपनी प्रसिद्ध क्रूजर बाइक एलिमिनेटर को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। यह बाइक नवीनतम तकनीकी और डिज़ाइन फीचर्स के साथ आता है। 2025 कावासाकी एलिमिनेटर में 451 सीसी लिक्विड-कूल्ड 4-स्ट्रोक पैरलल ट्विन इंजन दिया गया है, जो 45पीएस :का पावर और 42.6 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक में हार्डवेयर भी कमाल का है, जैसे डुअल-चैनल एबीएस, डिस्क ब्रेक, टेलिस्कॉपिक फॉर्क, डुअल शॉक एब्जॉर्वर और बहुत कुछ। एलिमिनेटर के फीचर्स में एक सर्कुलर एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, राइडोलॉजी ऐप के साथ स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, डुअल चैनल एबीएस, और कई और डिजिटल इंवोवेशनें शामिल हैं। क्रूजर बाइक में 451सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन, कीमत 5.76 लाख इस नई बाइक का ओवरऑल डिज़ाइन भी मॉडर्न और एलिगेंट है।

पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका पहुंचा भारत का अनार

मुंबई। भारत के प्रमुख अनार निर्यात बाजारों में यूएई, बांग्लादेश, नेपाल, नीदरलैंड, सऊदी अरब और श्रीलंका के बाद अब अमेरिका भी शामिल हो गया है। भारत से पहली बार महाराष्ट्र से न्यूयॉर्क तक समुद्री मार्ग से 14 टन अनार की पहली खेप भेजी गई है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अमेरिका के कृषि विभाग के पशु और पादप स्वास्थ्य निरीक्षण सेवा, राष्ट्रीय पादप संरक्षण संगठन और सोलापुर स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र के साथ मिलकर इस पहल को अंजाम दिया है ।समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया, जिससे फलों की शेल्फ लाइफ 60 दिन तक बढ़ाई जा सकी। इस खेप में 4,620 बॉक्स शामिल थे और पांच सप्ताह में इसे डिलीवर किया गया। गुणवत्ता और उपस्थिति दोनों के लिहाज से इसे अमेरिका में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2024 में एपीडा ने नियामक प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ पूर्व-मंजूरी कार्यक्रम भी आयोजित किया था। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 72,011 मीट्रिक टन अनार का निर्यात किया था जिसकी कीमत 69.08 मिलियन अमेरिकी डॉलर रही। वहीं, 2024-25 की अप्रैल से जनवरी अव में यह निर्यात 59.76 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 21 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है ।

एचडीएफसी बैंक ने जारी किए नतीजे डिविडेंड देने का भी ऐलान

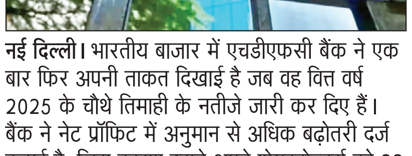

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में एचडीएफसी बैंक ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई है जब वह वित्त वर्ष 2025 के चौथे तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक ने नेट प्रॉफिट में अनुमान से अधिक बढ़ोतरी दर्ज कराई है, जिस कारण उसने अपने शेयरहोल्डर्स को 22 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। बैंक ने साल दर साल आधार पर वित्त वर्ष 2025 के मार्च तिमाही में 6.7 फीसदी की ग्रोथ देखी है, जो नेट प्रॉफिट को 17,616 करोड़ रुपये पहुंचाती है। इस ग्रोथ दर की वर्तमान चली दुर्गम परिस्थितियों में बैंक की मजबूती को दर्शाती है। बोर्ड ने डिविडेंड का ऐलान करते हुए 1 रुपये के फेस वैल्यू पर शेयरहोल्डर्स को 22 रुपये प्रति शेयर देने का फैसला किया है। इसकी रिकॉर्ड डेट 27 जून 2025 को रखी गई है। बैंक के नपा रेशियो में भी धीमी गिरावट दर्ज की गई है। बैंक में वित्त वर्ष 2025 के मार्च तिमाही में 6.7 फीसदी की ग्रोथ देखी गई , 31 दिसंबर 2024 को 1.42 प्रतिशत से 31 मार्च 2025 को इसे 1.33 प्रतिशत पर कम किया गया है। यह बैंक की स्थिरता के संकेत माना जा सकता है। इसी तरह, एनपीए रेशियो 0.43 फीसदी पर है, जो पिछली तिमाही में 0.46 फीसदी पर ग्रॉस एनपीए भी पिछली तिमाही के मुकाबले धीमा रहा है, लेकिन यह वीर्य दिखाता है कि बैंक संकटों का सामना करने में सक्षम है।

बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए

गुजरात में मूंगफली की सरकारी बिक्री होने के कारण कारोबारी धारणा प्रभावित हुई

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

सहकारी संस्था नेफेड द्वारा 21 अप्रैल से सोयाबीन बेचने की अफवाहों तथा गुजरात में मूंगफली की सरकारी बिक्री और कारोबारी धारणा प्रभावित होने से बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि मूंगफली पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 17-18 प्रतिशत नीचे दाम पर बिक रही थी और अब सहकारी संस्था नेफेड की ओर से सोयाबीन की भी बिक्री किये जाने की अफवाह है। इससे बाजार में घबराहट का माहौल है जो तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण है। इससे पिछले सप्ताह में जिस कच्चे पामतेल का दाम 1,125-1,130 डॉलर प्रति टन था, वह समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 1,100-1,105 डॉलर प्रति टन रह गया है। विदेशों में दाम टूटने और नेफेड की बिकवाली पहल के बीच घबराहटपूर्ण माहौल के कारण पाम-पामोलीन तेल में गिरावट दर्ज हुई। दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम का दाम जो पहले 1,105-1,110 डॉलर प्रति टन था वह समीक्षाधीन सप्ताह में बढ़कर 1,115-1,120 डॉलर प्रति टन हो गया है। इसके अलावा सरकार ने सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क मूल्य भी 81 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया है। इससे सोयाबीन तेल में और मजबूती की उम्मीद की जा रही थी लेकिन नेफेड की सोयाबीन बिकवाली संबंधी अफवाहों के बीच दाम टूटते दिखे। उन्होंने कहा कि देश के आयातकों की पैसों के मामले में हालत इतनी खराब है कि वे सोयाबीन डीगम तेल को आयात की लागत से भी कम दाम पर बेचने को मजबूर हो चले हैं। इससे सोयाबीन तेल-तिलहन कीमतों में तो गिरावट आई ही, वहीं बाजार में घबराहटपूर्ण माहौल के बीच अन्य सभी तेल-तिलहनों के दाम भी दबाव में आ गये। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,225-6,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 45-45 रुपये टूटकर क्रमश: 2,335-2,435 रुपये और 2,335-2,460 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 4,550-4,600 रुपये और 4,250-4,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 300 रुपये, 150 रुपये और 375 रुपये टूटकर क्रमश: 13,400 रुपये, 13,250 रुपये और 9,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 5,725-6,100 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश: 100 रुपये और पांच रुपये टूटकर क्रमश: 14,150 रुपये और 2,245-2,545 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 325 रुपये की गिरावट के साथ 12,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 550 रुपये की गिरावट के साथ 12,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं, कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रविवार को सुबह 6 बजे ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। जारी रेट के अनुसार रविवार को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल, जो कि पिछले दिनों के मुकाबले कम है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए लीटर, डीजल 87.67 रुपए लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपए लीटर, डीजल 90.03 रुपए लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपए लीटर, डीजल 91.82 रुपए लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.80 रुपए लीटर, डीजल 92.39 रुपए लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपए लीटर, डीजल 88.14 रुपए लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपए लीटर, डीजल 88.99 रुपए लीटर, पटना में पेट्रोल 105.60 रुपए लीटर, डीजल 92.04 रुपए लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.69 रुपए/लीटर, डीजल 87.55 रुपए लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.30 रुपए लीटर, डीजल 82.38 रुपए लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.46 रुपए लीटर, डीजल 95.63 रुपए लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.17 रुपए लीटर, डीजल 88.03 रुपए लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.72 रुपए लीटर, डीजल 90.36 रुपए लीटर है।

बीते वित्त वर्ष वाहन निर्यात 19 फीसदी बढ़कर 53.63 लाख इकाई हुआ

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

वैश्विक बाजारों में यात्री, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की मांग में तेजी की वजह से बीते वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल वाहन निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 53 लाख इकाई से अधिक हो गया है। पिछले वित्त वर्ष में कुल वाहन निर्यात 53.63 लाख इकाई रहा, जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी है।

जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था

पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहनों का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़कर 7,70,364 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 6,72,105 इकाई था। उद्योग निकाय सियाम ने कहा कि भारत में बनने वाले वैश्विक मॉडल की मांग में बढ़ोतरी की वजह से इस खंड ने पिछले वित्त वर्ष में अपना बेहतर वार्षिक प्रदर्शन किया। सियाम ने कहा कि विनिर्माण गुणवत्ता में सुधार के साथ, कुछ कंपनियों ने विकसित बाजारों में निर्यात भी शुरू कर दिया है। यूटिलिटी वाहनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और यह 3,62,160 इकाई रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के 2,34,720 इकाई की तुलना में यह 54 प्रतिशत की वृद्धि है। पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 41,98,403 इकाई रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 34,58,416 इकाई था। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में तिपहिया वाहनों के निर्यात में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 3.1 लाख इकाई रहा। पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 80,986 इकाई रहा, जबकि इससे पिछले साल यह 65,818 इकाई था।

इराक में सैन्य सुरक्षा, व साइबर हथियारों की प्रर्दशनी

इराक में सैन्य सुरक्षा, व साइर सुरक्षा एक्सपो में पेश किये गये हथियारों को देखते हुए लोग।

कोयला एक्सचेंज पर नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा बढ़ी

कोयला मंत्रालय ने अंतिम तिथि छह अप्रैल, से बढ़ाकर सात मई करने का निर्णय लिया

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने कोयला व्यापार एक्सचेंज को लेकर प्रस्तावित नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा सात मई तक के लिए बढ़ा दी है। इस एक्सचेंज से जिंस के रूप में कोयले का कारोबार किया जा सकेगा। कोयला मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि मंत्रालय ने सार्वजनिक परामर्श के लिए कोयला व्यापार एक्सचेंज पर प्रस्तावित नियमों का मसौदा प्रकाशित किया था।

कोयला मंत्रालय ने टिप्पणियां या सुझाव देने की अंतिम तिथि छह अप्रैल, 2025 से बढ़ाकर सात मई, 2025 करने का निर्णय लिया है। कोयला मंत्रालय ने प्रस्तावित एक्सचेंज के लिए कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) को नियामक के रूप में सशक्त बनाने का प्रस्ताव किया है। वर्तमान में देश में कोयला बिक्री चैनल विशिष्ट रूप से कोल इंडिया लिमिटेड सहित सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों के लिए है। इसलिए एक मंच यानी कोल ट्रेडिंग एक्सचेंज (सीटीई) प्रदान करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि वाणिज्यिक, खुद के उपयोग के लिए कोयला खनन करने वाली कंपनियों को अपने उत्पाद को बाजार में लाने के लिए आसान पहुंच मिल सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देश में धार्मिक...

141 धारा रहती है कि हम यानी संसद जो कानून पास करता है, वह लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक सभी पर लागू होता है। आर्टिकल 368 कहता है कि पार्लियामेंट को सभी कानून बनाने का अधिकार है। आज सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति और राज्यपाल को आदेश देने की हिमाकत कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट अपनी मर्जी से संसद के बने कानून को खारिज कर दे रहा है। भाजपा सांसद ने सुप्रीम कोर्ट के ऐसे आचरणों को रेखांकित करते हुए कहा, एक आर्टिकल 377 था, जिसमें कहा गया था कि होमोसेक्सुअलिटी (यौन-विकृति) एक बड़ा अपराध है।

कोई भी कम्युनिटी हो, हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, क्रिश्चियन हो, जैन हो, सभी मानते हैं कि सौन-विकृति एक अपराध है। सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत फैसला सुना दिया कि नहीं हम यह आर्टिकल खारिज करते हैं। संसद ने आईटी एक्ट बनाया। शिकार सबसे अधिक कौन हैं? महिलाएं हैं, उनके अश्लील वीडियो आते हैं, बच्चों के पॉर्न आते हैं लेकिन अचानक सुप्रीम कोर्ट खड़ा होता है और कहता है हम 66-ए खत्म करते हैं, आईटी एक्ट खत्म करते हैं। सुप्रीम कोर्ट इस देश में क्या करने पर आमादा है?

निशिकांत दुबे ने कहा, इस देश में सनातन की परंपरा है। जब रामजन्मभूमि का मामला आया तो सुप्रीम कोर्ट कहता है कागज दिखाओ। श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मामला आया तो कहता है कागज दिखाओ। ज्ञानवापी की बात आएगी तो कहता है कागज दिखाओ। वहीं मुगलों के आने के बाद जो मस्जिदें बनी हैं, उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट कहता है कि मुस्लिम कागज कहां से दिखाएंगे? सांसद दुबे ने कहा, इस देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए केवल और केवल सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है।

सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमा से बाहर जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की सीमा यह है कि भारत का संविधान जिस कानून को बनाए, उसे उसकी व्याख्या करनी चाहिए। अगर सभी बात के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना है तो संसद और विधानसभा का कोई मतलब नहीं है, इसे बंद कर देना चाहिए।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और पश्चिम बंगाल में फैली सांप्रदायिक हिंसा पर निशिकांत दुबे ने साफ-साफ कहा, इस देश में जितने भी गृह युद्ध हो रहे हैं उसके जिम्मेदार चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना साहब हैं। वक्फ अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी कहा था कि उन्हें पूरा भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट विधायी मामले में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि विधायिका और न्यायपालिका को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए।

धनखड़ ने बेजा...

वे ही कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और सुपर संसद के रूप में काम करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही भी नहीं होगी क्योंकि इस देश का कानून उन पर लागू ही नहीं होता।

उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि भारत में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे और कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और सुपर संसद के रूप में काम करेंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा, सुप्रीम कोर्ट को सिर्फ संविधान के अनुच्छेद 145 (3) के तहत संविधान की व्याख्या का अधिकार है और वह भी पांच या उससे ज्यादा जजों की संविधान पीठ ही कर सकती है।

जबकि राष्ट्रपति पर सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने खुदमुख्तार बन कर आदेश जारी कर दिया!

25 से वृषभ समेत अन्य दो राशि वालों का शुरू हो सकता है अच्छा समय

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को ग्रहों का राजा और आत्मा, मान-सम्मान व नेतृत्व क्षमता का कारक ग्रह माना जाता है। यदि कुंडली में सूर्य मजबूत हो, तो जातक को करियर में सफलता व नौकरी में पद-प्रतिष्ठा बढ़ती हैं। वहीं गुरु के प्रभाव से व्यक्ति को ऐश्वर्य की प्राप्ति होती हैं। ज्योतिष के अनुसार इन दोनों ग्रहों के प्रभाव से व्यक्ति को धन-संपत्ति व ज्ञान-बुद्धि की प्राप्ति होती हैं। इतना ही नहीं इन दोनों के गोचर और युति निर्माण से 12 राशियों पर भी व्यापक प्रभाव देखने को मिलता है। ऐसे में सूर्य-गुरु दोनों ग्रह फिर एक शक्तिशाली योग बना रहे हैं, जो कुछ राशि के लोगों के लिए शुभ साबित होगा।

आपको बता दें, 25 अप्रैल 2025 को सुबह 9: 55 मिनट पर ग्रहों के राजा सूर्य और गुरु एक-दूसरे से 45 डिग्री पर होंगे। दोनों ग्रहों की इस स्थिति से अर्धकेंद्र राजयोग बनेगा, जो इन तीन राशि वालों के लिए कल्याणकारी साबित होगा।

वृषभ राशि – ज्योतिषियों के मुताबिक अर्धकेंद्र राजयोग आपके लिए आर्थिक रूप से लाभकारी हो सकता है। आय के नए-नए साधन प्राप्त होंगे। आपको जमीन-जायदाद के मामले में भी राहत मिलेगी। शुभ सूचनाएं मिल सकती है। धन लाभ में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी संग तालमेल अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन में भी सुख का संचार होगा। इस दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता मिलने के संकेत हैं। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

मिथुन राशि – अर्धकेंद्र राजयोग से नौकरी कर रहे लोगों के प्रमोशन के योग बन सकते हैं। ऑनलाइन कार्य कर रहे लोगों के वेतन में वृद्धि होगी। व्यवसाय में साझेदारी लाभकारी सिद्ध हो सकती है। लंबे समय तक जो काम अटके हुए थे वह अब पूरे होंगे। इस योग के प्रभाव से आपको यह समय वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के लिए साबित होगा। दांपत्य जीवन में सौहार्द और सुख बढ़ता है।

वृश्चिक राशि – यह समय आपके प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। इन जातकों को जीवन में सफलता, सुख और समृद्धि के रास्ते मिलेंगे।

अपने बिजनेस पार्टनर संग बेहतर रिश्ता रह सकता है। पहले के मुकाबले आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। धार्मिक यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है। आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे।

धन-दौलत और तरक्की पाने के लिए करें निम्न ज्योतिषीय उपाय, हमेशा बनी रहेगी मां लक्ष्मी की कृपा

आज के दौर में हर कोई व्यक्ति चाहता है कि उसका जीवन सुख-सुविधाओं और धन-धान्य से परिपूर्ण रहे। अपनी इस इच्छा को पूरा करने के लिए लिए वह कड़ी मेहनत करता है, लेकिन कई बार कठिन मेहनत करने के बाद भी उतनी सफलता नहीं मिलती है जितनी मिलनी चाहिए। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में धन प्राप्ति के लिए, नौकरी में प्रमोशन और वेतन वृद्धि के लिए और कारोबार में तरक्की के लिए कई तरह के उपाय के बारे में जानकारी दी गई है। ज्योतिष में धन-दौलत, मान-सम्मान और सुख-समृद्धि के लिए मां लक्ष्मी की पूजा का सबसे अच्छा उपाय बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां लक्ष्मी जिन व्यक्तियों पर प्रसन्न होती है उनके जीवन में कभी भी वैभव, ऐशोआराम और संपन्नता की कोई कमी नहीं रहती है। आइए जानते हैं धन-दौलत और जीवन में तरक्की पाने के लिए कौन से ज्योतिषीय उपाय बहुत ही कारगर साबित होते हैं।

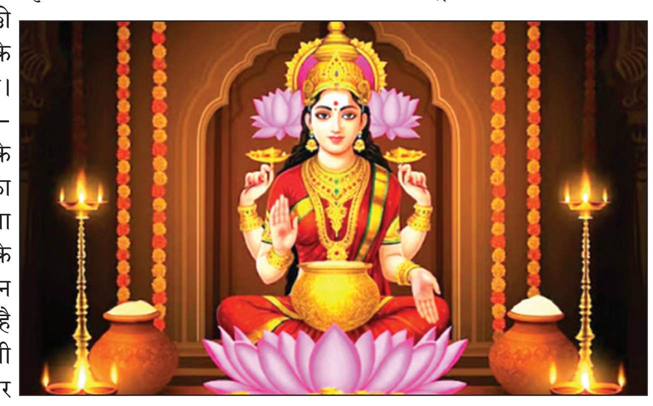

मां लक्ष्मी की पूजा-आराधना का महत्व

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन और सुख-समृद्धि की देवी माना गया है। ऐसी मान्यता हैं जिन घरों में मां लक्ष्मी का वास होता है वहां कभी भी दरिद्रता का वास नहीं रहता है बल्कि यहां पर धन-दौलत और ऐशोआराम की कोई भी कमी नहीं होती। देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए रोजाना पूजा-पाठ करना चाहिए।। घर में मां लक्ष्मी के साथ-साथ भगवनान कुबेर की मूर्ति होनी चाहिए। शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी की पूजा के लिए विशेष दिन होता है। इस दिन व्रत रखते हुए मां लक्ष्मी की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए। इस घर में ऐशोआराम और धन की कोई कमी नहीं होती है।

मां लक्ष्मी के साथ कुबेर की पूजा का महत्व

मां लक्ष्मी जहां व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि, वैभव और संपन्नता लाती हैं वहीं भगवान कुबरे को धन का देवता माना जाता है। ऐसे में मां लक्ष्मी की पूजा के साथ भगवान कुबेर की भी पूजा करनी चाहिए। धन में वृद्धि के लिए और वैभव की कामना के लिए रोजाना भगवान कुबेर की पूजा, कुबेर यंत्र, धन वर्षा यंत्र और श्रीयंत्र की पूजा करनी चाहिए।

श्रीसूक्त का पाठ

धन में वृद्धि के लिए, नौकरी-कारोबार में तरक्की और धन प्राप्ति के लिए श्रीसूक्त का पाठ करना बहुत ही लाभकारी और फलदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्रीयूक्त का पाठ करने से देवी लक्ष्मी जल्द प्रसन्न होती हैं। शुक्रवार के दिन श्रीसूक्त का पाठ करने से हर एक इच्छा जरूर पूरी होती है और धन-धान्य की कोई भी कमी नहीं होती है।

साफ-सफाई रखना

माता लक्ष्मी को साफ-सफाई बहुत ही प्रिय होती है। मां लक्ष्मी उन्ही घरों में सदैव के लिए वास करती हैं जहां पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रहना होता है। ऐसे में धन में वृद्धि और मां लक्ष्मी के वास के लिए घर पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

तिजोरी में रखें ये खास चीज

धन लाभ, आर्थिक परेशानियों से बचने और नौकरी-कारोबारी में तरक्की के लिए मां लक्ष्मी की सबसे प्रिय चीज हल्दी की गांठ और कमलगट्टे को लाल कपड़े में लपेट करके तिजोरी में रखें। उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर और माता लक्ष्मी की दिशा में माना गया है। इस दिशा से धन का आगमन होता है। ऐसे में आप तिजोरी इस प्रकार रखें कि उसका मुहं उत्तर की ओर ही खुले । उत्तर दिशा की ओर तिजोरी या अलमारी का मुंह खुलने से धन- दौलत और आभूषणों का आगमन होता है।

गोमती चक्र के उपाय

मां लक्ष्मी को गोमती चक्र भी बहुत ही प्रिय होती है। नौकरी और व्यापार में तरक्की के लिए गोमती चक्र के ऊपाय को बहुत ही कारगर ज्योतीषीय उपाय माना जाता है। व्यापार में वृद्धि के लिए गोमती चक्र का इस्तेमाल किया जा सकता है। अपने व्यवसाय के स्थान पर आप हल्दी और केसर से 12 गोमती चक्रों पर तिलक लगाकर एक कपड़े में बांध कर रख दें। चाहें तो इस कपड़े को आप चौखट पर लटका भी सकते हैं। ऐसा करने से व्यापार में जल्द ही वृद्धि होने लगेगी।इसी प्रकार गोमती चक्र लाल कपड़े में लपेटकर लॉकर या कैश बॉक्स में रखने से कभी धन की कमी नहीं होती।

परशुराम जयंती पर सौभाग्य योग समेत बन रहे हैं कई मंगलकारी संयोग

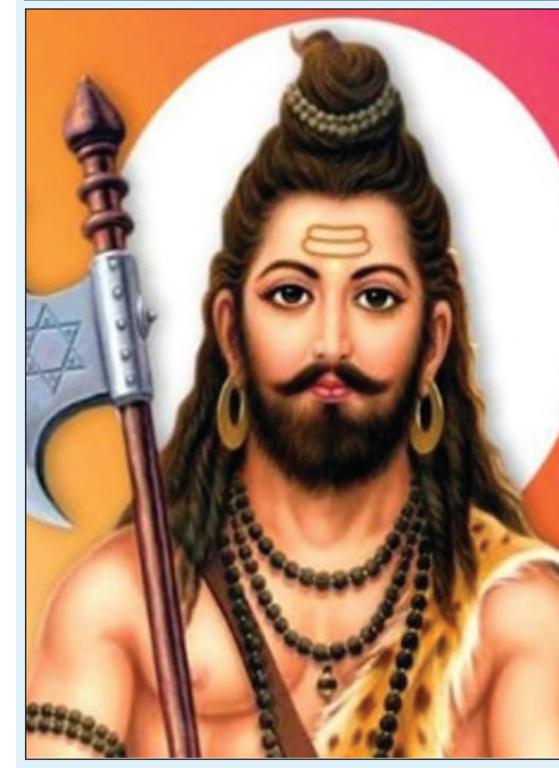

वैदिक पंचांग के अनुसार, मंगलवार 29 अप्रैल को परशुराम जयंती है। यह पर्व हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर परशुराम जी की पूजा की जाती है। जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। ज्योतिषियों की मानें तो वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर कई प्रकार के मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान परशुराम की पूजा करने से जीवन में व्याप्त सभी प्रकार की परेशानी दूर हो जाती है। साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं शांति आती है। आइए, परशुराम जयंती की सही डेट, शुभ मुहूर्त एवं योग जानते हैं।

अक्षय तृतीया शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 29 अप्रैल को शाम 05 बजकर 31 मिनट पर वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत होगी। वहीं, 30 अप्रैल को दोपहर 02 बजकर 12 मिनट पर तृतीया तिथि समाप्त होगी। इस प्रकार 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया मनाया जाएगा।

परशुराम जयंती 2025 शुभ मुहूर्त

सनातन शास्त्रों में निहित है कि भगवान परशुराम का अवतार प्रदोष काल में हुआ है। इसके लिए हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर प्रदोष काल में भगवान परशुराम की पूजा की जाती है। इस साल 29 अप्रैल को वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि है। इसके लिए 29 अप्रैल को परशुराम जयंती मनाई जाएगी।

सौभाग्य योग

ज्योतिषियों की मानें तो वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर सौभाग्य योग का संयोग बन रहा है। परशुराम जयंती पर सौभाग्य योग दोपहर 03 बजकर 54 मिनट तक है। इस योग में भगवान परशुराम की पूजा करने से सौभाग्य में वृद्धि होगी। साथ ही भगवान परशुराम की कृपा साधक पर बरसती है।

शोभन योग

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर शोभन योग का निर्माण हो रहा है। शोभन योग शाम 03 बजकर 45 मिनट से है। इस योग में भगवान परशुराम की पूजा करने से हर एक मनोकामना पूरी होगी। साथ ही साधक पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसेगी।

त्रिपुष्कर योग

परशुराम जयंती पर त्रिपुष्कर योग का संयोग बन रहा है। त्रिपुष्कर और सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 05 बजकर 42 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 31 मिनट तक है। इस योग में भगवान परशुराम की पूजा करने से सभी कामों में सिद्धि मिलेगी।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 42 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 55 मिनट पर
चन्द्रोदय– सुबह 06 बजकर 29 मिनट पर
चन्द्रास्त रात 09 बजकर 03 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04:16 मिनट से 04:59 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02:31 मिनट से 03 :24 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 06:54 मिनट से 07 :16 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात 11 :57 मिनट से 12:40 मिनट तक

मूलांक 9 वालों को वाद-विवाद से बचने की जरूरत है!

अंक ज्योतिष में व्यक्ति के भविष्य का आकलन मुख्य रूप से उसके मूलांक के आधार पर किया जा सकता है, जो जन्म तिथि से जाना जाता है। अंकशास्त्र, सामान्य तौर पर किसी व्यक्ति के जन्म की तारीख पर होने वाली संख्याओं के कुल योग का अध्ययन करता है। इसमें कुल मूलांक 1 से लेकर 9 तक होता है। सभी अंक किसी न किसी ग्रह का प्रतिनिधित्व करते हैं। और इनसे ही मूलांक और भाग्यांक की गणना करके दैनिक अंक ज्योतिष भविष्यफल, साप्ताहिक अंकज्योतिष भविष्यफल, मासिक अंकज्योतिष भविष्यफल और वार्षिक अंकज्योतिष भविष्यफल के साथ ही आपके जीवन से जुड़ी तमाम घटनाओं के बारे में यहां हम आपको जानकारी देते हैं जिससे आपका जीवन सुखमय और समृद्ध बन सके।

उदाहरण के लिए समझिए यदि किसी व्यक्ति का जन्म 23 अप्रैल को हुआ है तो उसकी जन्म तारीख के अंकों का योग 2+3=5 आता है। यानि 5 उस व्यक्ति का मूलांक कहा जाएगा। अगर किसी की जन्मतिथि दो अंकों यानी 11 है तो उसका मूलांक 1+1= 2 होगा। वहीं जन्म तिथि, जन्म माह और जन्म वर्ष का कुल योग भाग्यांक कहलाता है। जैसे अगर किसी का जन्म 22-04-1996 को हुआ है तो इन सभी अंकों के योग को भाग्यांक कहा जाता है। 2+2+0+4+1+9+9+6=33=6 यानी उसका भाग्यांक 6 है।

इस अंक ज्योतिष को पढ़कर आप अपनी दैनिक योजनाओं को सफल बनाने में कामयाब रहेंगे। जैसे दैनिक अंक ज्योतिष आपके मूलांक के आधार पर आपको यह बताएगा कि आज के दिन आपके सितारे आपके अनुकूल हैं या नहीं। आज आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है या फिर किस तरह के अवसर आपको प्राप्त हो सकते हैं। दैनिक अंक ज्योतिष की भविष्यवाणी को पढ़कर आप दोनों ही परिस्थिति के लिए तैयार हो सकते हैं। तो चलिए अंक शास्त्र के माध्यम से जानते हैं आपका मूलांक, शुभ अंक और लकी कलर कौन सा है।

अंक 1– आज का दिन आत्मबल बढ़ाने वाला है। मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। कार्यक्षेत्र में नेतृत्व दिखाने का अवसर मिलेगा, किन्तु अहंकार से दूरी बनाकर चलें। जीवनसाथी अथवा प्रियजन से संबंधित कोई शुभ समाचार मिल सकता है। किसी निर्णय में धैर्य आवश्यक होगा।

शुभ अंक- 4,
शुभ रंग- केसरिया

अंक 2– भावनाएं आज प्रमुख भूमिका निभाएंगी। किसी पुराने संबंध की स्मृति हृदय को स्पर्श कर सकती है। मन विचलित न हो, इसके लिए ध्यान अथवा शांत वातावरण लाभकारी रहेगा। पारिवारिक वार्तालाप में विनम्रता आवश्यक है। सृजनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

शुभ अंक- 2,
शुभ रंग- सफेद

अंक 3 –विद्या और वाणी का शुभ संयोग बना है। परामर्श देना आज फलदायी रहेगा। सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि संभव है। यदि किसी योजना पर कार्य आरम्भ करना चाहें, तो शुभ मुहूर्त मान सकते हैं। मित्रों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

शुभ अंक- 7,
शुभ रंग- गुलाबी

अंक 4 – कुछ विलंब या अवरोध अनुभव हो सकते हैं, परंतु चिंता करने की आवश्यकता नहीं। धैर्य और संयम से कार्यों में सफलता मिलेगी। नयी दिशा में सोचने का अवसर मिलेगा। यात्रा से बचें अथवा अत्यंत सावधानी रखें। किसी पुराने मित्र से संवाद हो सकता है।

शुभ अंक- 3,शुभ रंग- पीला

अंक 5 –परिवर्तन की प्रवृत्ति प्रबल है। नई योजनाएं बन सकती हैं, और कुछ लोगों से अप्रत्याशित भेंट या संवाद संभव है। वाणी में चपलता रहेगी, किन्तु असंयम से बचना होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। सन्देशों के आदान-प्रदान से दिन सक्रिय रहेगा।

शुभ अंक- 6,शुभ रंग- लाल

अंक 6 –सौंदर्य और स्नेह की ऊर्जा प्रमुख रहेगी। घर-परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा। किसी कलात्मक कार्य में रुचि बढ़ सकती है। प्रेम संबंधों में भावनात्मक गहराई बढ़ेगी। यद्यपि मन अति भावुक हो सकता है, अतः निर्णय लेते समय व्यावहारिक पक्ष भी देखें।

शुभ अंक- 5,शुभ रंग- नीला

अंक 7 – ध्यान और आत्ममंथन का दिन है। एकांत या शांत वातावरण से मन को शांति मिलेगी। कोई पुरानी बात मन को विचलित कर सकती है, परंतु वहीं से समाधान भी मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि या पुस्तकें लाभकारी होंगी। मौन से अधिक शक्ति प्राप्त हो सकती है।

शुभ अंक- 6,
शुभ रंग- पीला

अंक 8– संयम और नियम का पालन आज विशेष आवश्यक होगा। परिश्रम से फल मिलेगा, परंतु अपेक्षा अनुसार नहीं तो निराश न हों। स्वास्थ्य में हल्की थकान संभव है, विश्राम आवश्यक है। परिवारजनों से व्यवहार में संतुलन बनाए रखें। वित्तीय मामलों में सावधानी रखें।

शुभ अंक- 8, शुभ रंग- हरा

अंक 9–ऊर्जा प्रबल है, किन्तु उसे सही दिशा देना आवश्यक है। किसी विवाद से बचें, अन्यथा प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। कार्यक्षेत्र में नई चुनौती का सामना हो सकता है, साहस से निपटें। मित्रों के साथ बातचीत में स्पष्टता रखें। संयम ही विजय दिलाएगा।

शुभ अंक- 18,
शुभ रंग- सुनहरा

वरूथिनी एकादशी पर इन स्थानों पर जलाएं दीपक, दूर होगी घर की दरिद्रता

वरूथिनी एकादशी का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। यह भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। यह वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल वरूथिनी एकादशी 24 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन भक्त व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। ऐसी मान्यता है कि वरूथिनी एकादशी पर कुछ विशेष स्थानों पर दीपक जलाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और धन-धान्य में वृद्धि होती है, तो आइए उन खास स्थानों के बारे में जानते हैं।

वरूथिनी एकादशी पर इन स्थानों पर जलाएं दीपक

तुलसी के पौधे के पास – तुलसी का पौधा भगवान विष्णु को बहुत प्रिय है। वरूथिनी एकादशी के दिन तुलसी के पौधे के पास घी का दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

घर के मुख्य द्वार पर – घर के मुख्य द्वार को सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस दिन मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती हैं और जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है।

पूजा घर – पूजा घर को सबसे पवित्र स्थान होता है। वरूथिनी एकादशी के दिन पूजा घर में भगवान विष्णु के सामने घी का दीपक जलाने से उनकी विशेष कृपा मिलती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

रसोई घर – रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास होता है। इस दिन रसोई घर में दीपक जलाने से घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और बरकत बनी रहती है।

केले के पेड़ के नीचे – केले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास माना जाता है। वरूथिनी एकादशी के दिन केले के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से श्री हरि का आशीर्वाद मिलता है और घर की दरिद्रता दूर होती है।

दीपक जलाने का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में दीपक को प्रकाश और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। वरूथिनी एकादशी के दिन इन विशेष स्थानों पर दीपक जलाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है। घी का दीपक जलाना विशेष रूप से शुभ माना जाता है, क्योंकि घी को शुद्ध और पवित्र माना जाता है। ऐसे में वरूथिनी एकादशी के मौके पर घर के इन स्थानों पर दीपक जरूर जलाएं। इससे घर की दरिद्रता दूर होती है और सुख-समृद्धि आती है।

कब और कैसे पहनें तुलसी माला?

जानिए नियम और आध्यात्मिक लाभ

सनातन धर्म में तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। कई लोग इस पौधे को घर में भी लगाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस पौधे को घर की शुभ दिशा में लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। साथी ही परिवार के सदस्यों पर श्रीहरि और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। वहीं, कुछ लोग तुलसी की माला भी पहनते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस माला को पहनने से जीवन में कोई भी समस्या नहीं आती है। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि तुलसी माला से जुड़े नियम के बारे में।

तुलसी की माला पहनने के लिए सबसे पहले शुभ दिन देखना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि तुलसी की माला पहनने के लिए शुभ दिन में सोमवार, गुरुवार और बुधवार शामिल है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रविवार और अमावस्या के दिन तुलसी की माला भूलकर भी नहीं पहननी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि अशुभ दिन पर तुलसी की माला धारण करने से व्यक्ति को जीवन में कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

कैसे पहने तुलसी माला?

तुलसी माला को पहनने से पहले उसे जल या गंगाजल के द्वारा साफ करें। इसके बाद माला को सूखने के बाद धारण करें। इसके लिए आप किसी ज्योतिष की सलाह भी ले सकते हैं।

तुलसी माला के नियम

तुलसी की माला पहनने वाले व्यक्ति को किसी से वाद-विवाद नहीं करना चाहिए। साथ ही किसी के बारे में गलत नहीं सोचना चाहिए।

इसके अलावा व्यक्ति को मांसाहारी भोजन का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस नियम का पालन न करने से जीवन में बुरे परिणाम मिलते हैं। बड़े बुजुर्गों और महिलाओं का अपमान नहीं करना चाहिए।

तुलसी माला पहनने से मिलते हैं ये लाभ

तुलसी माला पहनने से जीवन में हमेशा धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा बनी रही है।

आर्थिक तंगी की समस्या से छुटकारा मिलता है।

धन लाभ के योग बनते हैं।

मन की शांति मिलती है।

जीवन के दुख-दर्द दूर होते हैं।

घर में सुख-शांति का आगमन होता है।

व्यक्ति को जीवन में खुशियां आती हैं।

काजोल की नई फिल्म मां का ऐलान

27 जून को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

काजोल की आगामी फिल्म मां का पहला पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने इसके रिलीज की घोषणा कर दी है। शैतान के बाद देवगन फिल्म्स एक और पौराणिक हॉरर फिल्म लेकर आ रही है। सामने आए पोस्टर में अभिनेत्री का शक्तिशाली रूप देखने को मिल रहा है। काजोल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और साईविन क्वाड्रास द्वारा लिखित, मां अच्छाई और बुराई के बीच लड़ाई पर आधारित है। फिल्म रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी का दावा करती है। अभिनेत्री के अलावा फिल्म में रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। सामने आए पोस्टर में अभिनेत्री एक छोटी बच्ची को अपने सीने से लगाए नजर आ रही हैं। दोनों का लुक काफी उग्र लग रहा है। पोस्टर में देखा जा सकता है कि दोनों घायल हैं। निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, नर्क यहीं है।।। देवी भी यहीं हैं! काजोल की मुख्य भूमिका वाली फिल्म मां 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली सहित कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी। जियो स्टूडियोज और देवगन फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, मां का निर्माण अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने किया है, जबकि कुमार मंगत पाठक इसके सह-निर्माता हैं। अभिनेत्री काजोल के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार कृति सेनन के साथ दो पत्ती में देखा गया था।

पूल किनारे स्टाइलिश बिकिनी आउटफिट में नजर आई मोनालिसा

भोजपुरी इंडस्ट्री की ग्लैमरस और चर्चित एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने हॉट लुक को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह पूल किनारे स्टाइलिश बिकिनी आउटफिट में नजर आ रही हैं।

सिर पर हैट और चेहरे पर कॉन्फिडेंस, इस अंदाज में मोनालिसा ने अपने फैंस का दिल जीत लिया है। पूल के किनारे जीवन अच्छा है कैप्शन के साथ शेयर की गई इन तस्वीरों में मोनालिसा का अंदाज और आत्मविश्वास काबिल-ए-तारीफ है। फोटो में उन्होंने एंजलक्रोशेट स्विमवियर का आउटफिट पहना है। उनकी इस तस्वीर पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट सेक्शन में फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं।एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने भी कमेंट करते हुए लिखा - हे भगवान वहीं कई फैंस ने उन्हें गॉर्जियस, हॉट, क्वीन जैसे शब्दों से नवाजा। मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी लाइफस्टाइल से जुड़ी झलकियां फैंस के साथ साझा करती हैं। उनका यह पूलसाइड लुक भी लोगों को खूब भा रहा है और यह तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं।भोजपुरी फिल्मों से लेकर टीवी रियलिटी शोज़ तक, मोनालिसा की फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। उनके हर लुक और पोस्ट को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिलता है।

आमिर खान का उज्ज्वल निकम की बायोपिक से कटा पत्ता

अब राजकुमार राव सरकारी वकील बनकर मचाएगा तबाही

कॉमेडी और हॉरर फ्रेंचाइजी चला रहे दिनेश विजन आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने कई हॉरर-कॉमेडी जॉनर की फिल्मों से बड़े पर्दे पर धमाल मचाया है। यही नहीं, अब वह

बायोपिक में भी अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। हाल ही में उनकी फिल्म स्काई फोर्स रिलीज हुई थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। अब वह एक और बायोपिक लाने जा रहे हैं।दिनेश विजन की स्काई फोर्स में एक स्क्वार्डन लीडर की कहानी दिखाई गई थी, अब वह एक सरकारी वकील की कहानी बड़े पर्दे पर लाने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग बायोपिक उज्ज्वल निकम की है। पिछले साल से ही इस फिल्म के लेकर मायानगरी में सुगबुगाहट जारी है। कहा जा रहा था कि फिल्म में वकील की भूमिका में आमिर खान को अप्रोच किया गया है।

लाल सिंह चड्ढा के बाद से ही आमिर खान बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन बतौर प्रोड्यूसर वह काफी एक्टिव हैं। सितारे जमीन पर मूवी से पहले आमिर खान की झोली में उज्ज्वल निकम की बायोपिक भी आई थी। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेता तो इस फिल्म के लिए राजी भी हो गए थे, लेकिन अब उनका पत्ता साफ होने वाला है।आमिर खन अब उज्ज्वल निकम की बायोपिक का हिस्सा नहीं हैं। कहा जा रहा है कि वह बतौर प्रोड्यूसर फिल्म का हिस्सा बनेंगे। खैर, आमिर खान के जाने के बाद अब दिनेश विजन ने अपने पसंदीदा एक्टर को मैदान में उतारने की प्लानिंग की है। जी हां, वह राजकुमार राव को उज्ज्वल निकम की भूमिका में कास्ट करने की सोच रहे हैं।₹रिपोर्ट में कहा गया है कि दिनेश राजकुमार को उज्ज्वल की भूमिका में लेना चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि दिनेश ने स्त्री एक्टर से बात भी कर ली है और अब तक सब कुछ ऑन-प्वॉइंट चल रहा है। दिक्कत बस इतनी है कि राजकुमार के पास अभी विक्रमादित्य मोटवानी की अपकमिंग फिल्म है जिसमें ढलने के लिए उन्हें बहुत मेहनत करनी है। वह एक खिलाड़ी की भूमिका में दिखाई देंगे।

एक्शन, कॉमेडी, रोमांस के साथ रेट्रो का ट्रेलर आउट

80 के दशक के लुक में छाए सूर्या, दुश्मन से दो-दो हाथ करते दिखे अभिनेता

साउथ सुपरस्टार सूर्या-पूजा हेगड़े की आगामी तमिल रोमांटिक एक्शन फिल्म रेट्रो सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। मेकर्स ने फिल्म का ऑफिशियल ट्रेलर जारी किया है, जो काफी दमदार है। ट्रेलर ने फिल्म को लेकर फैंस की उत्साह बढ़ा दी है।रेट्रो सूर्या और फिल्म मेकर कार्तिक सुब्बाराज के बीच पहला कोलैबोरेशन है। इस प्रोजेक्ट का अनाउंसमेंट पिछले साल मार्च में किया गया था, जिसका वर्किंग टाइटल सूर्या 44 था, साथ ही टैगलाइन थी लव, लाफ्टर, वॉर। लेकिन दिसंबर 2024 में मेकर्स ने फिल्म का फाइनल टाइटल का खुलासा किया है और नाम दिया रेट्रो।फिल्म के अनाउंसमेंट के एक साल बाद मेकर्स ने रेट्रो का धांसू ट्रेलर जारी किया है। इसे तीन भाषाओं, तमिल, तेलुगु और हिंदी में जारी किया गया है। फिल्म मेकर कार्तिक सुब्बाराज ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर तीनों भाषाओं में फिल्म का ट्रेलर जारी किया है।ट्रेलर की शुरुआत में हम देखते हैं कि एक आदमी हिरण बिरयानी के बारे में बात करता है, फिर उसके बाद कई किरदारों के बीच इंटरकट होता है। इस बीच सभी एक्टर को बहुत ही अनोखे तरीके से दिखाया गया है। वहीं, दूसरी ओर, सूर्या को अपनी पत्नी से अपने हिंसक तरीकों को छोडऩे का वादा करते हुए देखा जाता है। ट्रेलर को कई पार्ट में दिखाया गया, जिसमें सस्पेंस छुपा हुआ है। इसमें रोमांस, एक्शन और कॉमेडी का मिक्चर देखा जा सकता है।रेट्रो में सूर्या ने पारीवेल कन्नन का किरदार निभाया है, जबकि पूजा हेगड़े रुक्मिणी पारीवेल की भूमिका में हैं। ट्रेलर में उनके रिश्ते की झलक दिखाई गई है, जिसमें हल्के-फुल्के रोमांटिक पलों के साथ-साथ कॉमेडी और जबरदस्त एक्शन सीन भी दिखाए गए हैं। बेबी आवनी रुक्मिणी का बचपन का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में जोजू जॉर्ज, जयराम, करुणाकरण, नासर जैसे कलाकार भी शामिल हैं। वहीं, श्रेया सरन फिल्म में एक स्पेशल सॉन्ग में नजर आएंगी।चूंकि अब ट्रेलर ऑफिशियल रिलीज हो चुका है, इसलिए लोग इस बात को लेकर उत्सुक है कि रेट्रो बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करेगी और दर्शक रोमांस, ड्रामा और एक्शन से भरे इस पावरपैक फिल्म को किस तरह से पसंद करेंगे। फिलहाल यह फिल्म 1 मई को तमिल, तेलुगु और हिंदी में दुनिया भर में रिलीज होने के लिए

जाट की सफलता से खुश हुए सनी देओल

अपकमिंग फिल्मों को लेकर कर डाली बड़ी भविष्यवाणी

साउथ सिनेमा के निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी की फिल्म जाट के जरिए सनी देओल ने एक बार फिर से दर्शकों का दिल जीत लिया है। उनकी ये लेटेस्ट मूवी बॉक्स ऑफिस से लेकर सिनेमाघरों तक कमाल कर रही है। भारी तादाद में सिनेप्रेमी जाट को देखने के लिए थिएटर्स पहुंच रहे हैं। अपनी फिल्म की इस सक्सेस को देखते हुए सनी देओल की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा है। जिसको लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया और अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर लेटेस्ट अपडेट भी दिया है। आइए एक नजर सनी

के इस वीडियो पर डालते हैं।

फिल्म की सक्सेस को देखते हुए सनी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है और कहा- आप सभी लोगों ने मेरी जाट को बेशुमार प्यार दिया है। मैं वादा करता हूं कि जाट 2 इससे भी ज्यादा अच्छी होगी। मैं अक्सर वादियों में घूमने के लिए चला आता हूं क्योंकि मुझे यहां काफी अच्छा लगता है। कुछ दिनों बाद मैं अपनी बॉर्डर 2 की शूटिंग के लिए निकल जाऊंगा, आप सभी को प्यार। इस तरह से सनी जाट 2 को लेकर बड़ी भविष्यवाणी कर डाली है। इसके अलावा उन्होंने बॉर्डर 2 की शूटिंग को लेकर भी ताजा अपडेट दिया है। बता दें कि हाल ही मेकर्स की तरफ से जाट के सीक्वल का एलान किया गया है, जिसके बाद से फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ हुई है। 2023 में आई गदर 2 की सफलता के बाद से सनी देओल के करियर में बड़ा यूटर्न आया है। उनकी आने वाली मूवीज की लिस्ट काफी लंबी है, जो इस प्रकार है। बॉर्डर 2, सफर, लाहौर 1947, रामायण, जाट 2, सनी देओल की ये वो मोस्ट अवेटेड मूवीज हैं, जो आने वाले समय में सिनेमाघरों में रिलीज की जाएंगी।

फिल्म अबीर गुलाल का पहला गाना खुदाया इश्क जारी

फवाद खान-वाणी कपूर का दिखा रोमांटिक अंदाज

पिछले काफी समय से अभिनेत्री वाणी कपूर अपनी आगामी फिल्म अबीर गुलाल को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसमें वाणी की जोड़ी पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान के साथ बनी है। यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।इतना ही नहीं, इस फिल्म के जरिए फवाद लगभग 8 साल बाद बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं।

बहरहाल अब अबीर गुलाल का पहला गाना खुदाया इश्क रिलीज हो गया है।अबीर गुलाल के पहले गाने खुदाया इश्क में वाणी और फवाद का रोमांटिक अंदाज दिख रहा है। अरिजीत सिंह और शिल्पा राव ने इसे मिलकर गाया है, जबकि कुमार ने इस गाने के बोल लिखे हैं।यह फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिल्म का निर्देशन आरती एस बागड़ी ने किया है।इस फिल्म में रिद्धि डोगरा, फरीदा जलाल, सोनी राजदान और देव अग्रवाल जैसे अन्य कलाकार भी नजर आएंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
बेहतर ज़िन्दगी के लिए अपनी सेहत और व्यक्तित्व में सुधार लाने के कोशिश करें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह ज़रूर जान लें कि कहीं वो शख़्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। ख़ाली वक़्त आज व्यर्थ की बहसों में ख़राब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको ख़िन्नता होगी। वैवाहिक जीवन में निजता का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह
आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रॉनिक सामान के ख़राब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। आप सभी पारिवारिक कर्ज़ ख़त्म करने में क़ामयाब रहेंगे। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और अब आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बाद आप ख़ुद को काफ़ी शांत और तरो–ताज़ा महसूस करें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
अपने काम–से–काम रखना बेहतर रहेगा। कम–से–कम दख़ल दें, नहीं तो इससे निर्भरता बढ़ सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। किसी ऐसे इंसान के साथ समय बिताना जिसका साथ आपको बहुत पसंद न हो, आपकी खीझ की वजह हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। आपको ख़ुशी से भरी जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते
अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहे हैं तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में कुछ दिलचस्प और रोमांचक काम करने के लिए बढ़िया वक़्त है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आप–को महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को ख़ुश रखने में कामयाब होंगे। आज आपको अपने जीवनसाथी के दैवीय पक्ष देखने को मिल सकता है। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपना रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
विवाहित दंपतियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आज आप परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है। जीवन का आनंद अपने लोगों को साथ लेकर चलने में है यह बात आज आप स्पष्टता से समझ सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। हालांकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज़ हो सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ़्तगू कर सकते हैं। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
किस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। इस राशि के कुछ लोगों को आज ज़मीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। किसी बुज़ुर्ग की सेहत चिंता का सबब बनेगी। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफ़ा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। आपका जीवनसाथी वाक़ई आपके लिए फ़रिश्तों की तरह है और आपको आज यह एहसास होगा। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाक़ात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 अप्रैल 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 07:02 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा दोपहर 12:38 तक
योग : साध्य रात्रि 10:59 तक
करण : बालव प्रातः 07:08 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– बासोड़ा

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पंजाब की जनता प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देख रही प्रगति की आशा : सैनी

चंडीगढ़,20 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की साख को वैश्विक स्तर पर ऊंचा किया है और भारत को नई पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश–प्रदेश निरंतर प्रगति कर रहे हैं। हरियाणा की तरह पंजाब भी प्रगति और उन्नति करें, इसके लिए अब, पंजाब की जनता को भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रगति की आशा है। पंजाब के लोगों ने विभिन्न पार्टियों पर भरोसा किया, लेकिन उन्हें सिर्फ निराशा मिली। इसलिए उन्हें विश्वास है कि नरेंद्र मोदी ही पंजाब को आगे ले जा सकते हैं।

नायब सिंह सैनी ने उनके सम्मान एवं अभिनन्दन के लिए आज जीरकपुर में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिकरत की। इस मौके पर पंजाब के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया और उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे पंजाब के युवाओं से बात करते हैं तो युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लेते हैं। आज पंजाब के किसान एवं युवा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में जब पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार हरियाणा में बनी थी, तब से हरियाणा की जनता भाजपा सरकार पर लगातार भरोसा जता रही है और समर्थन दे रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब उन्होंने 12 मार्च, 2024 को पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तो 50 हजार सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था। लेकिन 56 दिन के भीतर ही आचार संहिता लगने से नियुक्तियां नहीं हो सकी। परंतु उन्होंने हरियाणा के युवाओं से वादा किया था कि शपथ लेने से पहले ज्वाइन कराऊंगा। उन्होंने शपथ से पहले ही 25 हजार युवाओं को ज्वाइन करवाकर अपना वादा निभाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी नीतियां आमजन के हित में लागू की जा रही हैं। हरियाणा में सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं और यही सुझाव उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री को भी दिया था, पर उन्होंने नहीं माना। जब पंजाब में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी तो पंजाब के किसानों की फसलें भी एमएसपी पर खरीदी जाएंगी। हरियाणा की तरह पंजाब में भी किसानों के सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार फसल की पूरी कीमत की गारंटी देती है और यदि फसल खराब होती है, तो भी किसानों के खातों में सीधा मुआवजा दिया जाता है। उन्होंने ब्यौरा देते हुए बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मात्र 1155 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया था, जबकि वर्तमान सरकार ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में अब तक 14,500 करोड़ रुपए का मुआवजा किसानों को प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा, पंजाब का छोटा भाई है, लेकिन आज हरियाणा विकास के मामले में पंजाब से कहीं आगे है। राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों के चलते हरियाणा आज तीन गुणा गति से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे हरियाणा में विकास कार्य तेज गति से हो रहे हैं, वैसे ही कार्य पंजाब में भी होंगे जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वहां सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के लोग आयुष्मान और चिरायु योजना का लाभ उठा रहे हैं। इस योजना के तहत 20 लाख लाभार्थियों को इलाज मिला, जिसमें 6500 करोड़ रुपये हरियाणा सरकार द्वारा वहन किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को भी आयुष्मान योजना का लाभ देने की घोषणा की थी, जिसे हरियाणा सरकार ने पूर्ण रूप से लागू किया और अब तक 12,000 बुजुर्ग लाभान्वित हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2014 में ही भारत को विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा था, और अब भारत वर्ष 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर हैं।उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली के लोगों से वादा किया था कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही उन्हें आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलेगा। सरकार बनते ही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत दिल्ली के लोगों को भी लाभ मिलना शुरू हो गया है।नायब सिंह सैनी ने पंजाब की जनता से अपील करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाएं, जिससे गरीब, किसान और हर वर्ग के व्यक्ति को लाभ मिलेगा और देश विकास की ओर अग्रसर रहेगा। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता और पंजाब की पूर्व सांसद परनीत कौर एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जींद में पेंशनर्स का हल्ला बोल

8वें वेतन आयोग से वंचितों के लिए कल महाधरना

जींद,20 अप्रैल (एजेंसियां)।

आठवें वेतन आयोग के लाभ से वंचित पेंशनभोगियों का भविष्य खतरे में बताते हुए हरियाणा पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन, जिला जींद इकाई ने 22 अप्रैल को जींद जिला मुख्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। एसोसिएशन की कार्यकारिणी की बैठक प्रधान बृजभूषण गोयल की अध्यक्षता में हुई, जिसमें इस विरोध प्रदर्शन की रणनीति तय की गई। बैठक में अखिल भारतीय राज्य पेंशनर फेडरेशन के आह्वान पर पूरे देश में हो रहे विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने का निर्णय लिया गया। ज्वाइंट एक्शन कमेटी रिटायर्ड कर्मचारी, जिला जींद के तत्वावधान में यह धरना प्रदर्शन 22 अप्रैल को सुबह 10 बजे उपायुक्त कार्यालय के निकट जींद–गोहाना रोड पर आयोजित किया जाएगा।

धरने में बड़ी संख्या में पेंशनर्स भाग लेंगे और इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में पेंशनर्स की लंबित मांगों, हितों और अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई। सरकार से मांग की गई कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान देकर उन्हें जल्द पूरा किया जाए। एसोसिएशन के संरक्षक दर्शनलाल गुलाटी और वरिष्ठ उपप्रधान सतबीर खटकड़ सहित कई पदाधिकारियों ने बैठक में अपने विचार रखे।

पेंशनर्स की प्रमुख मांगों में 65, 70 और 75 वर्ष की आयु में मूल पेंशन में क्रमशः 5, 10 और 15 प्रतिशत की वृद्धि, चिकित्सा भत्ता बढ़ाकर 3 हजार रुपये मासिक और अनलिमिटेड कैशलेस चिकित्सा सुविधा, फैमिली पेंशनर्स को एलटीसी, कम्यूटेशन की वसूली 15 वर्ष की बजाय 10 वर्ष में करना, चश्मा, दांत और सुनने की मशीन के लिए सहायता राशि बढ़ाकर 10 हजार रुपये करना और माननीय न्यायालय के निर्णयों को तुरंत लागू करना शामिल हैं। जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र वर्मा ने जिले के सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों से एकजुट होकर 22 अप्रैल के धरना

एमडीयू स्वर्ण जयंती समारोह में बंडारू दत्तात्रेय का आह्वान

नवाचार को बढ़ावा दें विद्यार्थी, मातृभाषा में मिले डिग्री

रोहतक,20 अप्रैल (एजेंसियां)।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने विद्यार्थियों से नवाचार को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नवाचार से ही रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्यपाल ने उच्च शिक्षण संस्थानों से मातृभाषा हिंदी में डिग्री प्रदान करने का आग्रह किया, जिससे गरीब और ग्रामीण छात्रों को लाभ होगा। एमडीयू के कुलाधिपति दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय परिवार को 50 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी करने पर बधाई दी और एमडीयू की स्वर्णिम विरासत को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम होना गर्व की बात है और युवा पीढ़ी को उनके विचारों को आत्मसात करना चाहिए।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति को गेम चेंजर बताते हुए इसके तेजी से कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने एमडीयू के कार्यों और उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि एमडीयू के पूर्व छात्र शिक्षा, खेल, संस्कृति और देश सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने एमडीयू की 50 वर्षों की विकास यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति ही विश्व कल्याण कर सकती है। उन्होंने 2047 तक भारत को विश्व का सबसे शक्तिशाली देश बनाने का संकल्प दोहराया। हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल के अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए इसे उपयोगी बताया। एमडीयू के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

राज्यपाल ने शोध में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को अनुसंधान पुरस्कार प्रदान किए। विशिष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक और गैर–शिक्षक कर्मचारियों, क्लास टॉपर्स, एनएसएस और वाईआरसी स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर के नीचे नवनिर्मित कैफेटेरिया का उद्घाटन किया। एमडीयू के विकास को दर्शाती एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में

राजस्थान सरकार कर रही किसान कल्याण के लिए लाभदायक कार्य

भीलवाड़ा,20 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में सरकार किसानों की आय बढ़ाकर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रदेश में दी जा रही 8 हजार रुपए की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपए प्रति वर्ष करने की घोषणा की गई है। किसानों को गेहूं के एमएसपी पर दिए जा रहे 125 रुपए प्रति क्विंटल के बोनस के स्थान पर अब 150 रुपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा। राज्य में कृषि एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो राज्य की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। यहां की अधिकांश जनसंख्या कृषि कार्यों द्वारा ही अपनी आजीविका चलाती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। राज्य सरकार द्वारा कृषकों को राहत देने व उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई है। कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है। 900 करोड़ रूपये का अनुदान देकर 25 हजार फार्म पौण्ड, 10 हजार डिग्गी, 50 हजार सौर पम्प संयंत्र तथा 20 हजार किमी सिंचाई पाइपलाइन द्वारा 4 लाख से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जायेगा। 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र से अधिक में माइक्रोइरिगेशन तथा 3 लाख 50 हजार रुपए हैक्टेयर में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिस्टम लगाने के लिए 1 हजार 250 करोड़ रूपये का अनुदान दिया जाएगा। 324 करोड़ रूपये का व्यय कर 75 हजार किसानों को 30 हजार किमी लम्बाई में तारबन्दी पर अनुदान दिया जायेगा। राजस्थान कृषि विकास योजना अन्तर्गत 1 हजार 350 करोड़ रूपये से कृषि में नई तकनीकों कृषि आदान, जैविक खेती एवं क्षमता विकास के कार्य करवाए जायेंगे। मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना के अन्तर्गत 5 लाख 44 हजार कृषकों को उच्च गुणवता युक्त बीज उत्पादन के लिए 63 करोड़ रूपये के 1 लाख 13 हजार क्विंटल बीज दिये जायेंगे। मृदा शक्ति संर्वधन योजना के अन्तर्गत किसानों को हरी खाद के लिए 3 लाख ढैंचा बीज मिनिकिट एवं 50 हजार किसानों को गोर्वधन जैविक उर्वरक योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जायेगा। 210 करोड़ रूपये का व्यय कर 1 हजार कस्टम हायरिंग सेन्टरों की स्थापना की जायेगी। इसके साथ ही आधुनिक तकनीकी आधारित कृषि उपकरणों, ट्रैक्टर चलित यंत्र उपलब्ध कराने के लिए 350 करोड़ रूपये का अनुदान देकर 1 लाख किसानों को लाभान्वित किया जायेगा। कृषि क्षेत्र में एआई का उपयोग कर उत्पादकता बढ़ाने के लिए 50 करोड़ रूपये की लागत से स्थापना की जायेगी। मक्का फसल की उत्पादकता में वृद्धि एवं मूल्य संवर्धन के लिए बांसवाडा में 20 करोड रूपये की लागत से स्थापना की जायेगी। प्रदेश में मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करने के लिए भरतपुर में 15 करोड़ रूपये की लागत से मधुमक्खी पालन की स्थापना के साथ साथ 11 करोड़ रूपये का व्यय कर प्रतिवर्ष 2 हजार मधुमक्खी पालक कृषकों को 5 हजार रूपये तक का अनुदान दिया जायेगा। ग्रीन हाऊस, पॉली हाऊस, शेडनेट, प्लास्टिक मल्चिंग और लो टनल पर 225 करोड़ रूपये का अनुदान देकर 2 हजार कृषकों को लाभान्वित किया जायेगा। 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के छिडकाव पर प्रति हैक्टेयर 2 हजार 500 रूपये का अनुदान दिया जायेगा। किसान उत्पादन संगठन के 100 कृषक सदस्यों को इजरायल सहित अन्य देशों में और 5 हजार किसानों को राज्य से बाहर प्रशिक्षण के लिए भेजा जायेगा। 50 हजार करोड़ रुपए की लागत से 1 लाख भूमिहीन कृषि श्रमिकों को 5 हजार लागत तक के कृषि यंत्र एवं उपकरण उपलब्ध कराने की घोषणा की गई।

फतेहपुर के मंदिरों में सीएम ने की पूजा–अर्चना

जयपुर,20 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शेखावाटी क्षेत्र की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन रविवार सुबह सीकर जिले के फतेहपुर में चित्रकूट बालाजी मंदिर तथा श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख–शांति और समृद्धि की कामना की। शर्मा ने सर्वप्रथम चित्रकूट बालाजी मंदिर परिसर में कामधेनु–शिव मंदिर तथा बालाजी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि श्री बुद्ध गिरी जी महाराज की मढ़ी पहुंचकर वहां स्थित हिंगलाज माता और शिव मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने संत शिरोमणि श्री बुद्ध गिरी जी महाराज सहित अन्य संतों की समाधि पर नमन किया। वहां से शर्मा ने फतेहपुर के प्राचीन श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत् पूजा अर्चना कर विकसित और अग्रणी राजस्थान के लिए भगवान लक्ष्मीनाथ जी से प्रार्थना की। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अजमेर–जयपुर हाईवे पर फर्नीचर शोरूम में लगी आग

अजमेर,20 अप्रैल (एजेंसियां)।

जयपुर–अजमेर हाईवे पर स्थित एक विशाल फर्नीचर शोरूम में आज शाम लगभग 4 बजे भीषण आग लग गई। आग की लपटों ने देखते ही देखते पूरे शोरूम को घेर लिया, जिससे करोड़ों रुपए के फर्नीचर और संपत्ति के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। शोरूम के मालिक घटना की खबर सुनकर मौके पर पहुंचे और अपनी आंखों के सामने अपने व्यवसाय को जलता देख बेसुध हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग शोरूम के मध्य भाग से उठनी शुरू हुई और तेज हवा के कारण तेजी से फैल गई। धुएं का घना गुबार और आग की ऊंची लपटें कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं, जिसके चलते हाईवे पर यातायात को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने तुरंत आग बुझाने का काम शुरू कर दिया।

सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों पर जताई चिंता

संस्कारित समाज के निर्माण के लिए आत्मपरिवर्तन का आह्वान

टोंक।,20 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान साहित्यिक आंदोलन के तहत भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने वर्तमान सामाजिक परिदृश्य, विशेष रूप से सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। साथ ही भारतीय संस्कृति और मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा के लिए आत्ममंथन और आत्मपरिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया गया।इस अवसर पर साहित्यकार अनिल सक्सेना ने कहा कि समाज में बदलाव लाने से पहले हमें स्वयं को बदलने की पहल करनी होगी। उन्होंने निरंतर प्रयास और चिंतन की आवश्यकता जताई। वहीं प्रो. पीसी जैन ने भारतीय संस्कृति की सहिष्णुता को इसकी आत्मा बताते हुए कहा कि असहिष्णुता से झूठ और हिंसा को बढ़ावा मिलता है। डा. मनु शर्मा ने युवाओं के भटकाव की स्थिति पर चिंता जताई और संस्कारित समाज की आवश्यकता पर बल दिया।

जाति जनगणना पर जल्दबाजी में नहीं लेंगे कोई निर्णय: डी.के. शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि जाति जनगणना के मुद्दे पर कोई जल्दबाजी में निर्णय नहीं लिया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी जाति समुदायों को न्याय दिलाएंगे। हम अभी रिपोर्ट की समीक्षा कर रहे हैं। अभी भी पर्याप्त समय है। उन्होंने कहा कि इसे सही से बनाया जाना चाहिए। हम जाति जनगणना पर चर्चा कर रहे हैं। 90 प्रतिशत लोगों के बारे में जानकारी एकत्र कर ली गई है। 10 प्रतिशत लोगों ने जानकारी एकत्रित नहीं की है। कुछ लोग सुझाव दे रहे हैं, जो लोग घर पर नहीं थे, उन्होंने जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि कैबिनेट में चर्चा के दौरान मंत्री सामाजिक एवं शैक्षणिक सर्वेक्षण की भी समीक्षा कर रहे हैं। सभी जातियों और समुदायों में गरीब लोग हैं। उनको लाभ

मिलना चाहिए। उत्पीड़ित समुदायों को सशक्त बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर सभी को न्याय मिलना चाहिए। कांग्रेस की मूल विचारधारा और दर्शन सभी के साथ समान व्यवहार करने का है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने जाति जनगणना के संबंध में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी द्वारा लिखा गया पत्र नहीं देखा है।

किसने कहा कि तट हिंदुत्व का गढ़ है? यह सभी धर्मों का गढ़ है। इस क्षेत्र में जल, मंदिर, दरगाह, समुद्र, वातावरण, पर्यावरण, शैक्षणिक और धार्मिक संस्थान हैं। क्या इनमें कोई प्रजाति है? केवल कुछ लोग ही कहते हैं कि वे सिर्फ हिंदू हैं। हमारा मानना है कि सभी जातियाँ एक समान हैं। हम सभी वर्ग के लोगों की सुरक्षा करते हैं। उन्होंने राज्य की परिभाषा इस प्रकार दी कि इसमें तटीय क्षेत्र, मलनाड, पुराना मैसूरु, उत्तर कर्नाटक, मध्य कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक शामिल हैं। तट पर लोगों का जीवन भावनाओं से अधिक महत्वपूर्ण है। राजनीति भावना के बजाय जीवन पर आधारित होनी चाहिए। इस निर्वाचन क्षेत्र में दो विधायक जीते हैं। इस क्षेत्र में पार्टी को मजबूत किया जाना चाहिए और लोगों को लाभ मिलना चाहिए। वहां एक मजबूत सरकार है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी हमारी अपनी सरकार होगी। लोगों ने हमें वोट दिया और बड़े अंतर से विजयी हुए। कांग्रेस हर परिवार की मदद कर रही है। डी.के. शिवकुमार ने पूछा कि भाजपा के साथ क्या हो रहा है?

नम्मा मेट्रो ने बनाया एक और रिकॉर्ड

किराया बढ़ने के बावजूद यात्रियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

किराए में वृद्धि के बावजूद, नम्मा मेट्रो, जो एक दैनिक परिवहन प्रणाली है, यात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड बना रही है। हाल ही में, नम्मा मेट्रो मूल्य वृद्धि के कारण भारी आक्रोश का लक्ष्य बनी थी।

इसके कारण कई लोगों ने मेट्रो में यात्रा करना बंद कर दिया था। मूल्य वृद्धि के बाद, मेट्रो यात्रियों की संख्या में काफी कमी आई थी। अब, मूल्य वृद्धि के बावजूद, यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने घोषणा की है कि 17 अप्रैल, 2025 को मेट्रो में रिकॉर्ड 9,08,153 यात्रियों ने यात्रा की। ऑल टाइम रिकॉर्ड 7 दिसंबर, 2024 को बना था, जब 9.20 लाख यात्रियों ने यात्रा की थी। पिछला रिकॉर्ड 14 अगस्त को बना था, जब 9.17 लाख लोगों ने यात्रा की थी, जो पहली बार संख्या 9 लाख को पार कर गया था। चूंकि सीईटी परीक्षा 17 अप्रैल को हुई थी और अगले दिन 'गुड फ्राइडे' की छुट्टी थी, इसलिए अपने गृहनगर जाने वाले कई लोगों ने बस और ट्रेन स्टेशनों तक पहुंचने के लिए मेट्रो ट्रेन का इस्तेमाल किया। इस वजह से उस दिन मेट्रो स्टेशनों पर भारी भीड़ रही। नम्मा मेट्रो' के इतिहास में तीसरी बार यात्रियों की संख्या 9 लाख को पार कर गई। उस दिन पर्पल लाइन पर 4.35 लाख लोगों ने मेट्रो में सफर किया, ग्रीन लाइन पर 2.85 लाख लोगों ने और मैजेस्टिक पर 1.87 लाख लोगों ने रूट बदला।

सभी नगर निगम कर्मचारियों की सेवा होगी स्थायी: सीएम सिद्धरामैया

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि सभी नगर निगम कर्मचारियों की सेवाएं स्थायी करने के लिए काम चल रहा है। स्मार्ट सिटी अनुदान के तहत बेलगावी के तिलकवाड़ी में नवनिर्मित आधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुमंजिला कला भवन का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा कि अनुबंध कर्मचारियों को पहले ही न्यूनतम वेतन के दायरे में लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह काम हमारी सरकार ने किया और अब इसे स्थायी बनाने वाली भी हमारी ही सरकार है। बेलगावी में स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत शुरू किए गए 150 कार्यक्रमों में से 102 पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाकी काम भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 6,928 करोड़ रुपये की लागत से बहुत सारा काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बेलगावी के समग्र विकास के लिए लगातार योजनाएं और कार्यक्रम बना रही है और उन्हें क्रियान्वित कर रही है।

हाजीपुर में बरसे तेजस्वी : प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर, मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं और भ्रष्टाचार को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला है। शनिवार को हाजीपुर पहुंचे तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है, जबकि मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में दिनदहाड़े हत्या, लूट और बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई

ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि थाना और ब्लॉक स्तर पर भ्रष्टाचार बेतहाशा बढ़ गया है। आम जनता परेशान है, बिना घूस दिए कोई भी काम नहीं होता। यह स्थिति मंत्री स्तर तक फैली हुई है।

ग्लोबल टेंडर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के स्थानीय ठेकेदारों को काम नहीं मिल रहा है। बाहर की कंपनियों को कमीशन के बदले काम दिया जा रहा है। इससे आने वाले समय में वित्तीय अराजकता फैलेगी। एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीते 20 वर्षों में बिहार को बेरोजगारी, महंगाई और पलायन के अलावा कुछ नहीं मिला। प्रति व्यक्ति आय और किसानों की आय के मामले में बिहार आज भी सबसे पीछे है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि एनडीए की 20 साल की 18 सरकारों से जनता अब काफी नाराज है और इस बार बदलाव तय है। ये लोग कभी असल मुद्दों की बात नहीं करते। चिराग पासवान को लेकर पूछे गए सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि उनके बारे में हमें कुछ नहीं कहना है। वह खुद तय करें कि उन्हें क्या करना है। नेता प्रतिपक्ष हाजीपुर और बिदुपुर में आयोजित विभिन्न शादी और श्राद्ध कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे थे।

भूमि विवाद को लेकर एक व्यक्ति की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

दरभंगा (एजेंसियां)।

मधुबनी जिले में भूमि विवाद रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला फुलपरास थाना क्षेत्र के महिंद्रवार गांव का है, जहां भूमि विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान महिंद्रवार-बार सीतापट्टी गांव निवासी राम इकबाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राम इकबाल अपने भाई के साथ खेत में गेहूं काटने गया था। इसी दौरान इस बात की सूचना दूसरे पक्ष को मिल गई। दूसरे पक्ष के करीब 10 से 12 लोग लाठी, डंडे और कुल्हाड़ी से लैस होकर खेत पर पहुंचे। जैसे ही राम इकबाल ने उन्हें देखा, वह मौके से भागने लगा। लेकिन हमलावरों ने उसका पीछा कर करीब आधा किलोमीटर दूर जाकर उसे पकड़ लिया और कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन उसे तत्काल अनुमंडल अस्पताल फुलपरास ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया। लेकिन दरभंगा ले जाने के क्रम में रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही फुलपरास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरस अस्पताल, मधुबनी भेज दिया गया। फुलपरास थाना अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने बताया कि यह मामला पिछले छह महीने से चल रहे भूमि विवाद से जुड़ा हुआ है। इस हमले में एक पशु के भी घायल होने की सूचना है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जमीनी विवाद में ईंट-पत्थर के बाद चली गोली, युवक घायल

मुंगेर(एजेंसियां)। मुंगेर के नयारामनगर थाना क्षेत्र के भगीचक गांव में शनिवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले और इसी दौरान हुई फायरिंग में एक युवक घायल हो गया। गोली लगने से घायल युवक की पहचान कुंदन मंडल (36 वर्ष), पिता नवीन मंडल, निवासी भगीचक गांव के रूप में हुई है। परिजनों ने उसे पहले सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सफियासराय स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय ग्रामीण बादल गोस्वामी ने बताया कि आंधी और बारिश के चलते संजय गोस्वामी अपने घर का टीन का चदरा ठीक कर रहा था। इसी बात को लेकर पड़ोसी संतोष यादव, निकेश यादव और मुकेश यादव ने विरोध जताया। विवाद बढ़ा तो गाली-गलौज और मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि संतोष यादव का परिवार घर से ही ईंट-पत्थर फेंकने लगा। इसी दौरान संतोष यादव ने छत से फायरिंग कर दी, जिसमें मारपीट देख रहे कुंदन मंडल को गोली लग गई।

मुजफ्फरपुर में गांजे की बड़ी खेप बरामद महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर रेल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजे की भारी खेप के साथ एक महिला और एक पुरुष तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह सफलता जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में मिली है। दोनों आरोपियों को प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। उनके पास से लगभग 19 किलो गांजा बरामद हुआ है, जिसकी कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। रेल पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए तस्कर मादक पदार्थ की इस खेप को गुप्त तरीके से छिपाकर गोरखपुर ले जाने की फिराक में थे, जहां इसे किसी बड़े तस्कर को सौंपा जाना था। पूछताछ में दोनों ने बताया कि यह खेप उन्हें पटना के एक सप्लायर से मिली थी और इसके बदले उन्हें कमीशन मिलने वाला था। गिरफ्तार महिला तस्कर मुंगेर जिले की निवासी है, जबकि पुरुष तस्कर का संबंध बेगूसराय जिले से है। दोनों पहले से एक-दूसरे को जानते हैं और साथ मिलकर इस अवैध धंधे को अंजाम दे रहे थे। जीआरपी प्रभारी रंजीत कुमार ने जानकारी दी कि संदिग्ध बैग के साथ पकड़े गए दोनों व्यक्तियों की तलाशी लेने पर गांजा बरामद हुआ। फिलहाल पुलिस मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की जांच में जुटी है। साथ ही, इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी जारी है।

पश्चिम बंगाल में हुए हिंसा के विरोध में हिंदूवादी संगठनों का प्रदर्शन

राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

पटना (एजेंसियां)।

कैमूर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के साथ हिंदूवादी संगठन के द्वारा पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ भभुआ शहर के नगर परिषद मैदान से एकता चौक होते हुए जिला समाहरणालय तक आक्रोश मार्च निकाला गया। इस दौरान जिलाधिकारी सावन कुमार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष सुनील कुमार केशरी और हिंदूवादी संगठन के प्रमुख उत्तम पटेल ने बताया, वक्फ कानून के विरोध में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार हिंसा की आग में जलाया जा रहा है। हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। राष्ट्रीय विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से क्रियान्वित करने की खुली छूट दी जा रही है, उससे स्पष्ट लगता है कि बंगाल की स्थिति अत्यधिक चिंताजनक है।

इसका स्पष्ट अर्थ है कि वह बहाना था, असली उद्देश्य मुर्शिदाबाद को हिंदू शून्य बनाना था। वहीं, इस उन्मादी भीड़ ने हिंदुओं के दो सौ से अधिक घरों और व्यावसायिक दुकानों को लूटकर जलाया। सैकड़ों हिंदू को बुरी तरह घायल किया गया। महिलाओं की सील भंग भी किए गए, जिसके परिणाम स्वरूप 500 से अधिक हिंदू परिवारों को मुर्शिदाबाद से पलायन करना पड़ा। वहीं, उनके पास जाकर चिंता और सहायता करने के बजाय ममता बनर्जी द्वारा दंगा भड़काने वाले इमाम से मिलकर शरणार्थियों की सुविधा देने की जगह उनको वापस जिहादियों के सामने जबरन परोसने का षड्यंत्र कर रही है।

जदयू को फिर लगा बड़ा झटका, पूर्व विधायक मुजाहिद आलम ने छोड़ी पार्टी

किशनगंज (एजेंसियां)।

जनता दल यूनाइटेड को एक बार फिर एक बड़ा झटका लगा है। जनता दल यूनाइटेड के पूर्व विधायक मास्टर मुजाहिद आलम ने शनिवार को पार्टी को अलविदा कह दिया। इतना ही नहीं उनके साथ कई कार्यकर्ता भी पार्टी छोड़ दी है। इस बात की जानकारी पूर्व विधायक मास्टर मुजाहिद आलम ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी है। इस्तीफे के बाद और प्रेस वार्ता के पहले उन्होंने किशनगंज स्थित जदयू कार्यालय से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सभी पोस्टर और बैनर हटा दिए। मुजाहिद आलम ने बताया कि वह विगत 15 वर्षों से जदयू से जुड़े थे। वह किशनगंज जिले में पार्टी के जिलाध्यक्ष थे। 2023 के लोकसभा चुनाव में वह

पार्टी के प्रत्याशी भी रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस्तीफे का मुख्य कारण वक्फ बिल पर नीतीश कुमार का बदला हुआ रुख है।

मुजाहिद आलम ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वक्फ बिल पर केंद्र सरकार का समर्थन किया। यह मुसलमानों के धार्मिक अधिकारों में हस्तक्षेप है। उन्होंने कहा कि इस बिल के द्वारा केंद्र सरकार की वक्फ की जमीनों पर कब्जा करना चाहती है। यह केंद्र सरकार की साजिश है, जिसे हम हरगिज पूरा होने नहीं देंगे। हमारा विरोध मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बदले मिजाज के कारण है।

इस संबंध में मुजाहिद आलम ने बताया कि वक्फ संशोधन कानून के विरोध में मैने अपने कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी को अलविदा कह दिया है। इस संबंध में उन्होंने प्रेस रिलीज जारी करते हुए उन कार्यकर्ताओं के नाम भी बताये हैं। पार्टी छोड़ने वालों में जिला उपाध्यक्ष ज़ैद अज़ीज़, जिला महासचिव अफाक आलम, शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सिकंदर हयात शैली, कला खेलकूद विभाग के प्रकोष्ठ अध्यक्ष अंजार आलम, प्रधान महासचिव मो. जिशान हिटलर, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष गुलाम जिलानी, जिला सचिव मिन्हाज आलम, कार्यकारिणी सदस्य गौतम चौधरी, निर्मल झा, मो. मुस्तकीम, सतीश कुमार सिंह, शादाब मोअज्जम, नाफिश आलम, मकसूद आलम, आरजू रेजा और फैज हसन सहित अन्य कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल थे।

संभल हिंसा में 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

संभल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के संभल स्थित विवादित जामा मस्जिद ढांचे के सर्वे के दौरान मोहम्मद बिलाल और अयान नाम के दो लोगों की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में एसआईटी ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। स्थानीय कोर्ट में दाखिल की गई 500 पन्नों की चार्जशीट में गुलाम शाह और मुल्ला अफरोज को आरोपी बनाया गया है। दो अन्य मामलों में भी जल्दी ही चार्जशीट दाखिल होगी।

गुलाम शाह और मुल्ला अफरोज संभल के ही रहने वाले हैं और भागकर दुबई में बैठे शारिक साठा के गुर्गे हैं। दोनों का आपराधिक इतिहास भी है। बिलाल और अयान की हत्याओं के साथ-साथ उन पर दूसरों को हिंसा के लिए उकसाने का आरोप भी लगाया गया है। दोनों की गिरफ्तारी के बाद बड़ी संख्या में हथियार और अन्य संदिग्ध सामान जब्त किए गए थे। जांच में सामने आया है कि साठा ही इस हिंसा का मास्टरमाइंड है। उसने स्थानीय सहयोगियों के माध्यम से हिंसा फैलाने की साजिश रची थी और इसके लिए हथियारों की आपूर्ति की थी। पिछले साल 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हुई हिंसा में शाह और अफरोज ने ही अवैध हथियारों से फायरिंग की थी, जिसमें दोनों की मौत हुई थी। इस हिंसा में कुल 12 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

इन प्राथमिकियों में 37 आरोपियों के नाम दर्ज हैं। इनमें सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल के नाम शामिल हैं। इसके अलावा, कई मामलों में करीब 3,750 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस के मुताबिक, अब तक 80 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com